Lalithaa®
Lalithaa Jewellery
Mart (P) Ltd.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

Lalithaa Jewellery Mart (P) Ltd.
HYDERABAD • VIZAG • VIJAYAWADA • VIZIANAGARAM
RAJAMAHENDRAVARAM • BHIMAVARAM • KAKINADA
TIRUPATHI • GOPALAPATNAM • SRIKAKULAM • GUNTUR
ANANTAPUR • ONGOLE • NARASARAOPET • BENGALURU
MANGALURU • MYSURU • CHENNAI • GUDIYATHAM
MADURAI • TRICHY • PUDUCHERRY • KUMBAKONAM
RAMANATHAPURAM • KOVAI • NAGERCOIL • SALEM
ERODE • TIRUPPUR • TIRUNELVELI • THENI

वर्ष-27 अंक : 158 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.10 2079 रविवार, 21 अगस्त 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14+32 मूल्य : 8 रुपये

• Internationally Recognised Quality certificate • VVS Clarity • E-F Colour grade
• 100% Buy Back against Diamond jewellery; 85% against cash/gold jewellery
(Our diamond rate on the day of exchange will be applicable)

हीरे के हार, हीरे के चोकर, हीरे की चूड़ियां, हीरे के कंगन, हीरे के झुमके और ड्रॉप्स, हीरे की अंगूठियां, हीरे की वंगी और वड्डनम, हीरे के जड़े....

Lalithaa®
Lalithaa Jewellery
Mart (P) Ltd.
www.lalithaajewellery.com

6-3-883, SBR Souk, Opp.Rajiv Gandhi Statue, Somajiguda, Hyderabad. Ph: 91333 23016.

गोल्ड ज्वेलरी

मार्केट के सबसे कम V.A.चार्जेस में आभूषण खरीदें।

V.A. में 1% अधिक = लगभग ₹50 प्रति ग्राम का नुकसान।

CHAINS

Item	V.A.
Thaali Saradu	2.99 %
MC V Chain	2.99 %
Hollow Rope	2.99 %
Delhi	2.99 %
Hollow Square Rope	3.99 %
Kerala S Leaf	5.99 %
Kerala Design	5.99 %
Kerala Design	5.99 %
Gundu	5.99 %
Anjali	5.99 %
Gopi Anjali	5.99 %
Gopi Gundu	5.99 %
MC V Imperial	6.99 %
Hollow Leaf	6.99 %
Hollow Chandramuki	6.99 %
Lotus	6.99 %
Tendulkar Chain & Bracelet	6.99 %
CB Fancy	7.99 %
CB Pyramid	7.99 %

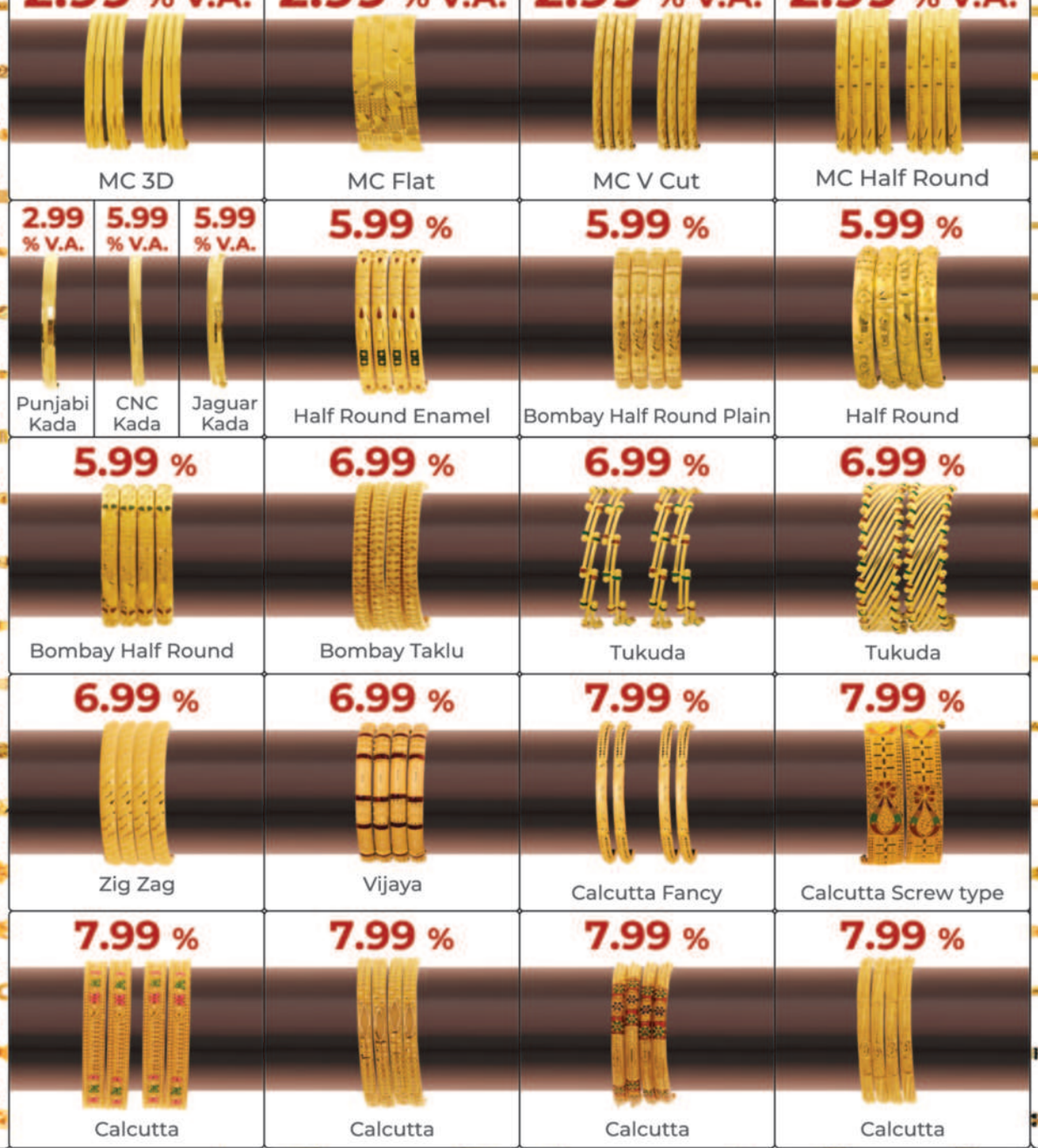

Item	V.A.
MC 3D	2.99 % V.A.
MC Flat	2.99 % V.A.
MC V Cut	2.99 % V.A.
MC Half Round	2.99 % V.A.
Punjabi Kada	2.99 % V.A.
CNC Kada	5.99 % V.A.
Jaguar Kada	5.99 % V.A.
Half Round Enamel	5.99 %
Bombay Half Round Plain	5.99 %
Half Round	5.99 %
Bombay Half Round	5.99 %
Bombay Taklu	6.99 %
Tukuda	6.99 %
Tukuda	6.99 %
Zig Zag	6.99 %
Vijaya	6.99 %
Calcutta Fancy	7.99 %
Calcutta Screw type	7.99 %
Calcutta	7.99 %
Calcutta	7.99 %
Calcutta	7.99 %
Calcutta	7.99 %

MUGAPPU CHAINS

Item	V.A.
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
MC Casting Mugapu	6.99 %
Hollow Rope R KT Ball Mugappu	6.99 %
MC R KT Ball Mugappu	6.99 %
Saradu Karur Kodi Casting Mugapu	9.99 %
Saradu Karur Kodi Casting Mugapu	9.99 %
MC Chain Temple Mugapu	9.99 %

CHAINS

Item	V.A.
Bahubali Fancy	7.99 %
CB Ball Basha	7.99 %
CB Bahubali	7.99 %
Black Beads	7.99 %
Black Beads	7.99 %

Lalithaa®

SALES STAFF WANTED !

EARN BIG !

If you are a hardworker, you will grab this golden opportunity ! In addition to salary, you can earn **incentives from Rs.25000. If you are a top performer, you can earn more than Rs.1 Lakh per month as incentive alone !**

Sales Trainee (F/M)

+2 or Degree. Inviting Freshers.

Salary : Rs.15000 + Incentive

Sales Executive (F/M)

+2 or Degree with 2 to 3 Years Exp. in Jewellery.

Salary : Rs.18000 to Rs.23000 + Incentive

Customer Relations Executive (F)

+2 or Degree. Freshers or 2 to 3 Years Exp.

Salary : Rs.17000 to Rs.20000

Interview on 23, 24, & 25 Aug

Time : 10am to 5pm

Contact nearest LALITHAA JEWELLERY showroom or mail resume to

careers@lalithaajewellery.com

payroll@lalithaajewellery.com

9133323014

मेकिंग चार्जेस (M.C.) नहीं है

यह हमारी विशाल रेंज का एक छोटा सा हिस्सा है।

ललिता ज्वेलरी के सभी आभूषण 'मार्केट के सबसे कम V.A. चार्जेस' पर उपलब्ध हैं।

Lalithaa®

www.lalithaajewellery.com

Lalithaa Jewellery Mart (P) Ltd.

BIS 916 Hallmark
Lakhs of designs

SOMAJIGUDA: 6-3-883, SBR Souk, Opp. Rajiv Gandhi Statue. Ph: 040 - 6748 6677.
KUKATPALLY: 2-22-298PNR Empire, KPHB Metro Station. Ph: 040 - 2384 2277.
DILSUKHNAGAR: 13-18-89/A, Archana complex, Kamala nagar road, Opp. to Metro pillar no: A 1558, Chaitanyapuri Circle. Ph: 9133832704 / 040 29334505

HYDERABAD • VIZAG • VIJAYAWADA • VIZIANAGARAM • RAJAMAHENDRAVARAM • BHIMAVARAM
KAKINADA • TIRUPATHI • GOPALAPATNAM • SRIKAKULAM • GUNTUR • ANANTAPUR • ONGOLE • NARASARAOPET
CHENNAI • GUDIYATHAM • MADURAI • TRICHY • PUDUCHERRY • KUMBAKONAM • RAMANATHAPURAM • KOVAI
NAGERCOIL • SALEM • ERODE • TIRUPPUR • TIRUNELVELI • THENI • KALLAKURICHI • BENGALURU • MANGALURU • MYSURU

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 158 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.10 2079 रविवार, 21 अगस्त 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14+32 मूल्य : 8 रुपये

खालिस्तानी नेटवर्क के खिलाफ केंद्र लेगा एक्शन

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार खालिस्तानी नेटवर्क और ड्रग ट्रैफिकिंग मॉड्यूल के खिलाफ ऐक्शन लेने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य जांच एजेंसी को दिल्ली से सटे 5 राज्यों में खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय ने यह फैसला शुक्रवार को एनआईए, ईडी, आईबी, रॉ के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया है। बैठक में दिल्ली पुलिस समेत पांच राज्यों की पुलिस मौजूद थी। मिली जानकारी के मुताबिक जांच एजेंसी खालिस्तानी एक्टिविटी पर नजर रखेगी और उनके ऊपर केस दर्ज करेगी। दरअसल, कुछ महीने दिल्ली और आसपास के राज्यों में आईईडी और विस्फोटक बरामद हुए थे।

सीबीआई छापों पर भाजपा-आप में जुबानी जंग

दिल्ली में रेवड़ी और बेवड़ी सरकार : अनुराग ठाकुर, सिसोदिया बोले मुझे जेल भेजने की तैयारी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर सीबीआई छापे के अगले दिन केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आप सरकार पर हमला बोला है। ठाकुर ने केजरीवाल सरकार को रेवड़ी और बेवड़ी सरकार तो कहा ही, साथ ही शराब घोटाले में सिसोदिया का नाम आने को लेकर तंज कसा कि अब उनके नाम में मनीष की स्पेलिंग एम ओ एन ई वाई शाह हो गई है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि अगर शराब नीति ठीक थी तो आपने वह वापस क्यों ली? आप की हालत ऐसी थी कि अगर चोर को दाढ़ी में तिनका दिखा, तो उसने बचने के लिए दाढ़ी ही मुंडवा ली। बिलकुल इसी तरह मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल को जब शराब नीति में भ्रष्टाचार दिखा, तो शराब नीति वापस ले ली। केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया, अगर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को रिटेल में शराब बेचने की अनुमति नहीं थी, तो इस नीति के तहत उन्हें अनुमति क्यों दी गई? कार्टेल कंपनियों को ठेका क्यों दिया गया? ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को ठेका दिया गया या नहीं? यह आम आदमी पार्टी की सरकार रेवड़ी सरकार और बेवड़ी सरकार है। इससे पहले मनीष सिसोदिया ने भी शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि दिल्ली

की एक्साइज स्कीम सबसे अच्छी स्कीम है। देश में यह एक उदाहरण बन सकती है। कल मेरे घर सीबीआई की रेड पड़ी थी। सारे ऑफिसर अच्छे थे। सबका व्यवहार काफी अच्छा था। उनसे मुझे कोई तकलीफ नहीं हुई। दो से चार दिन में मुझे गिरफ्तार कर लेंगे, जेल में डाल देंगे। सिसोदिया ने कहा कि कल बिन बुलाए, अनचाहे मेहमानों के बीच था, जिनके बीच रहना कोई पसंद नहीं करता। उसके बाद मुझे लगा कि मैं यहां (कार्यक्रम में) आऊं या नहीं आऊं। मुझे लगा कि मैं यह काम करने के लिए हूं न कि वह जो कल करना पड़ा। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली की शराब नीति सबसे अच्छी है। दिल्ली की नई शराब नीति की आड़ में घोटाले को लेकर सीबीआई ने बड़े दावे किए हैं।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इसकी पटकथा दिल्ली नहीं, मुंबई में लिखी गई थी। इसे तैयार करने में मुंबई की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के पूर्व सीईओ का नाम सामने आया है। सीबीआई ने एफआईआर में लिखा है कि मामले को साफ-सुथरा दिखाने के लिए आबकारी विभाग के रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर फर्जी एंट्री की गईं, ताकि सरकारी मातहतों और निजी पक्षों को सीधे लाभ पहुंचाया जा सके। इस बीच, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने करीब 12 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया गया।

>12

'भगवा हो गए' सीबीआई के पंख : सिब्बल

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल शनिवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'पिंजरे का तोता' आजाद हो गया है। उन्होंने जांच एजेंसी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा है। गुरुवार को सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास पर छापामार कार्रवाई की थी।

सिब्बल ने ट्वीट किया, सीबीआई, कभी एक पिंजरे का तोता रहा, अब आजाद हो गया है। उन्होंने लिखा कि इसके पंख भगवा हो गए हैं। साथ ही सिब्बल ने प्रवर्तन निदेशालय को भी सीबीआई के पंख करार दिया है। उन्होंने लिखा, इसका मालिक जो कहता है, वह तोता करता है। शुक्रवार को भी उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए थे।

शुक्रवार को सिसोदिया के आवास पर हुई सीबीआई की जांच देर शाम तक चली। आप नेता ने बताया है कि जांच एजेंसी ने उनका कंप्यूटर और मोबाइल फोन ले लिया है। इधर, संजय सिंह, राघव चड्ढा समेत बड़े आप नेताओं का सरकार पर हमला जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाए जा रहे हैं कि सरकार दिल्ली के विकास मॉडल को निशाना बना रही है। सिब्बल ने सिसोदिया के आवास पर जारी रेड को लेकर ट्वीट किया। उन्होंने कहा, अब जब केजरीवाल का उदय हो रहा है, तो यह बीजेपी को अस्थिर करने का समय है। साथ ही उन्होंने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को सरकार के हाथ बताया है। उन्होंने ट्वीट में दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ हुई कार्रवाई का भी जिक्र किया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन को गिरफ्तार किया था।साल 2013 में कोयला आवंटन मामले की सुनवाई कर रहा था। उस दौरान जस्टिस आरएम लोढ़ा ने 'पिंजरे के तोते' की बात कही थी

न्याय देने में समय और प्रक्रिया के बीच संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण : राजनाथ

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के एक कार्यक्रम में सशस्त्र बलों के लिए समय पर न्याय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, हम अक्सर न्याय में देरी और न्याय से वंचित की बात करते हैं। इसलिए हमें एक व्यवस्थित प्रक्रिया विकसित करके अपने चार्टर को समय पर न्याय वितरण सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए।

रक्षामंत्री ने कहा, हमें ऐसा करते समय भी बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, न्याय देने में समय और प्रक्रिया के बीच संतुलन बनाए रखना आज के

समय की एक महत्वपूर्ण मांग है। रक्षामंत्री ने कहा, देश के स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है। चाहे महात्मा गांधी हों, पंडित नेहरू, सी राजगोपालाचारी, बाल गंगाधर तिलक, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एस श्रीनिवास अयंगर, सरदार पटेल या डॉ. भीमराव अंबेडकर इन सभी के योगदान के बिना हमारा भारत, भारत नहीं होता। उन्होंने कहा, न्यायालयों को और अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सशस्त्र बल न्यायाधिकरणों ने सेवारत सैनिकों और पूर्व सैनिकों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जज 50 मामले निपटाते हैं तो 100 नए दायर हो जाते हैं :

इस कार्यक्रम में कानून मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, अगर कोई न्यायाधीश 50 मामले सुलझाता है तो 100 नए मामले दायर हो जाते हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि अब लोग पहले से ज्यादा जागरूक हैं, वे न्याय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाते हैं।

आतंकियों के टारगेट पर पंजाब के नेता

केंद्र ने डीजीपी को 10 की लिस्ट भेजी, सुरक्षा कटौती के बाद मूसेवाला की हत्या हो चुकी

चंडीगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के नेता गैंगस्टर्स और आतंकियों के टारगेट पर हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को 10 नेताओं की लिस्ट भेजी है। जिनकी सुरक्षा के बारे में सतर्कता बरतने को कहा गया है। पंजाब में वीआईपीज की सुरक्षा से जुड़ा मामला काफी संवेदनशील हो चुका है। सुरक्षा में कटौती के अगले ही दिन पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मानसा में हत्या कर दी गई थी।

4 कांग्रेसी नेताओं को सबसे ज्यादा खतरा :

सूत्रों के मुताबिक पंजाब के डीजीपी को भेजी लिस्ट में 4 ऐसे कांग्रेसी नेता हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा खतरा बताया गया है। इनमें पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मंत्री गुरकीरत कोटली, विजयइंदर सिंगला और पूर्व विधायक परमिंदर पिंकी का नाम शामिल है।

गुरकीरत कोटली पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते भी हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन नेताओं की सुरक्षा पर ध्यान देने को कहा है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सरकार बनते ही वीआईपीज की सिक्योरिटी में कटौती शुरू कर दी। इसे वीआईपी कल्चर पर एक्शन बताया गया। क्रेडिट लेने के लिए सुरक्षा ब्यौरा भी सार्वजनिक कर दिया गया। इसी तरह सिंगर सिद्धू मूसेवाला की भी 28 मई को सिक्योरिटी घटाई गई। अगले ही दिन मूसेवाला की हत्या कर दी गई। हालांकि हत्या के वक्त उनके साथ तैनात 2 गनमैन को मूसेवाला साथ लेकर नहीं गए थे।

बीडीए अफसर को नहीं मिली जमानत

बेंगलुरू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार को लेकर तल्ख टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने बेंगलुरू विकास प्राधिकरण (बीडीए) के एक अधिकारी को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि सरकारी दफ्तरों में बेकाबू भ्रष्टाचार है।

हाईकोर्ट के जस्टिस के. नटराजन ने कहा, आजकल सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार बेकाबू हो गया है। बगैर रिश्वत दिए कोई फाइल आगे नहीं बढ़ती है। इसलिए मेरा मानना है कि याचिकाकर्ता को इस वक्त जमानत नहीं दी जा सकती है।

उन्होंने यह टिप्पणी बीडीए के सहायक इंजीनियर बीटी राजू को जमानत देने से इनकार करते हुए यह बात कही।

>12

केसों के बोझ तले दबी हैं अदालतें, लंबित मामलों से निपटने के लिए मध्यस्थता महत्वपूर्ण : जस्टिस चंद्रचूड़

पुणे, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि भारत में अदालतें केसों के बोझ के तले दबी हैं। मामलों की उच्च लंबितता की खतरनाक दर को देखते हुए, मध्यस्थता जैसे समाधान तंत्र एक महत्वपूर्ण उपकरण है। जस्टिस चंद्रचूड़ पुणे में इंडियन लॉ सोसाइटी के आईएलएस सेंटर फॉर आर्बिट्रेशन एंड मध्यस्थता (आईएलएससीए) का उद्घाटन करने के बाद व्याख्यान दे रहे थे। बता दें कि इंडियन लॉ सोसाइटी ने अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश किया है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम जानते हैं कि भारत में अदालतें बेहद बोझिल हैं, बेहद भीड़भाड़ वाली हैं। शाब्दिक और रूपक दोनों तरह से। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, 2010 और 2020 के बीच सभी अदालतों में लंबित मामलों में सालाना 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान, महामारी और इससे मानव जाति को जो कष्ट हुए, उसने पहले से ही लंबित मामलों की खतरनाक दर को और खराब कर दिया। उपलब्ध आंकड़ों से संकेत मिलता है कि जिला और तालुका अदालतों में 4.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं और लगभग 59 लाख मामले विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित हैं, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा।

सुविचार: ईमानदार आदमी का सोचना लगभग हमेशा न्यायपूर्ण होता है।

स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के समापन के लिए यातायात में फेर-बदल कल

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु समारोह के समापन कार्यक्रम के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे के बीच एलबी स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक जाम की आशंका है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार या तो यातायात को निम्नलिखित स्थानों पर रोक दिया जाएगा या डायवर्ट किया जाएगा।

चैपल रोड, नामपल्ली से आने वाले और बीजेआर स्टैच्यू की ओर जाने के इरादे से आने वाले ट्रैफिक को एआर पेट्रोल पंप पर पुलिस कंट्रोल रूम की ओर डायवर्ट किया जाएगा। एसबीआई गनफाउंड्री की ओर से और प्रेस क्लब/बशीरबाग फ्लाईओवर की ओर जाने के इच्छुक वाहनों को एसबीआई गनफाउंड्री में चैपल रोड की ओर मोड़ा जाएगा। रवींद्र भारती और हिल फोर्ट रोड से और बीजेआर स्टैच्यू की ओर जाने के इच्छुक ट्रैफिक को नामपल्ली की ओर डायवर्ट किया जाएगा। बशीरबाग फ्लाईओवर से आने वाले ट्रैफिक को बीजेआर स्टैच्यू पर दाहिनी ओर मुड़ने की अनुमति नहीं होगी और एसबीआई गनफाउंड्री तक जाना होगा और चैपल रोड की ओर दाएं मुड़ना होगा। नारायणगुडा कब्रिस्तान से बशीरबाग की ओर आने वाले वाहनों को पुराने एमएलए क्वार्टर से हिमायतनगर वाई जंक्शन की ओर डायवर्ट किया जाएगा। किंग कोटि और बोग्गुलकुंटा से भारतीय विद्या भवन होते हुए बशीरबाग जाने वाले ट्रैफिक को किंग कोटी चौराहे पर ताजमहल और ईडन गार्डन की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु के ग्रैंड फिनाले के तहत विशेष कार्यक्रम होंगे : सोमेश कुमार

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने कहा कि 22 अगस्त को पखवाड़े भर चलने वाले स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु के ग्रैंड फिनाले के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने आज एलबी स्टेडियम का दौरा कर आयोजन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव एलबी स्टेडियम में समापन दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में सभी जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए और वैध पास धारकों को ही स्टेडियम के अंदर जाने की अनुमति दी जाए। जिलों से लाए गए प्रतिभागियों को जल्दी लाया जाना चाहिए और निर्धारित स्थान पर छोड़ा जाना चाहिए। बारिश की स्थिति में विशेष जलरोधक शामियाना बनाए गए हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि इस अवसर पर गत पखवाड़े के दौरान की गई सभी गतिविधियों की ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी पेश की जाएगी। तीन घंटे तक चलने वाला यह कार्यक्रम धूमधाम से भव्य होगा। उस दिन प्रसिद्ध गायक और संगीतकार शंकर महादेवन की प्रस्तुति होगी। राज्य के भीतर के कलाकार भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बाद में मुख्य सचिव ने तेलंगाना साहित्य अकादमी और तेलंगाना बुक ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पुस्तक महोत्सव का दौरा किया। इस दौरान डीजीपी महेंद्र रेड्डी, अतिरिक्त डीजी जितेंद्र, जीएडी सचिव शेषाद्री, सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त कॉलेज शिक्षा नवीन मित्तल, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, परिवहन आयुक्त ज्योति बुद्ध प्रकाश, वरिष्ठ पुलिस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सत्ता में आने के बाद पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करेंगे : राजा सिंह

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने शनिवार को सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ दमनकारी कदम उठाने वाली पुलिस के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। माधापुर के शिल्पा कला वेदिका में स्टैंड अप कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी के शो के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं की नजरबंदी पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने कार्यकर्ताओं से एक साल और धैर्यपूर्वक इंतजार करने को कहा क्योंकि पार्टी राज्य में सत्ता में आएगी। उसके बाद पार्टी दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। एक स्थानीय समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि हम उन पुलिस अधिकारियों को नहीं बख्शेंगे जिन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं के प्रति सख्ती बरती और यह सुनिश्चित किया कि वे वॉशरूम भी साफ करें। शिल्पा कला वेदिका में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने कई भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पुलिस की वर्दी में आए एक कार्यकर्ता ने पुलिस का ध्यान भटकाने की कोशिश की. लेकिन सतर्क पुलिस ने उसे अन्य कार्यकर्ताओं के साथ एहतियातन हिरासत में ले लिया।

शामीरपेट मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर भजन प्रस्तुत करते हुए गिरधारीलाल प्रजापत, सोहननाथ। अवसर पर दही-हांडी, ठाकुरजी की पुजा-अर्चना, श्रृंगार, झुला-झुलाना, महाआरती व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड़, सचिव मंगलाराम पंवार, नारायणलाल परिहार, पदाधिकारी व गौभक्त।

अत्तापुर स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी पर श्री किशन बालाराम विजयवर्गीय परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए अभिषेक विजयवर्गीय, संदीप विजयवर्गीय, प्रभा जोशी, कनक जोशी, भारती, राजेश करवा व अन्य भक्तगण।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के पुलिस पर हमले के मामले बढे

हैदराबाद, 20 अगस्त (अगस्त)। शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने के दौरान शराब के नशे में वाहन चालकों द्वारा ट्रैफिक पुलिस पर हमला करने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। वर्ष 2022 की शुरुआत से, पुलिस ने ट्रैफिक पुलिस पर हमला करने या गाली देने पर एक महिला सहित 27 लोगों के खिलाफ 14 ऐसे मामले दर्ज किए हैं। बंजारा हिल्स ट्रैफिक पुलिस तीन बार इस तरह के हमलों का शिकार हुई, जबकि तिरूमलगिरी ट्रैफिक पुलिस दो बार निशाने पर रही। फलकनुमा, गोशामहल, सैफाबाद, मारेडपल्ली, बेगमपेट, नारायणगुडा और मिर्चचौक के पुलिसकर्मियों पर एक-एक बार हमला किया गया या उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। यातायात पुलिस दिन या रात के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने की जांच करती है, जो किसी विशेष खंड पर शराब के नशे में वाहन चालकों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं या तेज गति से वाहन चलाने के मामलों के विश्लेषण पर निर्भर करता है। बीते 14 अगस्त को तिरूमलगिरी में एक बाइक पर सवार तीन लोगों को रोका गया लेकिन गलत दिशा में सवार होकर भागने का प्रयास किया। जब तिरूमलगिरी के सब-इंस्पेक्टर एस पेंटैया और टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने तेजी से गाड़ी चलाई और उन्हें लगभग टक्कर मार दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। कुछ मामलों में तो शराब पीकर वाहन चलाने वालों के साथियों ने भी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निशाना बनाया। 30 मार्च को रोड नंबर 2 पर बंजारा हिल्स ट्रैफिक पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान पांच लोगों के एक समूह ने एसआई सीएच उपेंद्र के नेतृत्व वाली टीम को धमकाया।

चारमीनार में राजीव गांधी जयंती समारोह आयोजित

भारतरत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर सोमाजीगुडा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए पूर्व पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव, पूर्व सीएलपी नेता के. जना रेड्डी, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक जग्गा रेड्डी, कांग्रेस नेता आर.लक्ष्मण यादव, एस. श्रीकांत गौड़, एस.पी.क्रांति कुमार, आदि अविनाश और अन्य।

हैदराबद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 78 वीं जयंती शनिवार को यहां चारमीनार में मनाई गई। समारोह का आयोजन राजीव गांधी सद्भावना यात्रा स्मारक समिति द्वारा किया गया था।

सद्भावना समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी निरंजन ने पार्टी का झंडा फहराया और राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, कांग्रेस नेता निरंजन ने यह संदेश फैलाने के लिए पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी द्वारा की गई सद्भावना यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला कि विभिन्न धर्मों और विश्वासों वाले लोगों को देश में शांति से रहना चाहिए और हिंसा से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के साथ राजीव गांधी ने समाज में व्यापक रूप से सांप्रदायिक सौहार्द, एकता, भाईचारा और प्रेम का संचार किया। निरंजन ने कहा कि 19 अक्टूबर 1990 को जुड़वां शहरों में हुई ऐतिहासिक सद्भावना यात्रा को लोग आज भी याद करते हैं। हैदराबाद की अपनी यात्रा के दौरान, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विभिन्न समुदायों के लोगों से बातचीत की और सांप्रदायिक दंगों के दौरान प्रभावित हुए लोगों को सांत्वना भी दी। उन्होंने आगे कहा कि राजीव गांधी ने एक छोटी अवधि के लिए प्रधान मंत्री के रूप में देश की सेवा की थी, लेकिन देश के लोकतंत्र और विकास को मजबूत करने के लिए उल्लेखनीय बदलाव लाए।

राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं को मतदान का अधिकार प्रदान किया था जिससे वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। पंचायतराज व्यवस्था में संशोधन के उनके कदम ने स्थानीय निकायों को मजबूत करने में सक्षम बनाया। इसके अलावा, संचार क्षेत्र में राजीव गांधी द्वारा शुरू किए गए क्रांतिकारी सुधारों ने हमारे युवाओं को दुनिया भर में रोजगार पाने के लिए प्रेरित किया।

होटल की बिरयानी खाने से बाद किशोर की मौत

हैदराबाद, 20 अगस्त (अगस्त)। लकड़ी का पुल के एक होटल से खरीदी गई बिरयानी खाने के एक हफ्ते बद एक किशोर की कथित तौर पर मौत हो गई। घटना का पता शुक्रवार को ही चला। पुलिस के मुताबिक, खैरताबाद में रहने वाले परिवार ने 13 अगस्त को लकड़ी का पुल के एक होटल से बिरयानी खरीदी थी और रात के खाने में खाई थी। चार लोगों के परिवार में एक आदमी, उसकी पत्नी और दो बच्चे (लड़की और लड़का) ने सूर्यापेट से लौटने पर बिरयानी खरीदी। उन्होंने घर जाकर रात का खाना खाया, जिसके बाद लड़का अगले दोपहर तक नहीं उठा और मृत पाया गया। सैफाबाद पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आदमी और उसकी बेटी भी अस्वस्थ महसूस कर रहे थे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। लड़के की मौत के बाद, परिवार ने सैफाबाद पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार को सौंप दिया।

केसरियां कंवरजी मंदिर का आठवाँ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

हैदराबद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट स्थित जे.जे.नगर के केसरियां कंवर मंदिर का आठवाँ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुजारी पारसमल प्रजापति ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 19 अगस्त शुक्रवार को प्रात: वेला में मंदिर को भव्यरुप से लाइटिंग व फूलों से सजाकर केसरिया कंवरजी का श्रृंगारकर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। इसमे आईजी भजन मंडली के अमराराम, बाबुलाल ने श्री केसरियां कंवरजी के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। 20 अगस्त शनिवार को प्रात: 4.15 बजे अभिषेक, पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलन व महाआरती का कार्यक्रम भक्तों के सानिध्य मे आयोजित किया गया। प्रात: 11 बजे महिला मंडल द्वारा केसारियां कंवर मंदिर प्रांगण मे नाचते-गाते हुए भजन प्रस्तुत किये। पधारे भक्तों ने सपरिवार श्री केसरियां कंवरजी के चरणों में श्रीफल व प्रसाद सामग्री भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे केसरियां कंवर मंदिर के समस्त सदस्यगण पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी पर विश्वमंगल गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में गौ भक्तों ने तन मन धन से सेवा दी। इस अवसर पर भजन प्रस्तुति विशनाराम एवं कस्तूर राम सुथार द्वारा की गई। कृष्णा अभिषेक, गौ माता पूजा, दही हांडी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर दुर्गा रेड्डी, टीवी सुरेश, धर्माराम, बाबूलाल सीरवी, ठाकराराम, राजूराम, हरीश, संगीता, सीरवी, शांतिलाल सुथार आदि उपस्थित रहे।

जीआरपी हेड कांस्टेबल सुख देव, कांस्टेबल विजयशांति और हरिलाल ने प्लेटफॉर्म पर छोड़े गए सूटकेस को सुरक्षित यात्री को सौंपा। पूछताछ के बाद यात्रियों को उसमें रखे 4 तोला सोने के जेवर सौंपे।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में जन्माष्टमी अवसर पर श्री आईजी भजन मंडली चिंतल द्वारा जागरण, मध्य रात्रि पूजा-अर्चना, झुला-झुलाना, महाआरती व प्रसाद वितरण कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, सचिव नारायणलाल वरपा, सहसचिव प्रेमकुमार पंवार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

महिला की चाकू मारकर हत्या की

हैदराबाद, 20 अगस्त (अगस्त)। उप्पल में शुक्रवार रात 33 वर्षीय एक महिला की उसके पति ने चाकू मारकर हत्या कर दी। संदिग्ध दीपक कुमार (40) अपनी पत्नी दिव्या और दो बच्चों के साथ उप्पल के कर्मिका नगर में रहता था। शुक्रवार की रात दोनों के बीच कहासुनी हो गई जिसके बाद दीपक ने दिव्या को कथित तौर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। शव को गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में रखने वाली पुलिस ने कहा कि दोनों के बीच कुछ मुद्दे थे क्योंकि दीपक को उसकी निष्ठा पर संदेह था। मामला दर्ज कर फरार दीपक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं

गांजा पीने के आरोप में आरजीयूकेटी के दो छात्र गिरफ्तार

निर्मल, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी) के दो छात्रों को शनिवार को बसर में शिविरों में प्रतिबंधित गांजा पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इनके पास से कुल 35 ग्राम गांजा बरामद किया गया। मुधोले इंस्पेक्टर के विनोद रेड्डी ने कहा कि आरोपी छात्र शांतन और अभी हैं, जो यूनिवर्सिटी में ई2 कोर्स कर रहे हैं।

पुलिस गश्त के दौरान अपने छात्रावासों में प्रतिबंधित प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन करते हुए छात्रों को पकड़ा गया। उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों ने महाराष्ट्र के नांदेड़ के अपने सहपाठी से खरीदा हुआ गांजा लेना कबूल किया। उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामला दर्ज किया गया है तथा जांच-पड़ताल जारी है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/125-131/2022/ओटी, दिनांक : 18-08-2022

पीयूबी/0723

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए 13-09-2022 को 14-00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. : 1, ई-निविदा सं. 125_बीआरएस_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : एससी डिवीज़न: केजेडजे - बीपीक्यू सेक्शन में ब्रिज सं. 66, ब्रिज सं. 208 एवं ब्रिज सं. 29[illegible] के लिए टीएमएस के इंटिग्रेशन के साथ रिवर बेड्स के वॉटर लेवल की निगरानी एवं केजेडजे - बीपीक्यू सेक्शन में ब्रिज सं. 142 एवं केजेडजे - बीजेडए सेक्शन में ब्रिज 714 के लिए ब्रिज के लिए इलेक्ट्रॉनिक पार्टस/बैटरी के लिए मरम्मत और/या प्रतिस्थापन सहित वॉटर लेवल मापन इंस्ट्रुमेंट्स सेंसर, इंटेलिजेंट फील्ड डिवाइस एवं सोलर पॉवर व्यवस्था का हार्डवेयर रखरखाव। (कुल 5 नग ब्रिज) अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) 15,25,539/-, पूधरा (रु.) : 30,600/-, पूरा करने की अवधि माह में : 02 महीने, रखरखाव अवधि माह में : 12

क्र.सं. : 2, ई-निविदा सं. 126_सीआर_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : एससी - केजेडजे सेक्शन : एसडब्ल्यू-1) एल सी. सं. 51 के स्थान पर आरयूबी के लिए ड्रेनेज व्यवस्था के प्रस्तावित सहायक कार्य एसडब्ल्यू-2) एलसी सं. 53(एम) के स्थान पर आरयूबी के लिए ड्रेनेज व्यवस्था के प्रस्तावित सहायक कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 1,77,33,311/-, पूधरा (रु.) : 2,38,700/- पूरा करने की अवधि माह में : 06 महीने रखरखाव अवधि माह में : 36

क्र.सं. : 3, ई-निविदा सं. 127_सीआर_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : एससी-केजेडजे सेक्शन : सीएचजेड - जीटी स्टेशनों के बीच किमी 209/23-25 पर ब्रिज सं 282/ए (अप एवं डाउन) के लिए प्री-कास्ट आरसीसी बॉक्स की तरह अतिरिक्त वॉटर वे के लिए प्रस्तावित नया ब्रिज। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 1,94,98,610/-, पूधरा (रु.) 2,47,500/-, पूरा करने की अवधि माह में : 0[illegible] महीने, रखरखाव अवधि माह में : 36

क्र.सं. : 4, ई-निविदा सं. : 128_एस_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : केजेडजे - बीजेडए सेक्शन : 1X3.05X1.312एम के आरसीसी बॉक्स की तरह विद्यमान ब्रिज सं. 670 के बीजेडए अंतिम विस्तार पर जम्बो लाइन स्पर का खम्मम स्टेशन यार्ड विस्तार एवं पार्सल लोडिंग एरिया में सुधार और चौड़ा करना। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 1,86,04,967/-, पूधरा (रु.) : 2,43,100/-, पूरा करने की अवधि माह में : 06 महीने, रखरखाव अवधि माह में : 36

क्र.सं. : 5, ई-निविदा सं. : 129_एस_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-1) वरंगल पर गुड्स शेड्स के लोडिंग/अनलोडिंग एरिया में सुधार, एसडब्ल्यू-2) वरंगल पर विमेन आरपीएफ के लिए 12 बेड बैराक एकॉमिडेशन में प्रस्तावित सुविधाएँ, जिसमें फर्नीचर, टॉयलेट्स आदि शामिल है। एसडब्ल्यू-3) वरंगल स्टेशन पर ईस्ट साइड फेकेड में सुधार (शेष बचा हुआ कार्य)। एसडब्ल्यू-4)जग्गय्यापेट - मल्लाचेरुवु (19.1 किमी) - मल्लाचेरुवु- जनपहाड़ (24 किमी) हेतु नये मटेरियल सुधार के साथ - इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के लिए जेपीटीएन स्टेशन पर रिले रूम, बैटरी रूम, बैटरी रूम, इक्यूपमेंट रूम्स हेतु प्रस्तावित सिविल कार्य। एसडब्ल्यू-5) डीकेजे - एमयूजीआर एवं एमटीएमआई जेएनपीडी सेक्शन : सीनि. डीईएन/साउथ/एससी सेक्शन के अंतर्गत टीपीवाई, एमयूजीआर एवं जेपीटीएन स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग्स का प्रावधान - जग्गय्यापेट टाउन स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग हेतु पाथवे का प्रावधान एवं टीटीएम रेस्ट रूम का प्रस्तावित निर्माण। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 2,99,82,358/-, पूधरा (रु.) : 3,00,000/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12 महीने, रखरखाव अवधि माह में : 36

क्र.सं. : 6, ई-निविदा सं. : 130_एस_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : एमटीएमआई - जेएनपीडी सेक्शन : एसडब्ल्यू-1) जेपीटीएन स्टेशन पर 'वाई' कनेक्टिविटी वर्क का बहाली, एसडब्ल्यू-2) फुल लेंथ लाइनों के लिए दोनों छोर विस्तारित कर सीएसआर को बढ़ाना, एसडब्ल्यू-3) 'वाई' कनेक्शन के साथ जेपीटीएन यार्ड पर सिग्नलिंग अरेंजमेंट का अपग्रेडेशन, एसडब्ल्यू-4) एमटीएमआई - जेएनपीडी सेक्शन एवं डीकेजे - एमयूजीआर सेक्शन्स - जेपीटीएन, टीपीवाई एवं एमयूजीआर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग्स का प्रावधान और एसडब्ल्यू-5) सीनि. डीईएन/साउथ/एससी सेक्शन के अंतर्गत बीजेडए छोर एवं केएमटी स्टेशन पर जंबो लाइन स्पर का प्रस्तावित विस्तार। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 2,95,14,054/-, पूधरा (रु.) : 2,97,600/-, पूरा करने की अवधि माह में : 09 महीने, रखरखाव अवधि माह में : 45 दिन.

क्र.सं. : 7, ई-निविदा सं. : 131_डब्ल्यू_एससी_22_ओटी, कार्य का नाम : परली : परली पर गुड्स शेड का विकास। अनुमानित निविदा मूल्य (रु.) : 2,06,99,885/-, पूधरा (रु.) : 2,53,500/-, पूरा करने की अवधि माह में : 06 महीने, रखरखाव अवधि माह में : 36

1. निविदादाताओं को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी व्यक्तिक प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूर्व धरोहर राशि केवल ऑनलाइन पेमेंट्स के माध्यम से प्रेषित करें।
3. रेलवे बिना कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीईएन/को-ऑर्ड/ सिकन्दराबाद

निविदा सूचना सं.1-सीडब्ल्यूएम एलजीडीआरबीके-ईटीईएनडी-2022-23, दिनांक : 17-08-2022

पीयूबी/0725

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीडब्ल्यूएम/एलडीजीएस द्वारा निविदा सं 1-सीडब्ल्यूएमएलजीडीआरबीके - ईटीईएनडी 2022-23 दिनांक 17-08-2022 के प्रति ई-निविदा आमंत्रित है। बंद होने की तिथि 17-09-2022 को 11.00 बजे तक है। बोलीदाता केवल बंद होने की तिथि व समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति व्यक्तिक प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और ऐसा कोई व्यक्तिक प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसकी उपेक्षा की जाएगी।

ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज के मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि के प्रति भुगतान आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि जैसे ऑनलाइन पेमेंट मोड्स द्वारा ही करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक डिपाजिट रसीद, एफडीआर आदि के माध्यम से व्यक्तिक भुगतानों की अनुमति नहीं है।

क्र.सं. : 1. निविदा सं. : 01-सीडब्ल्यूएमएलजीडीबीआरके-ईटीईएनटी-2022-23 कार्य का विवरण रेल बोगी कारखाना, दक्षिण मध्य रेलवे, यादगिर कर्नाटक पर एलएचबी फिएट बोगी फ्रेम्स का निर्माण मात्रा (नग) : - 1000, पूरा करने की अवधि : 2[illegible] महीने, निविदा मूल्य : रु. जीएसटी ईएसआई, ईपीएफ छोड़कर : रु. 1,31,24,340/- (एक करोड़ इक्तीस लाख चौबीस हजार तीन सौ चालीस रुपये)। पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,15,600/- ,बंद होने की तिथि 17-09-2022 को 11.00 बजे।

सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा के पूरे विवरण देखे जा सकते हैं : मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, वैगरिएज वर्कशॉप, लालागुड़ा सिकन्दराबाद - 500 017

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, लालागुड़ा सिकन्दराबाद

ए0976

निविदा शर्तों/विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

गृहमंत्री अमित शाह 21-22 अगस्त को भोपाल में रहेंगे

वेलकम के लिए सज रही राजधानी, खूबसूरत पेंटिंग भी बन रही; सड़कों के गड्ढे भरे जाएंगे

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 और 22 अगस्त को भोपाल में रहेंगे। उनके वेलकम के लिए भोपाल सज रहा है। शाह जिन-जिन रास्तों से गुजरेंगे, वे चकाचक हो रहे हैं तो ग्रिल-रैलिंग की रंगाई, डिवाइडर की पुताई और कई खूबसूरत पेंटिंग भी बनाई जा रही है। स्टेट हेंगर, लालघाटी, पॉलीटेक्निक चौराहा, स्मार्ट रोड, भदभदा रोड को चकाचक किया जा रहा है। दो दिन में सड़कें खूबसूरत की जाएगी। करीब चार महीने में वे दूसरी बार भोपाल आ रहे हैं। इससे पहले 22 अप्रैल को जंबूरी मैदान में हुए सम्मेलन में शामिल होने आए थे। शाह 21 अगस्त की रात 11 बजे भोपाल आएंगे। वे 22 अगस्त को यही रहेंगे। उनका दौर तय करने के बाद सरकार और संगठन दोनों तैयारी में जुटे हैं। वहीं, पुलिस ने सिक्युरिटी-

ट्रैफिक का प्लान तैयार किया है तो नगर निगम सड़कों को सुधारने से लेकर रास्तों को खूबसूरत बनाने का काम कर रहा है।

गड्ढों को भरेंगे, ताकि झटका न लगे

स्टेट हैंगर, लालघाटी, स्मार्ट रोड, पॉलीटेक्निक कॉलेज चौराहा, भारत माता चौराहा और भदभदा ब्रिज तक सड़क की तस्वीर भी बदली जाएगी। बारिश के चलते कुछ जगह पर गड्ढे हो गए हैं। इन्हें भरवाया जा रहा है। रास्तों के सेंट्रल वर्ज एवं किनारे की धूल-मिट्टी सफाई कराई जा रही है तो रैलिंग की रंगाई-पुताई भी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश को दर्शाती पेंटिंग भी सड़क के दोनों ओर बनाई जा रही है। चौराहे पर लगी घड़ी को जल्द चालू कराने को भी कहा गया है।

शाह का यह दौरा

शाह के अब तक तय कार्यक्रम के अनुसार, वे 21 अगस्त की रात 11 बजे भोपाल आ जाएंगे। 22 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे हॉल (मिंटो हॉल) में सुबह 11 बजे इंटर स्टेट काउंसिल की मीटिंग की अध्यक्षता करेंगे। इसमें उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। उत्तराखंड के सीएम शनिवार शाम को भोपाल पहुंच जाएंगे।

गृहमंत्री के लिए बनाए चार हेलीपेड

केंद्रीय गृहमंत्री शाह के लिए 4 हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। ये हेलीपेड भौंरी और लाल परेड ग्राउंड में बनाए जा रहे हैं। शाह इंटर स्टेट काउंसिल की बैठक के बाद नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद रविंद्र भवन में आयोजित पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद विधानसभा में कुशाभाऊ ठाकरे जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित नई शिक्षा नीति के आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। फिर होटल में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही पुलिस लैब का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा भी वे कई मुद्दों पर बात करेंगे।

दिल्ली में चल रहा था नकली दस्तावेजों पर विदेश भेजने का गोरखधंधा, 500 फर्जी पासपोर्ट व वीजा बरामद

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की इंदिरा गांधी एयरपोर्ट यूनिट ने बड़ी संख्या में फर्जी पासपोर्ट और फर्जी वीजा के रैकेट का पर्दाफाश किया है. दिल्ली पुलिस की आईजीआई यूनिट ने इस मामले में रैकेट के मास्टरमाइंड जाकिर समेत कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया. इन सभी के पास से पुलिस टीम ने 325 फर्जी पासपोर्ट, 175 फर्जी वीजा और अन्य संबंधित चीजें भी बरामद की हैं. यह लोग अंतरराष्ट्रीय नकली पासपोर्ट/ वीजा रैकेट को बड़े ही ऑर्गेनाइज्ड तरीके से संचालित कर रहे थे. इस पूरे मामले की पुष्टि आईजीआई एयरपोर्ट की डीसीपी तनु शर्मा ने की है. दिल्ली पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इन सभी फर्जी दस्तावेजों में चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिकी और अन्य देशों के वीजा समेत 1200 से अधिक रबर स्टैंप, 77 बायो पेज, 12 प्रिंटर, पॉलिमर स्टैंप मशीन, अल्ट्रा वायलेट लाइट मशीन भी बरामद की गई हैं. गैंग का मास्टरमाइंड जाकिर वेबसीरीज में भी पैसा लगा रहा है. दिल्ली पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. बताते चलें कि दिल्ली पुलिस अपने सभी जिलों में बिना वेलिड वीजा व पासपोर्ट के रह रहे विदेशी नागरिकों पर लगातार शिकंजा कसती रहती है. आए दिन ऐसे विदेशी नागरिकों को उनके देश में डिपोर्ट करने का काम भी करती रही है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-46 बजे
चंद्र-	वृष में	कन्या	07-54 बजे
मंगल	वृष में	तुला -	09-59 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक	12-09 बजे
गुरु-	मीन में	धनु---	14-23 बजे
शुक्र-	मिथुन में	मकर-	16-29 बजे
शनि-	मकर में	कुंभ -	18-20 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-58 बजे
केतु-	तुला में	मेष-	21-34 बजे
		वृष--	23-19 बजे
		मिथुन..	01-19 बजे
		कर्क...	03-31 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2548,हिजरी सन् -1443
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी- 03-36 राततक उपरान्त, एकादशी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष ,रविवार, 21 August
नक्षत्र - मृगशिरा- 07 -40 - तक उपरान्त, आर्द्रा
योग - हर्षण- 22- 37 - तक उप- वज्र
करण- वणिज - 14 -21 - तक,उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा-14-21 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 17:02 से 18:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:03 - 07:36	अशुभ	शुभ	18:37 - 20:02	शुभ
चंचल	07:36 - 09:10	शुभ	अमृत	20:02 - 21:28	शुभ
लाभ	09:10 - 10:45	शुभ	चंचल	21:28 - 22:54	शुभ
अमृत	10:45 - 12:19	शुभ	रोग	22:54 - 00:19	अशुभ
काल	12:19 - 13:54	अशुभ	काल	00:19 - 01:45	अशुभ
शुभ.	13:54 - 15:28	शुभ	लाभ	01:45 - 03:10	शुभ
रोग	15:28 - 17:02	अशुभ	उत्पात	03:10 - 04:36	अशुभ
उत्पात	17:02 - 18:35	अशुभ	शुभ	04:36 - 06:03	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं। अपनीं एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें। बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं ।आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें। हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) दिन शांत रहेगा ।पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी ।आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें ।कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी। यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है। किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा। आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें ।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे। आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा। लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं। आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें ।अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें ।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें ।यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें ।सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें ।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा ।इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं। अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है। आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं ।आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं। इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे। ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है। थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी। आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं। भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए। आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा। कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

उमा भारती ने जन्माष्टमी की बधाई देते हुए नई शराब नीति का किया विरोध

कहा - दूध दही खाओ, प्रभु के गुण गाओ, नशा-मदिरा भगाओ

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की नई शराब नीति को लेकर एक बार पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मोर्चा खोल दिया। उमा भारती ने इसे लेकर एक बार फिर ट्वीट किया। लेकिन इस बार यह ट्वीट कुछ अलग अंदाज से किया गया। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का संदेश- दूध दही खाओ, प्रभु के गुण गाओ, नशा-मदिरा भगाओ। उमा भारती ने इस नीति को लेकर कई ट्वीट लिखें। उन्होंने लिखा कि मैं लगभग 25 साल से केदारनाथ (हिमालय) जाती हूं। केदारनाथ जी का शिवलिंग ज्योतिर्लिंग है जो कि पाषाण स्वरुप है किंतु मेरे जैसे करोड़ों लोगों की आस्था ने उसके चैतन्य का आव्हान किया है तथा इसके फलस्वरूप हमारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा शराब नियंत्रण पर मेरी अगाध आस्था, धैर्य एवं विश्वास काम आया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने खुद बयान दिया कि वर्तमान शराब नीति में यथासंभव बदलाव के प्रयास होंगे।

1 अप्रैल 2023 से लागू होने वाली नई शराब नीति में सभी से परामर्श, सभी की सुरक्षा एवं सभी का समान ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में मेरी और शिवराज जी की दो बैठकें हो चुकी हैं। वर्तमान शराब नीति में यथासंभव परिवर्तन तथा नई शराब नीति का प्रारूप दोनों पर कुछ ही दिनों में रणनीति बन जाएगी। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर मध्य प्रदेश की नारी शक्ति का भोपाल में मेरा आव्हान स्थगित नहीं होगा। इसे लेकर प्रदेश के गृह मंत्री का बयान सामने आया है।

सीएम पद से होगी हेमंत सोरेन की छुट्टी

बीजेपी का दावा- झारखंड में इनकी ताजपोशी की चल रही तैयारी

रांची, 20 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सीएम पद छोड़ना पड़ सकता है। खनन लीज आवंटन मामले में चुनाव आयोग में सुनवाई पूरी हो चुकी है। कभी भी आयोग फैसला दे सकता है। यदि प्रतिकूल फैसला आता है तो सोरेन को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। ऐसे में प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। इसी बीच बीजेपी ने दावा किया है कि सोरेन की जगह उनकी पत्नी कल्पना को सूबे की बागडोर सौंपी जा सकती है। वहीं शनिवार को सीएम ने सत्तारूढ़ दलों के विधायकों की बैठक बुलायी है। जिसमें महागठबंधन दल के विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश की जाएगी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि झारखंड में भाभी की ताजपोशी कराई जाएगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'झारखंड में भाभी जी के ताजपोशी की तैयारी, परिवारवादी पार्टी का बेहतरीन नुस्खा गरीब के लिए।' इससे पहले बीजेपी सांसद ने बरहेट और दुमका विधानसभा में उपचुनाव होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था, 'झारखंड मुक्ति मोर्चा औरो कांग्रेस दिल्ली- रांची क्यों दौड़ रहा है रे भाई। हम बोले बरहेट, दुमका विधानसभा में उपचुनाव होगा तो हमको कांके भेज रहे थे? अब तो विधानसभा अध्यक्ष को कनाडा जाने से रोक दिए? इस्तीफे विकल्प है, दैइए दीजिए।'

सुखाड़ को लेकर बुलाई बैठक

झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य का कहना है कि सीएम ने सुखाड़ को लेकर बैठक बुलाई है। हालांकि झामुमो की राज्यसभा सदस्य महुआ माजी ने कहा कि बैठक विधायकों को एकजुट रखने को लेकर हो रही है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का कहना है कि सभी विधायक एकजुट हैं। निलंबित तीनों विधायक भी हमारे खेमे में हैं। दूसरी ओर बीजेपी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रतिकूल स्थिति में क्या होगी रणनीति

सीएम सोरेन की विधायकी पर प्रतिकूल निर्णय की स्थिति में सरकार की रणनीति क्या होगी, कैसे इस परिस्थिति से निपटा जायेगा, इसे लेकर बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि तमाम परिस्थितियों में एकजुटता के साथ मजबूती से मुकाबला करने की रणनीति बनाई जाएगी। इसके लिये सत्तारूढ़ विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में उनके आवास पर 11 बजे से निर्धारित है। इसमें सत्तारूढ़ दल के सभी विधायकों को मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

हेमंत सरकार अस्थिर करने के प्रयास में तीन मुकदमे

हेमंत सरकार को अस्थिर करने के प्रयास में तीन मुकदमे रांची के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। दो प्राथमिकी कांग्रेस के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह और एक प्राथमिकी झामुमो के विधायक रामदास सोरेन ने दर्ज कराई है।

हिजाब विवाद का असर: मैंगलोर विश्वविद्यालय की 16 फीसद मुस्लिम लड़कियों ने लिया टीसी

बेंगलुरू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के कॉलेजों में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनकर कक्षाओं में जाने को लेकर भड़के विवाद का असर पर मुस्लिम छात्राओं की पढ़ाई पर साफ दिखने लगा है. मैंगलोर विश्वविद्यालय (एमयू) के कुलपति प्रो. पीएस यदपदित्था ने मई में घोषणा की थी कि जो छात्राएं बिना हिजाब के कक्षाओं में शामिल होने की इच्छुक नहीं हैं, उन्हें टीसी (स्थानांतरण प्रमाण पत्र) जारी कर दिया जाएगा.

इसके बाद 16% से अधिक मुस्लिम छात्राओं एमयू से संबद्ध सरकारी और सहायता प्राप्त कॉलेजों के दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर में अपनी टीसी ले ली है. डेक्कन हेराल्ड की एक खबर के मुताबिक दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में एमयू के सरकारी, सहायता प्राप्त और संबद्ध कॉलेजों में 2020-21 और 2021-22 में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला लेने वाली कुल 900 मुस्लिम छात्राओं में से 145 ने टीसी ले लिया था. उनमें से कुछ ने उन कॉलेजों में दाखिला कराया है जहां हिजाब की अनुमति है. अन्य छात्राओं ने फीस का भुगतान करने में असमर्थता जैसे कारणों से कॉलेज छोड़ दिया है. आरटीआई से हासिल जानकारी के अनुसार हालांकि कोडागु जिले में सभी 113 मुस्लिम छात्राएं अपने कॉलेजों में पढ़ना जारी रखे हुए हैं. कोडागु जिले में एमयू के 10 सरकारी, सहायता प्राप्त और संबद्ध कॉलेज हैं. सहायता प्राप्त कॉलेजों (8%) की तुलना में सरकारी कॉलेजों (34%) में टीसी चाहने वाली मुस्लिम छात्राओं की संख्या अधिक है. दक्षिण कन्नड़ के सरकारी कॉलेजों में इस मामले में डॉ. पी दयानंद पाई-पी सतीशा पाई गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज सबसे ऊपर है. जिसमें 51 मुस्लिम छात्राओं में से 35 ने अपनी टीसी ले ली है. दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में 39 सरकारी, 36 सहायता प्राप्त कॉलेज हैं. हिजाब विवाद के केंद्र रहे अज्जरकाड में गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में नौ छात्राओं ने अपनी टीसी ली है.

इंस्पेक्टर को बम से उड़ाने के मामले में मिली बड़ी कामयाबी, 1 आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

चंडीगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में इंस्पेक्टर को उसकी गाड़ी में आईईडी लगाकर बम से उड़ाने के मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। पंजाब पुलिस को एटीएस ने कॉर्डिनेशन देते हुए आरोपी को महाराष्ट्र के शिर्डी से राजेंन्दर कुमार ऊर्फ बाऊ रामकुमार वेदी को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के आधार पर एटीएस महाराष्ट्र ने आरोपी को लोकेट कर जॉइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार किया है। आरोपी को मामले में संदिग्ध व्यक्ति की भूमिका की जांच के लिए उसे पंजाब पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पंजाब के अमृतसर में एक पुलिसकर्मी की गाड़ी में आईईडी विस्फोटक लगाकर उसे मारने की साजिश की गई थी। गाड़ी धोने के लिए आए लड़के के बम को समय पर देख लेने से उसमें विस्फोट नहीं हो सका था। पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को अपने कब्जे में ले लिया था।

शिवराज बोले-पार्टी दरी बिछाने का काम देगी तो मैं करूंगा

संसदीय बोर्ड से बाहर होने पर सीएम ने कहा-पार्टी कहेगी गांव में रहो तो वहां रहूंगा; मुझे अहम नहीं

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा संसदीय बोर्ड से बाहर होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने शनिवार को कहा कि मुझे बिल्कुल भी अहम नहीं है कि मैं ही योग्य हूं। पार्टी मुझे दरी बिछाने का काम देगी तो राष्ट्र हित में यह करूंगा। पार्टी कहेगी कि जैत (मुख्यमंत्री का गृह गांव) में रहो तो वहां रहूंगा। पार्टी कहेगी कि भोपाल में रहो तो भोपाल में रहूंगा। राजनीति में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं होना चाहिए। शिवराज ने एक चैनल के कार्यक्रम में कहा- बीजेपी एक विशाल परिवार है। इसके प्रवाह में कोई आगे बढ़ता है तो कोई बाहर आता है। केंद्रीय स्तर पर एक टीम होती है जो यह तय करती है कि किसे, क्या काम करना है। जैसे हम प्रदेश में तय करते हैं। शिवराज ने कहा- राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसदीय बोर्ड में जिन्हें शामिल किया है, वे सभी योग्य हैं। इसमें पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण को ध्यान में रखा गया है। बीजेपी ने 17 अगस्त को अपने संसदीय बोर्ड का पुनर्गठन किया था। जिसमें कुछ नए चेहरों को जगह दी गई है जबकि मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को बाहर किया गया था।

भोपाल में नगर निगम टीम पर हमला

प्रभारी कमर शाकिब से झूमाझटकी, कर्मचारियों को पीटा; न्यू मार्केट में हटाने पहुंचे थे अतिक्रमण

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के न्यू मार्केट में शनिवार सुबह नगर निगम की टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। कर्मचारियों को लात-घूसों से पीटा तो अतिक्रमण प्रभारी कमर शाकिब से झूमाझटकी और जान से मारने की धमकी दी गई। हमला करने वालों में रिकॉर्डशुदा बदमाश भी शामिल हैं। दो को टीटी नगर पुलिस ने धरदबोचा। इसके बाद निगम ने हमला करने वालों के अतिक्रमण को सख्ती से हटा दिया। शनिवार सुबह साढ़े 11 बजे नगर निगम की टीम न्यू मार्केट में फुटपॉथ पर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई करने पहुंची थी। अतिक्रमण प्रभारी शाकिब भी साथ में थे, तभी अलताफ पिता बन्ने खां, आजाद और उसके अन्य साथियों ने गाली-गलौन करना शुरू कर दी। इस पर प्रभारी शाकिब ने रोका तो उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए झूमाझटकी की गई। अतिक्रमणकारियों ने लात-घूसे भी चलाए। इस बीच कुछ कर्मचारियों को पीट दिया। इससे शाकिब समेत कई कर्मचारियों को चोंट लगी हैं। करीब एक घंटे तक हंगामा चला। हमले के बाद नगर निगम के कर्मचारी भी गुस्सा हो गए। उन्होंने

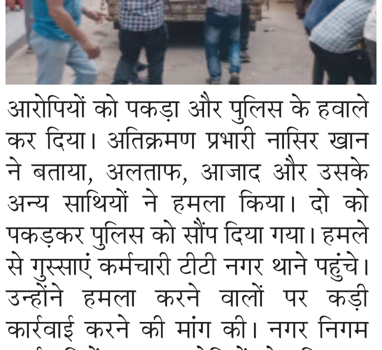

आरोपियों को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। अतिक्रमण प्रभारी नासिर खान ने बताया, अलताफ, आजाद और उसके अन्य साथियों ने हमला किया। दो को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया। हमले से गुस्साएं कर्मचारी टीटी नगर थाने पहुंचे। उन्होंने हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। नगर निगम कर्मचारियों द्वारा आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। अतिक्रमण प्रभारी खान ने बताया, हमला करने वाले आरोपियों को पुलिस के हवाले किया गया। इसके बाद उनका सख्ती से अतिक्रमण हटाया गया। फुटपॉथ पर दुकानें लगा रखी थी। जिसे हटाने के लिए कई बार निगम कह चुका था, लेकिन आरोपी उल्टा धमका रहे थे। शनिवार को जब कार्रवाई करने पहुंचे तो हमला हो गया।

हिमाचल में बारिश से तबाही, 14 की मौत, 10 घायल

पंजाब को जोड़ने वाला रेलवे पुल ढहा; मंडी में भूस्खलन से 8 लोग दबे, कई लापता

शिमला, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। मंडी और चंबा जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पिछले 24 घंटों में चंबा के भटियात में 3, मंडी में 4 और कांगड़ा के शाहपुर में मकान गिरने से 9 साल की बच्ची की मौत हो गई। चंबा और मंडी जिले में 15 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे है। हमीरपुर में 10 से 12 घर नदी में डूब गए। इनमें फंसे 19 लोगों को रेस्क्यू किया गया। उधर, कांगड़ा में भारी बारिश से चक्की नदी में बना पंजाब और हिमाचल को जोड़ने वाला रेलवे पुल बह गया। हालांकि, इस पुल को एक हफ्ते पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था और अगस्त के पहले हफ्ते में ही बंद कर दिया था।

मंडी में भूस्खलन, एक ही परिवार के 8 लोग दबे, 3 के शव बरामद

मंडी के गोहर में पहाड़ी धंसने से काशन पंचायत के जड़ोंन गांव में एक ही परिवार के 8 सदस्य इसकी चपेट में आ गए। एक महिला व 2 बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 5 लोग अभी भी मलबे में दबे हुए। पूरा परिवार रात को घर पर सो रहा था। इस दौरान अचानक घर के पीछे का पहाड़ धंस गया।

6 लोग कार में बहे, 1 लड़की का शव बरामद

मंडी के कटौला के बागी नाला में बाढ़ में एक गाड़ी और इसमें सवार छह लोग बह गए। 15 साल की लड़की का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। उधर, चंबा जिला में चुवाड़ी के बनेट गांव में भूस्खलन के बाद तीन लोग लापता हो गए। राज्य के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां से अभी सूचना नहीं मिल पा रही है।

इससे दोपहर तक जानमाल का नुकसान और बढ़ने का अनुमान है अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्टः स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 96 घंटे तक भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। आज और कल भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। यह अलर्ट लाहौल स्पीति को छोड़ बाकी 11 जिलों के लिए है। पिछले 24 घंटे में कांगड़ा में सबसे ज्यादा 346.6 मिमी बारिशः हिमाचल में बीते 24 घंटे के दौरान कांगड़ा जिला में सबसे ज्यादा 346.6 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी में 119.6 मिमी, डलहौजी में 111 मिमी, पालमपुर में 113 मिमी, सुंदरनगर में 77.7 मिमी, धर्मशाला में 333 मिमी, बरठीं में 60, शिमला में 57.7 मिमी और कुफरी में 69 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

बैडमिंटन की पराक्रमी : पी वी सिंधु

अतुल कुमार

ग्लोबल हो चुकी दुनिया में अपनी पहचान बनाना आसान नहीं है यह ज़बर्दस्त कांपीटीशन का युग है . इसमें वही आगे निकलेगा जिसकी प्रतिभा अपने शानदार कौशल प्रदर्शन से उभरे . चाहे वह खेल ,साहित्य ,विज्ञान ,तकनालाजी ,व्यापार और संस्कृति आदि हों. अपने क्षेत्र में उसे चैंपियन जैसा परफार्म करना ही होगा क्योंकि उसे अपने हुनर से अपनी बल्कि अपने देश की पहचान को भी गौरवशाली बनाना होगा जिससे वैश्विक दुनिया में वह ब्रांड अंबासेडर बन सके . इन विजयी प्रतिभाओं का स्थान न सिर्फ अपने क्षेत्र के इतिहास में दर्ज होगा बल्कि इससे देश का सम्मान भी बढेगा . इस दृष्टि से बीते डेढ दशक में हमारे खिलाडियों ने वैश्विक स्तर की प्रतियोगिताओं में जिस बेहतरीन पर्फार्मेंस को प्रदर्शित किया वह उल्लेखनीय उपलब्धि है. बैंडमिंटन खेल की दुनिया में छा चुकी खिलाडी पी वी सिंधु इसकी अच्छी मिसाल हैं . सिंधु का नाम आज घर घर में जाना जाता है .युवा खिलाडियों और युवा वर्ग की वह प्रेरणा हैं . बीते दो ओलंपिक खेलों की मेडलिस्ट इस खिलाडी ने अपने खेल से सक्सेस की जो स्टोरी लिखी उससे देश और खेल का गौरव बडा है . हाल ही में बैडमिंटन की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित सिंगापूर ओपन तथा राष्ट्र मंडल खेलों मे गोल्ड मेडल जीत इस खिलाडी ने जिस सुनहरे इतिहास को रचा वह उनके खेल कौशल को चार चांद लगा गया

बीते दिनों बर्मिंघम कामन वेल्थ गेम्स में कनाडा की मिशेल ली से मुकाबला करते समय उनके बाएं पैर में पट्टी बंधी थी जिससे उनके मूवमेंट प्रभावित हुए और इसका असर उनके प्रदर्शन पर भी दिखा .लेकिन उनके ड्राप शाटस इतने दमदार थे कि उसने प्रतिद्वंदी के छक्के छुडा दिये और वह गलतियों पर गलतियां करने को मजबूर हुईं जिसका खमियाजा उन्हें भुगतना पडा .गहरी सोच और आक्रामक खेल की रणनीति से मिशेल भूल करती रहीं . सिंधु के तेज़ तर्रार शार्टस के सामने टिक नहीं पायीं और सिंधु ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया . यह रोचक मुकाबला पिछली उन कई यशस्वी जीतों की याद दिला गया जिसे भारत क्वी स्टार शटलर पी वी सिंधु ने जीता . गोल्ड मेडल जीतने के बाद भावुक हुईं अपने हाथों से अपना मुंह छिपा रोने लगीं जीत की खुशी के यह आंसू इस बात की दलील हैं कि जिस जीत के लिये सिंधु पिछले आठ वर्षों से कोशिश कर रही थीं इससे उनका सपना पूरा हुआ .

वास्तव में भारतीय बैडमिंटन को नयी उंचाइयों पर ले जाने का श्रेय पी वी सिंधु को है जिन्होंने इतिहास में सुनहरे अक्षरों में इसे दर्ज कर अपार कीर्ती पाई .इस समय वह देश की शीर्ष महिला शटलर हैं हमेशा अपने लक्ष्य को पाने के लिये प्रयासरत रहंने वाली यह जुझारु खिलाडी अपने पहले ओलंपिक गोल्ड की ओर बढने की तैयारी में जुट गयी हैं . यह एक ऐसा मेडल है जिसे जीतने के लिये लंबे समय से वह बेताब हैं . यद्यपि ओलंपिक में सिल्वर और ब्रांज़ पदक अपनी झोली में डाल चुकी हैं . उनकी संघर्षशील प्रवृत्ति को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले महीने सिंगापुर ओपन टूर्नामेंट जीतने के बाद इसका जश्न मनाने के बजाए अपना ध्यान कामन वेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लगा दिया उनकी इसी साधना का परिणाम उनका इन खेलों में जीता गया स्वर्ण पदक है .

हैदराबाद की इस चैंपियन खिलाडी ने 21 वर्ष की उम्र में अपना पहला ओलंपिक मेडल जीता साइना नेहवाल के बाद ओलंपिक मेडल जीतने वाली वह पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाडी बनीं . सन 2016 में ब्राज़ील के रियो में आयोजित ओलंपिक खेलों में सिंधु ने पहला गोल्ड जीतने के लिये पूरी ताकत झोंकी लेकिन स्पेन की कैरोलिना मरीन की चुनौती से पार नहीं पा सकीं और सिल्वर मेडल से संतोष किया .खेल प्रेमी उस रोचक मुकाबले को नहीं भुला पाएंगे क्यों कि उसमें सिंधु ने कडी टक्कर देते हुए जिस लाजवाब खेल का प्रदर्शन किया उसे भुलाया नहीं जा सकता .ध्यान रहे उस वक्त उनका मुकाबला दो बार की वर्ल्ड चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाडी कैरोलिना मरीन से हुआ .खेल के बाद कैरोलिना उनसे मिली टक्कर से इतनी प्रभावित हुई कि खेल के तुरंत बाद कहा कि "यह मेरे लिये युवा खिलाडी से मिली सबसे कठिन चुनौतियों में से थी जिसके खेल प्रदर्शन से हैरान हूं "स्वदेश लौटने के बाद पहली बार क्रिकेट के खिलाडियों को छोड अन्य किसी खेल के खिलाडी का इतना भव्य यादगार स्वागत हुआ कि खेल प्रेमी उसे भुला नहीं पाए हैं .

सिंधु ने आठ साल की उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरु किया .उनके माता पिता वालीबाल के खिलाडी थे .उन्हीं दिनों बैडमिंटन के प्रसिद्ध खिलाडी पुलेला गोपीचंद की "आल इंग्लैंड ओपन बैड्मिंटन चैंपियनशिप " के विजेता के रूप में हर तरफ बहुत चर्चा हो रही थी . उससे प्रभावित हो सिंधु ने बैडमिंटन खेल को चुना इस खेल की ट्रेनिंग सिकंदराबाद में इंडियन रेल्वे इंसटीट्यूट आफ सिग्नल इंजीनीयरिंग एंड टेली कम्यूनिकेशन में महबूब अली की देखरेख में शुरु की बाद में पुलेला गोपीचंद अकादमी में दाखिला लिया . अकादमी के नियमों के अनुसार कोचिंग सुबह 4 बजे शुरु होती जिसमें सभी को समय पर आना ज़रूरी होता . अकादमी से 56 कि मी दूरी पर उनका घर था इस दूरी को तय करने के लिये सुबह 2 बजे उठ ट्रेनिंग ग्राउंड पर पहुंचती . कडे परिश्रम से अभ्यास करतीं .सिंधु नाम का मतलब महासागर या नदी होता है. इस अर्थ का प्रभाव सिंधु के खेल में देखने को मिलता है.

हैदराबाद में 5 जुलाई 1995 को जन्मी सिंधु के पिता पी वी रमण और मां ओ पी विजया ने वालीबाल खेल में उल्लेखनीय कामयाबी पायी . वर्ष 2000 में भारत सरकार का प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार उन्हें मिल चुका है . अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिंधु ने पहला खिताब सन 2009 में कोलंबो में आयोजित जूनीयर एशियाई बैडमिंटन चैंपीयन शिप में कांस्य पदक जीत कर किया इसके बाद कभी पीछे मुड नहीं देखा .खिताब दर खिताब उनकी झोली में आते गये और उनके बैडमिंटन का रैकेट राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों मे ऐसा चलने लगा जो प्रतिद्वंदियों के दांत खट्टे कर देता . सन 2012 में जापान की खिलाडी नोजोमी ओकुहरा को अंडर – 19 चैंपियनशिप के फाइनल में हरा धूम मचायी . सन 2013में भारत की 78 वीं सीनीयर नैशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला सिंगल खिताब भी अपने नाम किया .रियो ओलंपिक में सिल्वर पदक जीतने के बाद उन पर पुरस्कारों की बरसात होने लगी .

उनका पूरा नाम पुसर्ला वेंकट सिंधु है .उनके खेल और व्यक्तित्व के संबंध में पुलेला गोपीचंद ने एक बार कहा कि "उनमें खास बात यह है कि वे कभी भी हार नहीं मानतीं और कोशिश करती रहती हैं " वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियन शिप में लगातार 2 मेडल जीत उन्होंने इतिहास रचा .और ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं . उनसे पूछा गया था कि आपने जब खेलना शुरु किया ,तब क्या आपको लगता था कि आप बैडमिंटन स्टार बनेंगी उन्होंने कहा "बिल्कुल नहीं .मैंने इसलिये बैडमिंटन को चुना क्यों कि यह मेरा पैशन है, इसे खेलने में मुझे मज़ा आता .तब मुझे नहीं पता था कि इसमें कहां तक जाउंगी .बिना पेरेंटस सपोर्ट के बच्चा कुछ नहीं कर सकता .मेरे पेरेंटस खुद प्लेयर रहे हैं मेरे लिये बहुत मेहनत की उनका पूरा सपोर्ट मुझे मिलता है जब भी हारती हूं तो वह हौसला बढाते हुए कहते हैं कोई बात नहीं अगले मैच की तैयारी करो .यह बहुत मायने रखता है . उनके इस एक सेंटेंस से मेरा मनोबल डबल हो जाता है .

कोच के बारे में एक इंटरव्यू में बताया कि कोच कैसे भी हों यह खिलाडी पर निर्भर होता है कि वह कितनी मेहनत करता है . मेरा मानना है कि कोच का सख्त होना ज़रूरी है . होना भी चाहिये .वर्ना उसकी मिस्टेकस कौन सुधारेगा जब मैं पहला ओलंपिक खेल रही थी तो कोई खास प्रेशर नहीं था क्योंकि यह मेरा पहला ओलंपिक था लोगों को मुझ से ज़्यादा उम्मीदें नहीं थीं इसलिये किसी तरह के दबाव में नहीं थी गोपी सर ने भी कहा यह तुम्हारा पहला ओलंपिक है इसलिये तुम्हें अपना बेस्ट देना है लिहाज़ा पासिटिव हो खेला जिसका अच्छा रेसल्ट मिला .उनके खेल की शक्ति एकाग्रता और सूझबूझ भरी आक्रामकता है इसके लिये नियमित मेडीटेशन करती हैं उनके अनुसार मैच के लिये फोकस्ड होना ज़रूरी है और इसमें मेडीटेशन मददगार होता है खेल के दौरान आपका ध्यान बिल्कुल नहीं भटकना चाहिये .आपने एक भी पाइंट खोया तो मैच आपके हाथ से निकल सकता है .इसलिये ज़रूरी है कि दिमाग को एकाग्र रखा जाए .

सिंधु अपनी सफलता का सारा श्रेय अपने पिता पी वी रमणा को देती हैं उन्होंने ही उनकी प्रतिभा को पहचाना और पूरी एनर्जी उनको बेहतर खिलाडी बनाने में लगायी .तडके उठ सिंधु के साथ कोचिंग अकादमी जाने ,उनकी पर्फार्मेंस पर नज़र रखने ,कोच से उनका खेल डिस्कस करने से लेकर मैच और ट्रेनिंग के सिलसिले में शहर दर शहर सिंधु के साथ जा , अपनी बेटी की सफलता में सबसे बडी भूमिका निभायी .उनके पिता ने एक बार कहा, कि "जहां आपका बच्चा बेहतर करना शुरु करता है तो लोग उसे हतोत्साहित करने लगते हैं यह आम प्रवृत्ति है तब पेरेंटस को उनके साथ खडा होना ज़रूरी होता है ". फिल्में देखने की शौकीन सिंधु के पसंदीदा नायक ऋतिक रोशन ,प्रभास तथा महेश बाबू हैं .दांए हाथ से खेलने वाली यह खिलाडी जिस फर्राटे से अपनी दिशा बदलती हैं वह उनके खेल की खूबी है .पूरी दुनिया में अपने खेल के जौहर बिखेर जिस सुनहरे इतिहास को रच रही हैं वह युवा खिलाडियों के लिये रोल माडल जैसी मिसाल है . हैदराबाद में शिक्षित व दीक्षित इस चैंपियन प्लेयर को बिरयानी ,चाइनीस और ईटालियन खाना पसंद है .विभिन्न प्रतिष्ठित विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों को जीत जिन ऐतिहासिक गाथाओं को अपने खेल कौशल से रच रही हैं उसे देख हम कह सकते हैं वह "महिला बैडमिंटन की पराक्रमी"विजेता हैं।

काव्य कुंज

मेरी जिंदगी में मैं कहां थी?

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

स्व जनों को भी निकृष्ट
प्रतीत होने लगती नारी,
जब चुराने लगती ,
वक्त से थोड़ा वक्त स्व हेतु,
रूढ़िवादी जन देखना पसंद करते
नारी को चारदीवारी में घुटते ,टूटते , बिलखते,
नारी का अशक्त रूप ही भाता सबकी नजरों को।
बालपन बीत जाता
पीहर की मर्यादा को संजोते, यौवन बीत जाता
पति के आंगन की तुलसी बने,
किंतु तुलसी सा सम्मान कहां मिलता,
कहते लोग , जियो जिंदगी वही, जो बच्चों और पति के
भविष्य को रौशन करे, आया वृद्धावस्था ,
अब बेटे बहु की सुननी , वृद्धा बनी नारी की
बीत गई जिंदगी, चिता अरमानों की
सजती रही, सवाल करे नारी की,
सिसकती रूह, बता मेरे रब ,
मेरी जिंदगी में, मैं कहां थी?

तेरे दर्शन पाने का इंतजार

ओमकार सारडीवाल

तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो
तेरे आने का इंतजार करें हो,
तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो।
मन की व्यथा मैं किसे सुनाऊं,
मेरी समस्या का तूही समाधान करें हो।
दिल रोए बार-बार याद तुझे करे हजार बार,
कब होगा तुझ से मिलन हो?
तेरे आने का इंतजार करें हो,
तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो...
दुःख भरी मेरी कहनी बने हो,
खुशियों के पल तुझ से ही मिले हो।
हाथ तेरा मुझ पर बड़ा दे जरा,
तेरी छत्र छाया में जरा हमे लेलो हो।
तेरे आने का इंतजार करें हो,
तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो...
तेरे सहारे मैंने इस जीवन को चुना हो,
तुम यू हम से ना नजरे फेरा करें हो।
हजार हाथों को तेरा ही सहारा मिले हो,
हमारी आंखें तेरा ही इंतजार करें हो।
तेरे आने का इंतजार करें हो,
तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो...
जब तुम आओ गे, उज्यारा फैराओगे,
दुखियों के दुख हर ले जाओगे।
जीवन में बाहर आएगी, दामन में मेरे खुशियां छाएगी,
आस हमारी तुझसे ही लगे हो।
तेरे आने का इंतजार करें हो,
तेरे दर्शन पाने का इंतजार करें हो...
ओमकार सारडीवाल (अध्यापक)

शहीदों

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

शहीदो तुम्हें शत शत नमन
मेरे शान ए वतन तुम्हें शत शत नमन
इस जमीन का जर्रा जर्रा
देता है तुम्हें दुआएं
ए मेरे वतन परस्तौ
शहीदों तुम्हें शत-शत नमन
मां भारती पर मिटने वालों
तुम्हारा खून फिरता है
तिरंगे में लाल रंग लेकर
आज आजादी नाचती है घर घर
तिरंगे का रूप लेकर
शहीदो तुम्हें शत शत नमन
आंखें नम है पर दिल में उमंग है
आजादी का पर्व है, यह हर्षो उलाहस तुम्हारी बदौलत
हर बच्चा सुरक्षित, तुम्हारी बदौलत
शहीदो तुम्हें शत शत नमन
तुम्हारी मां के तुम लाडले लाल
इन फिजाओं में तुम्हारा खून
उडता है बनके गुलाल
हम भारतीयो को नाज़ है तुम पर
शहीदो तुम्हें शत शत नमन

मकसद में....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दैनंदिन कार्य हुए ये भलीभांति संपन्न
झुकना होगा दुनिया तुझको, क्यों विपन्न
होता है वही जो मंजूरे खुदा होता है
ऐड़ी चोटी तदबीर,
असमान्य फिसलन
जिधर से गुजरता, सामने खड़ा.. शून्य
ताल ठोक ललकारता,अड़िग खड़ा शून्य
अश्रुपूरित निढाल,खाट से...लग जाता
निगल चुके तुम मुझे,अब क्या रखा शून्य
पग पग आंधी तूफान, तीव्रतम मझधार
लगता बिन पतवार नैया, संतप्त बयार
एहसासों मध्य खड़ा,उलझता सुलझता
हर्ष आलोक आभा से वंचित कैसा किरदार
आकाशवाणी, हाथ पकड़ झकझोरता है
तू काहि डोले प्राणिया, रश्मियां भरता है
कर अरदास,लहरों के विपरीत चल पड़ता
मकसद में सच्चाई, नई इबारत लिखता है।।

चल पहल कर!

-डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

किसी के भरोसे क्यों रहना,
सब करें उसके बाद क्यों करना,
भेड़ चाल क्यों जरूरी है चलना,
चल तू ही पहल कर,
किसी बात से तुझे नहीं डरना।।
किसी की राह, क्यों तकना,
बीतने के बाद क्यों समझना,
किसी के बाद में क्यों बनना,
चल तू ही पहल कर,
अनुभव से क्यों है डरना।।
किसी के लिए क्यों ठहरना,
आलोचनाओं से क्यों बिखरना,
हर कदम पर जरूरी नहीं संभलना,
चल तू ही पहल कर,
जोखिम उठाने से ज्यादा क्या डरना।।
क्यों अपने लक्ष्य से भटकना,
क्यों किसी की राहा करते हुए अटकना,
क्यों सटीक निर्णय करने से उलझना,
चल तू ही पहल कर,
खुद पर भरोसा तुझे हे रखना।।
क्यों बात बात पर एहसान जताना,
अस्थाई है सब, क्यों दिल लगाना,
पूरा हो ना हो तेरा हर सपना,चल तू ही पहल कर,
तेरी योग्यता को तुझे ही परखना।।
सुन तेरी अंतरात्मा को क्या है कहना,
हर नहीं दिन के साथ तुझे है निखरना,
साहस के साथ तुझे हे बढ़ना,
चल तू ही पहल कर,
समस्त गुणों से तुझे हे सवरना।

बरखा रानी

टी तारासिंह
हैदराबाद

तरसे बादल बरखा को
तरसे नयना बरखा को
बादलों मे छुपे है बरखा की बूंदे
झूम के आये आये बरखा रानी आये
सावन आये ऋत सुहाना होये
बरखा आये बहार ही बहार आये
बादल खुले मौसम बदले
रातभर सितारे टिमटिमाते बातें करते
महफ़िल सजाते रातभर पहरा देते
जल तरंगें गीत बनाये गीत सुनाये
पथरीली राहे भी बन गयी मखमली
हवा के झोकों से उड जाते पंक्षियॉ
ढुड लेते अपना घोसला अपना घर
बहार के ऋत मे बादलों के गरज में
छुप जाता इंसान का दर्द-ए-गम
जिंदगी कशमकश है फिर भी सुहानी है
जी लेते हर ऋत मे कभी खुशी कभी गम ।।

मानसून

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

दिल रोशन करने को, ख्वाहिशो की प्यास बुझाने,
ख्वाबों की रौनकी के लिए,
अनकही बातें कहने को,
खुशबू सा महकाने के लिए,
लौट आना जीवन में,
फिर से मानसून की तरह...!
थोड़ी सी रोशनी बहुत,
मन का अंधेरा मिटाने के लिए,
थोड़ा यकीन बहुत,
गुमशुदा रास्तों पर मंज़िल के लिए,
शिकवे-शिकायतों के साथ,
लौट आना जीवन में, फिर से मानसून की तरह...!
इम्तिहान यहाँ होता हर कदम पर,
कुछ अनकहा कुछ अधूरा,
रहता है हर इक के जीवन में,
मेरे ख्यालों के ऐवान में, आशियाना है बस तुम्हारा,
लौट आना जीवन में, फिर से मानसून की तरह...!

पता लगता है बदला बदला

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

जीने का अंदाज लगता है
बदला बदला
उल्फत का अंदाज लगता है
बदला बदला
बुजुर्गों की बातों की कौन
करता है कदर
दिल को तोड़ कर नव जवां
लगता है बदला बदला
फीकी मुस्कुराहट में
सच्चाई को ढूंढते ही रहे
मगर सफर का हर लम्हा लगता है बदला बदला
गमें दिल सुनाएं किसे,सामने कोई नजर आता नहीं
हिम्मत हार कर हर शख्स लगता है बदला बदला
क्या जाने इरादे बचपन से लेकर बुढ़ापे तक
मंजिल नहीं हर सपना लगता है बदला-बदला
जालिम हो गई यह दुनिया हे परमात्मा तुम ही संभालना
रागा कुछ जाहिदों का भी पता लगता है बदला-बदला।

पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन

संजीव ठाकुर,
रायपुर

पर्यावरण संरक्षण।
मानव पर्यावरण का दुश्मन
पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी,
न्यारी धरती प्यारी, शुद्ध हवा भी प्यारी,
जिंदगी हमारी न्यारी।
आओ कुछ वृक्ष लगाएं, इस धरा को बचाएं,
अपने कर्मों से सजाएं, पर्यावरण को बचाएं।
जिस पर्यावरण ने हमें दिया है,
जीवन इतना प्यारा,
भव संसार इतना न्यारा,
निर्झरिणी नदिया पोखर
से जल हम तक आता, एहसान मंद है
पूरा का पूरा संसार सारा।
स्वच्छ हवा में हम लेते हैं सांस,
शुद्ध जल से बुझती हमारी प्यास
पर्यावरण हमारी जिंदगी की आस,
हम शुद्ध रखे हवा पानी आसपास।
हम स्वार्थी हो चुके कितने,
कल कारखाने बना दिए इतने,
काटकर जंगल हमने
बेच दिए न जाने पेड़ कितने।
एयर,कंडीशनर,कूलर और
स्कूटर, कार ,वायुयान प्रकृति और पर्यावरण की
खत्म कर दी सब ने जाना।
अब जीव ,जंतु, वनों और मानव जाति को हमें
इन विसंगतियों से बचाना है,
हमे पर्यावरण पूरा बचाना है।
शपथ पूर्वक प्रण लेते हैं
पूरे मानव जीवन में
सौ सौ वृक्ष हम लगाएं , इस धरा को स्वर्ग बनाएं।

मुझे यह भी पता है

संगीता बलवंत,
गाजीपुर यूपी

मुझसे मुंह पूलाता है
मुझसे लडता भी है
पर मुझे यह भी पता है
मेरे हर उप हर चोट को
पहले भाई ही समझता है
कभी चुराता है
पर मुझे यह भी पता है
मुझे क्या चाहिए
मुझसे पहले भाई ही मम्मी-पापा से कहता है।
कभी ये बनाओ कभी वो बनाओ
हरदम नये-नये व्यंजन की
परमाइश करके जीझ दिखलाता है
पर मुझे यह भी पता है
मुहल्ले की शादी में मैं न जॉऊ
तो बिन कहे मेरे लिए खाना
भाई जरुर लाता है।
तेरी शादी हो तू जल्दी ससुराल जा
भाई रोज इस बात की माला जपता
पर मुझे यह भी पता है
विदाई के समय माँ से ज्यादा
भाई ही रोता है।
इस प्यारे से मजबूत रिश्ते को
राखी के डोर ने कसकर बाधा है
बहन का हर दुख हर ले
यह सोच ईश्वर ने भाई बनाया है।

जिंदगी

डॉ टी महादेव राव

चिमनी की धुंए सी उठ रही है जिंदगी
जीने की कोशिशों में घट रही है जिंदगी
रास्ते में ही गुजरे बचपन और जवानी
मंजिलों के मायने पलट रही है जिंदगी
पहले इस दिल में समाता था जमाना
कतरा ए खून बन सिमट रही है जिंदगी
कांटों के बिस्तर पर सोना भी मुहाल है
करवट सी खुद को पलट रही है जिंदगी
गले तक पाकर पानी खुद प्यासी रह गई
गांव के बाहर की पनघट रही है जिंदगी।।

पिता सबसे बड़े सम्मानी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

माँ तो माँ होती है पर,
पिता की बात निराली,
खाकर दुनियां के थपेड़े,
बढ़ाए घर की कहानी,
मजबूत कांधे,संतान को दे,
हर हाल में दाना पानी,
संतान जरूरत पूरी करने में,
पिता लगा दे जवानी,पिता सहारे सन्तान
चलना सीखे,पिता ने अंगुली थामी,
अनुशासन का पाठ पढ़ाया,
संस्कारों के दानी,आदर्श जीवन समझ में आया,
पिता की ही जुबानी, कोमल हृदय के मालिक पर,
भावना कठोर दिखानी, संतान को सही राह दिखाने को,
साम,दाम,भेद,दंड की नीति अपनानी,
बेटे को दे मजबूत छत्र छाया,
स्वयं सहते परेशानी,
बेटी को भी रखते सुरक्षित,
बेटी अमूल्य धरोहर जानी,
नम आंखों से विदाई करते,
जब बेटी हो जाए सयानी,
दिखाये कुछ होते कुछ,
पिता की विचित्र कहानी,
इगीताइ पितृ कर्ज उतार सके न कोई,
दुनियां में पिता सबसे बड़े सम्मानी !

मेरे कृष्ण

रेणुका अग्रवाल

मन बना है मन्दिर मेरा।
जिसमें कृष्ण बसते हैं।
ये छलिया है दुनिया भर के,
सारी सृष्टि रचते हैं।
निन्दा करूँ किससे ,
मैं अपने मन दर्पण की,
मन रमा जब कृष्ण में,
सुध रही न तन मन की।
नयनों में झड़ी लगी है।
जैसे रुत हो सावन की।
कान्हा कान्हा मन पुकारे,
झड़ी आँखों में असुवन की।
अब सबर नहीं होता कान्हा।
प्यास बुझाओ नयनन की।
हर पल रेणू पुकारे,कृष्णा कृष्णा, लाज रखो भक्तन की।

यह जिंदगी है

अशोक पटेल,
तुरमा छत्तीसगढ

यह जिंदगी है तो जज्बा जरूरी है
वर्ना इसके बिना जिंदगी अधूरी है।
इसी जज्बा से ही तो चाहत पूरी है
वरना ये जिंदगी लगती बड़ी बुरी है।
जिंदगी है तो इरादों में जान भर दो
मात्र सपना भर से कुछ नही होता।
सपनो को साकार करना ही है गर
हाथ धरने मात्र से कुछ नही होता।
जिंदगी है तो जुनून भी होनी चाहिए
बिना इसके कुछ नजर नही आती।
मन मे विस्वास का होना जरूरी है
इसके बिना मंजिल मिल नही पाती।
कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ेगा
इसके लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा।
बिना संघर्ष के कुछ नही मिलने वाला
संघर्ष करेगा तभी तो इतिहास रचेगा।
जब जब तू जिंदगी में पसीना बहाएगा
तभी जीवन मे कुछ नया कर पाएगा।
तेरी मंजिल लक्ष्य तेरे कदमो में होगी
और तू कामयाबी आसमान छू पायेगा।

वृक्ष

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

टूटे वृक्ष निशानी की बात कोई ना।
छांव बीच जवानी की बात कोई ना।
गहरे-गहरे पानी को लाँघ गए हैं,
छिछले-छिछले पानी की बात कोई ना।
अपने ही साथ रहे दुख-सुख व्यथा में,
रूठे हुए प्राणी की बात कोई ना।
अक्षरों के साथ सदा रहे हैं याराने,
नाकामी शैतानी की बात कोई ना।
घर की जिम्मेवारी आँख भी ना उठ पाई,
गोरे कंठ में गानी की बात कोई ना।
चल मन मेरे यहाँ क्या हम ने करना,
महफिल में दिल जानी की बात कोई ना।
तारे चाँद सूरज इक्ट्ठे हो नहीं सकते,
नभ की मेहर बानी की बात कोई ना।
बंद डिब्बों भीतर है पकवान तेजाबी,
मटकी और मथानी की बात कोई ना।
खुशबू, मयखाने, घूमे देश विदेश, (देश)
'बालम' बीच नादानी की बात कोई ना।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

बिहार में मौके की तलाश में भाजपा

यह तो तय है कि एनडीए की मुखिया भाजपा बिहार के घटनाक्रम से स्तब्ध है, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि वह अब बिहार सरकार को अपनी मनमानी करने देगी। राजनीति के पंडित अच्छी तरह जानते हैं कि मोदी और शाह की जोडी नीतीश को एक न एक दिन सबक जरूर सिखाएगी। इंतजार कीजिए वह समय कभी भी आ सकता है। भाजपा के शीर्षस्थ नेता अपमान का घूंट पीकर बिहार के वर्तमान सरकार को निर्बाध रूप से चलने देंगे, इसमें संदेह है। वैसे उसे कई राज्यों में अपने पराजय रूपी अपमान को झेलना पड़ा है, लेकिन अपमान को गांठ बांधकर आक्रमण-दर-आक्रमण करना ही उसका मास्टर स्ट्रोक है।

पश्चिम बंगाल में सारी कोशिशों के बाद भी भाजपा के हाथ क्या आया! पंजाब में तिल का ताड़ बनाकर वहां अपने को इस तरह समूल नाश किया कि आज वहां की विधानसभा में उसका एक भी विधायक नहीं है। यदि कोई एकाध ढूंढे से मिल भी जाएं तो वहां यही कहावत चरितार्थ होती है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र इसके ताजा उदाहरण हैं जहां अपने मास्टर स्ट्रोक के जरिए वह फिर से सत्ता में आ गई। भाजपा के ही नेता नितिन गडकरी ने शायद इन्हीं बातों से आजिज आकर कहा था कि आज के राजनीतिज्ञों का उद्देश्य यही हो गया है कि येन-केन-प्रकरेण सत्ता उनकी हो जाए। बहरहाल, यह सब जनहित के लिए किया जाता है। क्योंकि इसके जरिए ही स्वहित की रक्षा की जा सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दल बदलने के बाद बिहार भाजपा के ही कई नेताओं ने अलग-अलग प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह बताने का प्रयास किया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी पार्टी को ठगा है, जनता को भी ठगा है। अब यह तो मंथन का विषय कि सच में किसने किसे ठगा है। लगभग यही कुछ वर्ष पहले महाराष्ट्र में भी तो हुआ था, जब सुबह-सबेरे राष्ट्रपति शासन को समाप्त करके देवेंद्र फडणवीस शपथ ग्रहण समारोह करके कुछ घंटों के लिए मुख्यमंत्री बन बैठे थे। लेकिन, इसके लिए कितनी आलोचनाओं का सामना भाजपा को सुनना पड़ा, यह वही जानती है। बिहार के लिए भी सत्ता परिवर्तन की बात की जा रही है। वहां भी तो यही कहा जा रहा है कि भाजपा ने नीतीश सरकार को गिराने या उनके कद को छोटा करने का प्रयास किया। बिहार के लोगों का कहना है कि नीतीश कुमार ने भाजपा को छोड़कर उसकी बढ़ती रफ्तार को रोकने का प्रयास किया है। इससे बिहार का विकास होगा। वैसे यह सच है कि लगभग तीस वर्ष से बिहार में जो कुछ हुआ, उसकी नाकामी और उपलब्धि का श्रेय लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार को ही जाता रहेगा, क्योंकि इतने लंबे समय तक बिहार में इन्हीं दोनों नेताओं का शासन रहा है।

वैसे आदिकाल से ही बिहार पलायन के लिए मशहूर रहा है, लेकिन इन दोनों के कार्यकाल में जो पलायन हुआ, उसे आप देश के किसी शहर में किसी कस्बे में देख सकते हैं। कहते हैं इतने वर्षों में राज्य के विकास के लिए कोई कार्य किया ही नहीं गया। सभी अपने अपना

स्वार्थ सिद्धि करते रहे। परिणाम यह हुआ कि राज्य में रहकर कुछ धनपति बन गए और कुछ अपनी जिंदगी किसी प्रकार गुजरते रहे। काफी लंबे काल तक बिहार में सत्तासीन एनडीए का दावा है कि वह देश का विकास करना चाहते हैं, लेकिन उनकी सोच बिहार के विकास के लिए आक्रामक क्यों नहीं है, जैसा कि अन्य राज्यों में उनके शासनकाल में देखा गया। न तो इतने लंबे कार्यकाल में कोई उद्योग लगाए गए, न ही रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के लिए कोई नई योजना बनाई जा सकी। यदि कोई योजना सरकार ने बनाई भी होगी तो उसे धरातल पर किसी ने उतरते ही नहीं देखा।

आज नई सरकार के गठन के बाद राज्य में जो उज्ज्वल भविष्य की खुशी दिख रही है, उसका कारण भी तो यही है। लोगों में एक आशा की किरण जगी है कि शायद अब कुछ राज्य में रोजगार के साधन उपलब्ध हो जाएं। वैसे, सरकार की योजना भी अधिक से अधिक बेरोजगारों को रोजगार देने की है, लेकिन उसमें उन्हें कितनी सफलता मिलती है, यह देखने की बात होगी। लेकिन, क्या इस नई सरकार को इतना समय मिल पाएगा कि वह अपने वादे पूरे करते हुए युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा सके।

नीतीश को 2024 का मैराथन दौड़ना है तो यह 'जहर' पीना ही पड़ेगा, अजय आलोक ने बिहार के सीएम की किस 'मजबूरी' का किया जिक्र। ऐसा इसलिए, क्योंकि कहा तो यह जा रहा है कि अपनी खुन्नस कहिए या अपमान का बदला लेने के लिए भाजपा सरकारी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करे। दिल्ली में चर्चा है कि बहुत जल्द प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग को इस सरकार को तहस-नहस करने के लिए तैयार किया जा सकता है। गांधीजी जब दक्षिण अफ्रीका में थे, वे ताजा फैशन के मुताबिक बेदाग पोशाक पहनने वाले वकील हुआ करते थे। लेकिन, जब उनकी भारत वापसी हुई तो उनके गुरु गोपाल कृष्ण गोखले ने आदेश दिया था कि पहले वर्ष कान खुले, लेकिन मुंह बंद रखकर पूरे हिंदुस्तान की यात्रा करें। महात्मा गांधी ने यही किया। हिंदुस्तान की यात्रा में जो हृदयविदारक दृश्य उन्होंने देखा, उसके बाद उन्होंने अर्द्धनग्न रहकर देशहित में काम करना शुरू किया। क्या आज के हमारे नेतागण इस तरह कार्य कर सकते हैं!

हां, समय बदला विकास के नए-नए आयाम बनते गए। विश्व की तरक्की हो रही है, लेकिन हम निश्चित रूप से उनमें बहुत पीछे चल रहे हैं। यह ठीक है कि आजादी के सेनानियों के महानतम बलिदान से हमें स्वतंत्र जीने का रास्ता बना गए, लेकिन उन रास्तों को सही करना हम जीवित लोगों का है। जबकि, हम एक-दूसरे का पैर खींचने का लगातार प्रयास करते रहते हैं। इससे यही होता है कि दुनिया विकास के झंडे गाड़ती रहती है और हम पिछड़ते रहते हैं।

बिहार के साथ भी तो यही हुआ। ब्रिटिश हुकूमत से लड़ने वाले बिहार को उसी काल से पिछड़ा और उपेक्षित घोषित करके किसी का भी लाभ नहीं हुआ। न तो बिहार आत्मनिर्भर बन सका, न किसी ने उसकी गरीबी को दूर करने का प्रयास किया। पिछली सरकार में उप मुख्यमंत्री और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी उस दिन बहुत खुश हुए थे जिस दिन जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटा लिया गया था। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा था कि अब बिहारियों को वहां भी नौकरियां मिल जाया करेंगी। उनके इस शर्मनाक बयान का आज भी देश में उपहास उड़ाया जाता है।

लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार, दोनों लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से निकले हुए राजनेता हैं। नीतीश कुमार गांधीवादी भी है, यह उनके कार्यकलापों से दिखता है। बिहार में शराब बंदी उसी का उदाहरण है।

गांधी जी शराब के विरोधी थे। आज नीतीश कुमार भी उसी रास्ते पर चल पड़े हैं, लेकिन इससे राजस्व का राज्य में जो नुकसान हो रहा है, पता नहीं उसकी भरपाई सरकार कैसे कर पा रही है। बिहार वैसे भी गरीब और पिछड़ा राज्य है। राजस्व की इतनी बड़ी हानि बार-बार गले के नीचे नहीं उतरती है।

इस नई सरकार में मुख्यमंत्री को इस पर विचार करना ही पड़ेगा, अन्यथा किस प्रकार अपने पैरों पर बिहार खड़ा हो पाएगा। आजादी के बाद से अब तक 24वें राज्य के रूप में गिना जाने वाला कब एक-एक सीढ़ी पार करते हुए आगे बढ़ता है!

अंतिम प्रश्न यह कि यदि स्वच्छंद भाव से नियमानुसार कार्य करने की छूट उसे केंद्रीय सरकार से मिल जाए तो हो सकता है बिहारियों को राज्य के बाहर अपमान का घूंट नहीं पीना पड़े।

पिज्जा खाने से जिंदगी के 8 मिनट होते हैं कम

अगर आपने एक बार हॉट डॉग खाया तो आपकी लाइफ 36 मिनट कम हो जाएगी। वहीं एक दफा पिज्जा खाने वालों की उम्र 8 मिनट घट जाएगी। चौंक गए न! दरअसल अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी ने खाने की लत को लेकर रिसर्च की है। इसमें अलग-अलग फूड्स और उससे हमारी लाइफ के घटने-बढ़ने का जिक्र किया है।

अब आप सोच रहे हैं होंगे कि खाना कोई नशीली चीज है क्या जिसकी लत लगेगी। तो इसे ऐसे समझते हैं- उस फूड आइटम या ड्रिंक के बारे में सोचकर देखें, जिसके बिना आप रह नहीं पाते। उसके बिना आपको बेचैनी होने लगती है। किसी के दिमाग में पिज्जा आया होगा। किसी को चॉकलेट का ख्याल आया होगा, तो किसी के दिमाग में मैगी। इसे ही खाने की लत कहते हैं।

सवाल है कि पिज्जा, बर्गर, चीज और हॉट डॉग जैसे जंक फूड खाने की लत क्यों लगती है। ऐसा क्या होता है इनमें, जो बिना खाए लोग रह नहीं पाते हैं? तो जवाब है कि दिमाग यानी ब्रेन में एक सिस्टम होता है। जिसे रिवॉर्ड सिस्टम (इनाम प्रणाली) कहते हैं। इसमें ब्रेन फील-गुड हार्मोन्स रिलीज करता है। इसमें न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन होता है, जो ब्रेन को प्लेजर यानी आनंद महसूस कराता है। जंक फूड यानी पिज्जा, बर्गर, हॉट डॉग और चॉकलेट से ब्रेन को मिलने वाला रिवॉर्ड बाकी फूड्स से मिलने वाले रिवॉर्ड की तुलना में कहीं ज्यादा पावरफुल होता है। इसकी वजह से लोगों को जंक फूड खाना ज्यादा पसंद होता है और इसकी लत लग जाती है।

साइकोलॉजिस्ट कहते हैं- शराब और सिगरेट की लत की तरह ही खाने की लत भी एक बायोकेमिकल सिचुएशन है। इसमें कुछ खास तरह की खाने की चीजें अच्छी लगती हैं। मसलन किसी को मीठी चीजें, तो किसी को जंक फूड। इन चीजों को खाए बिना व्यक्ति रह नहीं पाता। कई बार उसे पता होता है कि जो वो खा रहा है, वो हेल्थ के लिए ठीक नहीं है। इसके बावजूद वो उस फूड को खाता है।

अब बात उस रिसर्च की जिसमें कहा गया है कि पिज्जा-हॉट डॉग से जिंदगी घट जाती है। यह रिसर्च यूनाइटेड स्टेट के मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स ने की है। जिसमें पिज्जा, हॉट डॉग, प्रोसेस्ड मीट, बीफ, झींगा, पोर्क मीट, चीज बर्गर, आईक्रीम और चॉकलेट जैसी तकरीबन 5 हजार 800 खाने की चीजें शामिल थीं। इसके मुताबिक अगर आप एक बार पिज्जा खाते हैं, तो आपकी जिंदगी से 8 मिनट कम हो सकते हैं। वहीं हॉट डॉग खाने से जिंदगी के 36 मिनट कम हो सकते हैं। ये रिसर्च जर्नल नेचर फूड में पब्लिश हुई थी। इस रिसर्च पर प्रोफेसर ओलिवियर जोलियट कहते हैं– इस रिसर्च में जो रिजल्ट सामने आया है, उससे लोगों को अपनी हेल्थ और पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। लोगों को इसके मुताबिक अपनी डाइट में बदलाव करना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट यह भी कहते हैं कि एक सिगरेट पीने से 11 मिनट लाइफ कम होती है। अब आप खुद सोचकर देखें कि पिज्जा और हॉटडॉग भी सिगरेट की तरह खतरनाक है या नहीं?

अगर किसी चीज को खाने की लत है, तो उससे छुटकारा कैसे मिल सकता है। खाने की वजह से आपकी हेल्थ खराब हो सकती है। इसके लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं। जैसे- किसी भी चीज की लत लगने का मुख्य कारण ब्रेन होता है। इसलिए आपको समय-समय पर खुद को मोटिवेट करके उन चीजों को खाने से बचना होगा, जिसकी आपको लत लगी है। उन फूड प्रोडक्ट्स की एक लिस्ट तैयार करें, जिसे खाने की आपको लत है। उसकी जगह खाने के दूसरे ऑप्शन ढूंढें। मान लीजिए आपको चीज और आलू वाली सैंडविच की लत है, तो इसकी जगह आप ब्राउन ब्रेड में पीनट बटर और ग्रीन सलाद के साथ हेल्दी सैंडविच तैयार करके खा सकते हैं। चाहें तो किसी न्यूट्रिशन एक्सपर्ट या डॉक्टर की सलाह लेकर अपनी डाइट को कंट्रोल कर सकते हैं। इन सबके बावजूद अगर खाने की लत न छूटे तो किसी मनोचिकित्सक या काउंसलर की सलाह भी ले सकते हैं।

साइंस की मानें तो किसी भी इंसान की लंबी उम्र उसकी लाइफस्टाइल पर निर्भर होती है। अगर किसी की लाइफस्टाइल अच्छी है, तो उसकी उम्र ज्यादा होगी और अगर अच्छी नहीं है, तो उसकी उम्र कम हो सकती है। इसलिए हमें खान-पान से लेकर सोने और जागने का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए।

हेल्दी लाइफस्टाइल के स्टेप्स

सुबह जागने और रात को सोने का वक्त तय करें। सुबह का नाश्ता स्किप नहीं करना चाहिए। ऐसे खाने का चुनाव करें जिसमें अनहेल्दी फैट कम से कम हो। अनहेल्दी फैट्स में ट्रांस और सैचुरेटेड फेट्स दोनों होते हैं। इनसे आपका एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है। जिससे हार्ट डिजीज की आशंका बढ़ जाती है। हेल्दी फैट्स का भी हिसाब रखें, यानी खाना बनाने के लिए ओलिव, केनोला, सोया ऑयल यूज करें। ऐसे फूड्स चुनें जिनमें शुगर और हाइली रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट्स कम हों। मिठाई, सॉफ्ट ड्रिंक, ज्यादा मीठे फ्रूट जूस कम पिएं। प्रोसेस्ड फूड की जगह होल फूड यानी साबुत अनाज, फल और सब्जी को खाने में शामिल करें। एक्सरसाइज या योग की आदत डेवलप करें। डाइटिंग के चक्कर में न पड़ें। सबसे जरूरी, खूब सारा पानी पिएं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ निगेटिव इम्पैक्ट डालने वाले फूड पर रिसर्च की गई थी, कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें खाने के बाद आपकी जिंदगी के कुछ मिनट बढ़ सकते हैं। पिज्जा और बाकी चीजों पर रिसर्च कैसे की गई थी, उसमें क्या जरूरी बातें निकल कर सामने आई? 35 तरह के खाने की चीजों पर मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स ने रिसर्च की। इसमें 504 लोगों को शामिल किया गया और दो सर्वे हुए। रिसर्च के लिए टीम ने हेल्थ न्यूट्रिशनल इंडेक्स का इस्तेमाल किया। पिज्जा सबसे एडिक्टिव फूड है। यानी लोगों को पिज्जा खाने की सबसे ज्यादा लत है। जंक फूड में वसा और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट ज्यादा होता है। ये नेचुरल फूड में मौजूद फाइबर, प्रोटीन और पानी के मुकाबले आपके शरीर में ज्यादा जल्दी पहुंचते हैं।

21 राज्यों में 244 शहरों के नाम बदल चुके हैं

सबसे ज्यादा 76 जगहों के नाम आंध्र प्रदेश में बदले गए

क्या आपको आपके शहर का नाम पसंद है? अगर नाम बदला जाए तो क्या आप सहमत होंगे? कानूनी तौर पर तो आपके शहर के नाम में बदलाव आपसे पूछकर ही किया जाना चाहिए। मगर आमतौर पर ऐसा होता नहीं है। शहरों के नाम बदलने का फैसला आपकी चुनी हुई सरकार ले लेती है। बॉम्बे से मुंबई, मद्रास से चेन्नई या फिर इलाहाबाद से प्रयागराज... इन नामों को बदलने का फैसला सरकारों ने ले लिया। ये अलग बात है कि सरकारी कागजों में लिखे नाम से उस शहर के बाशिंदों को खास फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन इस नाम परिवर्तन का खर्च जरूर उनकी जेब से जाता है। यह खर्च भी कम नहीं है। औसतन एक शहर का नाम बदलने में 300 करोड़ रुपए तक खर्च होते हैं, यदि शहर बड़ा हो तो ये राशि 1000 करोड़ तक भी पहुंच सकती है।

आजादी के बाद से ज्यादातर नाम परिवर्तन अंग्रेजों की गलतियों की वजह से किए गए। त्रिवेंद्रम को तिरुअनंतपुरम या कोचीन को कोच्चि सिर्फ अंग्रेजों की स्पेलिंग में सुधार के लिए किए गए। आजादी के बाद से अब तक 21 राज्यों ने कुल 244 जगहों के नाम बदले हैं। वैसे शहरों के नाम परिवर्तन को लेकर सबसे ज्यादा विवाद उत्तर प्रदेश में उठते हैं, मगर जगहों के नाम बदलने में यूपी सबसे आगे नहीं है। सबसे ज्यादा 76 जगहों के नाम आंध्र प्रदेश में बदले गए हैं। तमिलनाडु ने 31 और केरल ने 26 जगहों का नाम बदला है। महाराष्ट्र ने भी 18 जगहों का नाम बदला है। उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद से अब तक 8 शहरों का नाम ही बदला गया है। आजादी के बाद से अब तक देश के 9 राज्यों और 2 संघशासित प्रदेशों का भी नाम बदला गया है। एक शहर या राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया क्या है? इसमें इतना खर्च क्यों होता है? और आखिर यूपी में बार-बार शहरों के नाम पर विवाद क्यों होता है?

इन राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के नाम बदले

ईस्ट पंजाब बना पंजाब : यह बदलाव 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। बाद में 1966 में पंजाब का विभाजन कर हरियाणा, हिमाचल और पंजाब तीन राज्य बने।

यूनाइटेड प्रॉविन्स बना उत्तर प्रदेशः यह बदलाव 24 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। 2000 में उत्तर प्रदेश का विभाजन कर उत्तरांचल राज्य बनाया गया।

उत्तरांचल बना उत्तराखंडः 2000 में बने राज्य ने 2007 में नाम परिवर्तन कर उत्तराखंड किया।

आंध्र स्टेट बना नया राज्यः 1 अक्टूबर, 1953 को मद्रास प्रेसिडेंसी के तेलुगूभाषी हिस्से को बतौर आंध्र स्टेट राज्य का दर्जा मिला। हैदराबाद स्टेट भी इसमें शामिल था। 1 नवबंर, 1956 को आंध्र स्टेट का नाम बदलकर आंध्र प्रदेश किया गया।

त्रावणकोर-कोचीन बना केरलः यह बदलाव 1 नवंबर, 1956 को लागू हुआ।

मध्य भारत बना मध्य प्रदेशः यह बदलाव 1 नवंबर, 1959 को लागू हुआ था।

मद्रास स्टेट बना तमिलनाडुः यह बदलाव 14 जनवरी, 1969 को लागू हुआ था।

मैसूर स्टेट बना कर्नाटकः यह बदलाव 1 नवंबर, 1973 को लागू हुआ था।

उड़ीसा बना ओडिशाः यह बदलाव नवंबर, 2011 से लागू हुआ था।

लक्कदीव,मिनिकॉय और अमनदीवी बने लक्षद्वीपः यह बदलाव 1 नवंबर, 1973 को लागू हुआ था।

पॉन्डिचेरी बना पुडुचेरीः नाम में यह बदलाव 1 अक्टूबर, 2006 से लागू हुआ था।

1953 केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में साफ कहा गया था कि ऐतिहासिक जुड़ाव वाले नामों को यथासंभव न बदला जाए। यह नियम 2005 में संशोधित किया गया।

1953 केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में साफ कहा गया था कि ऐतिहासिक जुड़ाव वाले नामों को यथासंभव न बदला जाए। यह नियम 2005 में संशोधित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेट्री सरदार फतेह सिंह ने 1953 में सभी राज्यों को पत्र लिखा था। यह पत्र शहरों के नाम परिवर्तन को लेकर गाइडलाइन माना जाता है। पत्र में स्पष्ट था कि बहुत जरूरी होने पर ही नाम बदला जाए। नाम परिवर्तन से पहले स्थानीय जनता से राय जरूर ली जाए। पत्र में कहा गया था कि ऐतिहासिक महत्व के नामों को न बदलें। हालांकि 2005 में इस गाइडलाइन में संशोधन किया गया। संशोधन में कहा गया- यदि नाम में किसी राष्ट्रीय महत्व की हस्ती का नाम जोड़ा जा रहा है तो परिवर्तन किया जा सकता है।

यूपी में 8 शहरों के नाम सरकारों के साथ बदले

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले का नाम मायावती ने बदलकर काशीराम नगर किया था। 2012 में सपा की सरकार आई तो इसे फिर कासगंज कर दिया गया। ऐसे 8 शहर हैं जिनका नाम मायावती सरकार ने बदला और सपा की सरकार आते ही पुराना नाम वापस कर दिया गया। शहरों के नाम परिवर्तन पर सबसे ज्यादा विवाद उत्तर प्रदेश में रहा है। यहां सरकारों ने अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत शहरों का नाम बदला। नई सरकार आते ही इन शहरों के नाम फिर बदले गए।

सपा और बसपा के बीच नाम परिवर्तन के झगड़े यहां चर्चित रहे हैं। मायावती सरकार ने 8 शहरों के नाम 2012 से पहले बदले थे। अमेठी को छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, हाथरस को महामायानगर बनाया। कानपुर देहात को रमाबाई नगर, कासगंज को काशीराम नगर बनाया गया। 2012 में सपा की सरकार ने सभी पुराने नाम वापस कर दिए।

कई बार नाम बदले गए... जनता के बीच चले ही नहीं

उत्तर प्रदेश के मुगलसराय का नाम पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन किया गया है। मगर यह नाम सिर्फ रेलवे स्टेशन के बोर्ड तक सीमित रह गया है। जनता के बीच प्रचलित नाम मुगलसराय ही है।

राजनीतिक एजेंडे के तहत बदले गए नाम जनता की मर्जी के नहीं होते। ऐसे में यह नाम जनता में लोकप्रिय नहीं हो पाते हैं। यूपी में मुगलसराय का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर किया गया। नाम कागजों में बदल गया, मगर प्रचलन में मुगलसराय ही जारी रहा। मध्य प्रदेश में भोपाल बैरागढ़ को संत हिरदाराम नगर बनाया गया।

प्रचलन में इस इलाके को आज भी बैरागढ़ ही कहा जाता है। देश के 6.77 लाख गांवों में 6 हजार से ज्यादा राम-कृष्ण के नाम पर... 234 अकबर के नाम पर है। सिर्फ गांव ही नहीं शहरों में सड़कों के नाम बदलने पर भी कई विवाद खड़े हुए हैं। दिल्ली के अकबर रोड का नाम बदलकर महाराणा प्रताप रोड करने का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री वीके सिंह दे चुके हैं।

2011 की जनगणना के मुताबिक देश में कुल गांवों की संख्या 6,77,459 है। इनमें से 3,626 गांवों का नाम भगवान राम के नाम पर है। 3,309 गांवों का नाम भगवान कृष्ण के नाम से जुड़ा हुआ है। मुगल बादशाह अकबर के नाम पर भी 234 गांवों का नाम है।

बाबर के नाम पर 62, हुमायूं के नाम पर 30 और शाहजहां के नाम पर 51 गांव हैं। 8 गांव औरंगजेब के नाम पर भी हैं और यह सभी यूपी के बिजनौर में हैं।... नाम बदलने की दौड़ में सबसे नया शहर मध्य प्रदेश का होशंगाबाद है। 2022 में इसका नाम बदलकर नर्मदापुरम किया गया है। यूपी में अभी 12 और शहरों का नाम बदलने का प्रस्ताव सरकार के पास है। इनमें अलीगढ़, मिर्जापुर, सुल्तानपुर, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, बदायूं प्रमुख हैं।

एकादशी तिथि 22 को लेकिन व्रत 23 अगस्त को

चार शुभ योग होने से इस दिन व्रत और दान करने से और बढ़ जाएगा पुण्य

23 अगस्त को भाद्रपद महीने की एकादशी का व्रत किया जाएगा। इस दिन तिथि, वार, नक्षत्र और ग्रहों से मिलकर चार शुभ योग बन रहे हैं। इस संयोग में व्रत और दान करने से मिलने वाला पुण्य और बढ़ जाएगा। पुराणों में अजा एकादशी को जया एकादशी भी कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु और लक्ष्मीजी की पूजा करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप और दोष खत्म होते हैं।

चार शुभ योगों वाला दिन

मंगलवार, 23 अगस्त के ग्रह, नक्षत्र से सिद्धि और चर योग बन रहे हैं। इनके अलावा गुरु के अपनी ही राशि यानी मीन में होने से हंस नाम का महापुरुष योग बनेगा। वहीं, तिथि, वार और नक्षत्र से त्रिपुष्कर योग बन रहा है। इस शुभ योग में किए गए शुभ काम का तीन गुना फायदा मिलता है। सितारों की इस शुभ स्थिति में किया गया दान और व्रत अक्षय पुण्य देने वाला रहेगा।

तिथि 22 को लेकिन व्रत 23 को

एकादशी तिथि 22 को पूरे दिन रहेगी लेकिन व्रत 23 को होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मंगलवार को एकादशी तिथि सूर्योदय के पहले और बाद तक रहेगी। द्वादशी तिथि के साथ होने से इसी दिन व्रत करने का विधान शास्त्रों में बताया गया है। ये दोनों तिथियां भगवान विष्णु को प्रिय है इसलिए भगवान विष्णु की उपासना के लिए 23 अगस्त बहुत ही खास दिन रहेगा।

एकादशी का महत्व

भगवान शिव ने महर्षि नारद को उपदेश देते हुए कहा कि एकादशी महान पुण्य देने वाला व्रत है। श्रेष्ठ मुनियों को भी इसका अनुष्ठान करना चाहिए। एकादशी व्रत के दिन का निर्धारण जहां ज्योतिष गणना के मुताबिक होता है, वहीं उनका नक्षत्र आगे-पीछे आने वाली अन्य तिथियों के साथ संबध व्रत का महत्व और बढ़ाता है।

व्रत में क्या खा सकते हैं और क्या नहीं

इस व्रत में एक समय फलाहारी भोजन ही किया जाता है। व्रत करने वाले को किसी भी तरह का अनाज सामान्य नमक, लाल मिर्च और अन्य मसाले नहीं खाने चाहिए। कुटू और सिंघाड़े का आटा, रामदाना, खोए से बनी मिठाईयां, दूध-दही और फलों का प्रयोग इस व्रत में किया जाता है और दान भी इन्हीं वस्तुओं का किया जाता है। एकादशी का व्रत करने के बाद दूसरे दिन द्वादशी को भोजन योग्य आटा, दाल, नमक,घी आदि और कुछ धन रखकर सीधे के रूप में दान करने का विधान है।

एकादशी व्रत कैसे करें

इस दिन जल्दी उठना चाहिए। फिर घर की साफ-सफाई करें। झाड़ू और पोंछा लगाने के बाद पूरे घर में गौमूत्र का छिड़काव करें। उसके बाद शरीर पर तिल और मिट्टी का लेप लगा कर कुशा से स्नान करें। नहाने के पानी में गंगाजल जरूर मिलाएं। नहाने के बाद भगवान विष्णु जी की पूजा करें। दिनभर नियम संयम के साथ रहते हुए रात में जागरण और भगवान विष्णु के भजन-कीर्तिन की परंपरा है।

अजा एकादशी की पूजा विधि

घर में पूजा के स्थान पर या पूर्व दिशा में किसी साफ जगह पर गौमूत्र छिड़ककर वहां गेहूं रखें। फिर उस पर तांबे का लोटा यानी कलश रखें। लोटे को जल से भरें और उसपर अशोक के पत्ते या डंठल वाले पान रखें फिर उस पर नारियल रख दें। इस तरह कलश स्थापना करें।

फिर कलश पर या उसके पास विष्णु भगवान की मूर्ति रखकर कलश और भगवान विष्णु की पूजा करें। और दीपक लगाएं। इसके बाद पूरे दिन व्रत रखें और अगले दिन तक कलश की स्थापना हटा लें। फिर उस कलश का पानी पूरे घर में छिड़क दें और बचा हुआ पानी तुलसी में डाल दें।

इस एकादशी का फल

अजा एकादशी पर जो कोई भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करता है। उसके पाप खत्म हो जाते हैं। व्रत और पूजा के प्रभाव से स्वर्गलोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत में एकादशी की कथा सुनने भर से ही अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। इस व्रत को करने से ही राजा हरिशचंद्र को अपना राज्य वापस मिल गया था और उनका मरा हुआ पुत्र फिर से जिंदा हो गया था।

इन राशियों के बच्चे होते हैं ज़िद्दी और गुस्सैल, इन्हें हैंडल करना होता है मुश्किल

कहते हैं बच्चे भगवान का रूप हैं। बच्चों का मन और दिल आईने की तरह साफ होता है। परंतु किसी भी मां-बाप के लिए उस समय समस्या खड़ी हो जाती है, जब उनके बच्चे ज़िद्दी और गुस्सैल हों। बच्चों का ज़िद्दी होना, उनके नेचर में शुमार होता है। परंतु हद से ज्यादा ज़िद्दीपन माता-पिता के लिए एक बड़ी परेशानी बन जाता है। यह समस्या बच्चे और माता-पिता दोनों के लिए दिन-ब-दिन बढ़ती जाती है और इसके नकारात्मक प्रभाव भी बच्चों के जीवन पर देखा जाता है। क्या आप जानते हैं इसके पीछे राशियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं? भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा उन राशियों के बारे में बता रहे हैं, जो बहुत ज़िद्दी होते हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के बच्चे बेहद गुस्से वाले और ज़िद्दी होते हैं। ये अपने आगे किसी को कुछ नहीं समझते। यदि इन्होंने एक बात की ज़िद पकड़ ली तो ये बहुत मुश्किल से मानते हैं और यदि इन्होंने किसी सामान पर अपना हक जमा लिया तो उस सामान को यह किसी भी कीमत पर छोड़ने के लिए राजी नहीं होते। इस राशि के बच्चों को सही-गलत कुछ समझ नहीं आता।

सिंह राशि

यदि आपके बच्चे की राशि सिंह है तो आपको सतर्क होने की जरूरत है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सिंह राशि के बच्चे बेहद ज़िद्दी होते हैं। ये अपने आगे किसी की बात सुनना पसंद नहीं करते। इन्हें लगता है कि सब कुछ इन्हीं के अनुसार होता चला जाए। ये बच्चे जीवन में हर काम अपने ही अनुसार करने की ज़िद ठान लेते हैं। यहां तक कि अपने आसपास मौजूद लोगों को भी अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं।

कन्या राशि

कन्या राशि के बच्चे बाकी अन्य राशियों के बच्चों से अधिक गुस्सैल और ज़िद्दी होते हैं। इस राशि के बच्चे हर हाल में अपनी बात मनवा कर ही मानते हैं। इसके अलावा इन्हें समझाना बेहद मुश्किल होता है। इन बच्चों को ऐसा लगता है कि यह जो बोल रहे हैं, वही सही है। यह अपनी ही बात को सही ठहराने के पीछे पड़ जाते हैं।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के बच्चे बहुत ज़िद्दी और गुस्से वाले होते हैं। ये सुनते सबकी हैं पर करते अपने मन की ही हैं। इन्हें अपनी बात मनवाने के लिए दूसरों से रिश्ता तोड़ने में जरा भी संकोच नहीं होता। वृश्चिक राशि के बच्चों को ऐसा लगता है कि वे जो कर रहे हैं, बिल्कुल सही कर रहे हैं।

मां यशोदा की रसोई से निकले पेड़े का सीक्रेट

2 महीने तक खराब नहीं होता मथुरा का पेड़ा, नेहरू-अटल भी थे स्वाद के दीवाने

मथुरा-वृंदावन में जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले लोग पेड़ा खाकर ही व्रत तोड़ते हैं। यहां हर साल करीब 12 करोड़ के पेड़े बिक जाते हैं। बांके बिहारी की गलियों से गुजरते हुए पेड़े की सौंधी खुशबू आपको ललचा सकती है।

शुरुआत द्वापर युग में बने पहले पेड़े से...

वृंदावन के कुंज बिहारी मंदिर के महंत स्वामी कृष्णानंद कहते हैं, ₹मथुरा के पेड़े द्वापर युग का एक किस्सा काफी प्रचलित है। ये किस्सा यहां के सभी हलवाइयों को रटा हुआ है। एक बार भगवान कृष्ण के लिए मां यशोदा दूध उबाल रही थीं। लेकिन बीच में उन्हें कोई जरूरी काम याद आ गया और वो रसोई छोड़कर चली गईं। जब वे वापस आईं तो दूध उबलते-उबलते गाढ़ा हो गया था।₹

यशोदा ने गाढ़े हो चुके दूध में चीनी मिलाकर उसे गोल पेड़े जैसा बना दिए और कृष्ण को खिलाया। ये मिठाई नन्हे कान्हा को खूब पसंद आई। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज भी भगवान के जन्म पर चढ़ने वाले छप्पन भोग में पेड़े को जरूर शामिल किया जाता है।

वृंदावन में सबसे पुरानी पेड़े की दुकान राधे श्याम हलवाई की है। 1921 में उन्होंने पेड़ा बनाने का काम शुरू किया। आज तक उनके वंशजों की चौथी पीढ़ी इस व्यवसाय को आगे बढ़ा रही है। दुकान के मालिक ने गौरव अग्रवाल कहते हैं, ₹मथुरा के पेड़े की एक खासियत है कि इन्हें बनाने के लिए दूध को तब तक पकाया जाता है, जब तक कि वो लाल न पड़ जाए। इसके दो फायदे होते हैं। पहला: पेड़े का स्वाद बढ़ जाता है। **दूसरा:** पेड़ा 50 से 60 दिनों तक खराब नहीं होता। बांके बिहारी के प्रसाद में इलायची पेड़ा सबसे ज्यादा चढ़ता है। गाय के दूध से ही ये पेड़ा तैयार किया जाता है। ये पेड़ा दूध को तेज आंच में पकाकर बनाया जाता है। इसलिए इसका रंग भूरा होता है। इस पेड़े में शक्कर का कम इस्तेमाल होता है, इसलिए डायबिटीज के मरीज भी खा सकते हैं।

पिस्ता पेड़ा गाय और भैंस के मावे से तैयार किया जाता है। इस पेड़े में पिस्ता पीसकर डाला जाता है और तैयार होने के बाद इसे हरे पिस्ते के बुरादे से सजाया जाता है। इस पेड़े में इलायची पेड़े की तुलना में ज्यादा शक्कर डाली जाती है। ये पेड़ा राधा रानी का प्रिय पेड़ा है। मलाई पेड़ा भगवान कृष्ण को चढ़ाए जाने वाले छप्पन भोग का मुख्य हिस्सा है। यह पेड़ा जन्माष्टमी में खास तौर पर तैयार किया जाता है। इसे बनाने में केवल मावा और मलाई का प्रयोग होता है। इसका रंगा सफेद होता है और इसका दाम भी दूसरे पेड़ों से ज्यादा रहता है।

यहां तक आपने मथुरा के पेड़े का इतिहास और वेराइटी के बारे में जाना। आइए अब ग्राफिक के जरिए इसके बनने की प्रक्रिया को जानते हैं...

मथुरा का पेड़े की सिर्फ यूपी में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी डिमांड है। मथुरा के मिठाई व्यापारी गिरधारी लाल कहते हैं,₹कोरोना काल में मथुरा के पेड़े का कारोबार घट गया था। लेकिन बीते 2 साल में फिर से डिमांड बढ़ रही है। यूपी सरकार की ODOP यानी 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना से भी पेड़े के कारोबार में फायदा हुआ है। इसकी डिमांड सिर्फ यूपी तक सीमित नहीं है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, दुबई अमेरिका से भी मथुरा के पेड़े की डिमांड आती रहती है। इसका सालाना कारोबार 10 से 15 करोड़ रुपए का है।

इस वजह से कभी भी श्री कृष्णा ने नहीं की राधा रानी से शादी

आज कई जगहों पर जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं राधा और भगवान कृष्ण की जिंदगी के कुछ अनसुने किस्से, जो आपको नहीं पता होंगे। धरती पर जन्म लेने के बाद कैसे भगवान कृष्ण और राधा मिले थे- ऐसी मान्यता है कि जब भगवान कृष्ण चार से पांच साल के थे, तब वह अपने पिता जी के साथ गाय चराने खेतों में गए थे। अपने पिता को आश्चर्यचकित करने के लिए उन्होंने वसंत के मौसम में तूफान ला दिया और ऐसे दिखाया जैसे उन्हें कुछ पता ना हो। अचानक से तेज बारिश शुरू हो गई और कृष्ण जी ने रोना शुरू कर दिया। कृष्ण जी को रोते देख उनके पिता जी ने उन्हें कसकर गले लगा लिया। भगवान कृष्ण के पिता परेशान होने लगे कि उन्हें इस मौसम में कृष्ण की देखभाल भी करनी है और साथ साथ गायों की भी देख-रेख करनी है।

कृष्ण जी के पिता को उसी समय एक सुंदर कन्या आते हुए दिखी। जिसको देखकर नंद बाबा शांत हुए और उन्होंने उस लड़की को कृष्ण की देखभाल के लिए कहा। जब लड़की ने कृष्ण की देखभाल के लिए हां बोल दिया, उसके बाद नंद जी गायों को लेकर घर चले गए। कहा जाता है जब भगवान कृष्ण और वह लड़की अकेली थी तो कृष्ण जी उस लड़की के सामने एक युवक के रूप में आए, जिसने नारंगी रंग के कपड़े पहने थे, उनके सिर पर मोर का पंख था, काला रंग और हाथ में बांसुरी पकड़ी हुई थी। कृष्ण जी ने उस लड़की से पूछा कि क्या उसे याद है ऐसा ही एक प्रसंग, जब वह दोनों स्वर्ग में थे। उस लड़की ने हां बोला क्योंकि वहीं भगवान कृष्ण की राधा थीं। इस तरह धरती पर जन्म लेने के बाद वह दोनों पहली बार मिले थे। इसी के साथ ऐसा माना जाता है कि जब भगवान कृष्ण और राधा अक्सर वृंदावन में मिला करते थे। हर रोज भगवान कृष्ण झरने के पास बांसुरी की मधुर धुन बजाते थे और राधा जी उसी मधुर ध्वनि को सुनकर उनसे मिलने आती थीं।

कहते हैं ऐसी मान्यता है कि राधा कभी भी भगवान कृष्ण से अलग नहीं होती हैं। हालाँकि भगवान कृष्ण और राधा के बीच प्रेम का रिश्ता शारीरिक नहीं था, बल्कि ये भक्ति का एक शुद्ध रूप था। ऐसा भी कहा जाता है कि भगवान कृष्ण और राधा दैविक रूप के दो अलग-अलग सिद्धांत हैं।

भगवान कृष्ण और राधा ने एक दूसरे से शादी क्यों नहीं की- भगवान कृष्ण और राधा ने एक दूसरे से शादी न करने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि उनका ऐसा मानना था कि प्रेम और विवाह एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यह साबित करने के लिए कि प्रेम शरीर से नहीं बल्कि भक्ति और शुद्धता के साथ होता है। दोनों ने एक-दूसरे से शादी न करके प्रेम की परम भक्ति को पूरे विश्व के सामने रखा। जी दरसल कुछ मान्यताओं के अनुसार, राधा खुद को कृष्ण जी के लिए सही नहीं मानती थीं क्योंकि वह एक गाय चराने वाली थीं इस वजह से वह भगवान कृष्ण से शादी न करने के अपने फैसले पर अटल थीं। इसके अलावा, एक मान्यता और है कि भगवान कृष्ण और राधा एक दूसरे को एक ही आत्मा मानते थे, इसलिए उन्होंने बताया था कि वह अपनी ही आत्मा से कैसे शादी कर सकते हैं।

पति-पत्नी में प्रेम बढ़ाता है रजनीगंधा का पौधा

वास्तु के अनुसार रजनीगंधा का फूल और पौधा नीरस वैवाहिक जीवन में फिर से प्यार फैलाता है। लेकिन इस पौधे को लगाते समय दिशा का विशेष ध्यान रखना चाहिए, तभी इसका लाभ मिलता है। दिल्ली के आचार्य गुरमीत सिंह जी से जातने हैं रजनीगंधा का पौधा लगाने की सही दिशा और इसके लाभ के बारे में।

पति-पत्नी में प्यार बढ़ाता है

रजनीगंधा का पौधा

हर व्यक्ति सुखी दांपत्य जीवन की चाह रखता है। लेकिन कभी-कभी रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है और छोटी-मोटी बातों पर भी नोंकझोंक शुरू हो जाती है। हम इसका कारण भी समझ नहीं पाते। दरअसल इसका एक कारण वास्तु दोष भी हो सकता है।

वास्तु के अनुसार इसके लिए घर पर रजनीगंधा का पौधा लगना चाहिए। घर पर रजनीगंधा का पौधा लगाने से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है। साथ ही पति-पत्नी के कमरे में रजनीगंधा का फूल रखना चाहिए। इससे आपसी प्यार बढ़ता है।

दो बांग्लादेशियों को जेल

असम की अदालत ने सुनाई पांच साल कैद की सजा, अवैध रूप से भारत में किया था प्रवेश

गुवाहाटी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के दोषी दो बांग्लादेशियों को कारावास की सजा सुनाई गई है। असम की एक अदालत ने दोनों बांग्लादेशियों को पांच-पांच साल कैद की सजा के साथ 10 हजार रुपये जुर्माना भरने के लिए भी कहा है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों विदेशी नागरिकों को यह सजा सुनाई जानकारी के मुताबिक, दो बांग्लादेशियों में एक का नाम अब्दुल हाई है तो दूसरे की पहचान निरंजन घोष के रूप में हुई थी। हाई जहां, कुरीग्राम जिले का रहने वाला है तो घोष बांग्लादेश के जमालपुर का निवासी है।

शेख हसीना करेंगी भारत दौरा

पीएम नरेंद्र मोदी से होगी मुलाकात; इन मुद्दों पर चर्चा के आसार

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में व्यापार, संपर्क और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बड़ी चर्चा के आसार हैं। खबर है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत का दौरा करने जा रही हैं। वहीं, सितंबर में भारत आ सकती हैं। गुरुवार को ही हसीना ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समुदाय के अधिकारों की बात की थी। उन्होंने अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों से अपने आप को अल्पसंख्यक नहीं मानने की अपील की थी। बांग्लादेश की पीएम हसीना 5 सितंबर को भारत आ सकती हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय, सुरक्षा अधिकारियों और ढाका की टीम समेत भारत से इस दौरे के संबंध में चर्चाएं कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि वह 8 सितंबर तक भारत में रहेंगी। चार दिवसीय यात्रा के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय नेताओं से मुलाकात कर सकती हैं। इसके अलावा वह जयपुर और अजमेर शरीफ की यात्रा कर सकती हैं। 8 सितंबर को उनके ढाका लौटने की संभावना है। खबर है कि पीएम मोदी अपनी बांग्लादेशी समकक्ष के साथ संयुक्त रूप से वर्चुअली 'स्वाधीनता सड़क' का उद्घाटन कर सकते हैं।

6 सितंबर को द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अहम चर्चा हो सकती है। इसके अलावा सूत्रों ने बताया कि भारत और बांग्लादेश सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग पर भी बातचीत कर सकते हैं।

कस्टम विभाग ने मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा 500 ग्राम कोकीन

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर एक विदेशी महिला की पर्स से 500 ग्राम कोकीन जब्त किया है। कोकीन की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया, अफ्रीकी देश सिएरा लियोन की रहने वाली महिला अपने पर्स में छुपाकर कोकीन

लाई थी। वह इथोपिया एयरलाइसं की उड़ान संख्या ईटी-610 से भारत पहुंची थी। अधिकारियों ने बताया, महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है, उससे पूछताछ जारी है।

केरल के विश्वविद्यालयों की नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद के आरोप

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कराएंगे जांच

तिरुवनंतपुरम, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विश्वविद्यालयों में विभिन्न पदों पर नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद के आरोपों की जांच की बात कही है। उनका यह बयान राज्यपाल और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्टि पार्टी (माकपा) में तनाव बढ़ने के बीच आया है। दरअसल, खान ने राज्यसभा के पूर्व सदस्य के के रागेश की पत्नी प्रिया वर्गीस की नियुक्ति करने के कन्नूर विश्वविद्यालय के कदम पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद राज्य सरकार और उनके बीच तनाव बढ़ गया।

वर्गीस की कन्नूर विश्वविद्यालय में मलयालम एसोसिएट प्रोफेसर के तौर पर नियुक्ति होनी थी। माकपा नेता रागेश मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निजी सचिव भी हैं। खान ने नई दिल्ली में कहा, 'प्रोफेसर से लेकर निचले स्तर के कर्मियों तक, वे अपने रिश्तेदारों को भर्ती करना चाहते हैं। अब मैं व्यापक स्तर पर जांच कराने जा रहा हूं कि पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान ऐसी कितनी नियुक्तियां की गई हैं।'

नियुक्तियों को लेकर मिली थी शिकायतः खान

खान ने बताया कि उन्हें राज्य के विश्वविद्यालयों में ऐसी नियुक्तियों के संबंध में विभिन्न वर्गों से शिकायतें मिली हैं। माकपा ने कन्नूर विश्वविद्यालय में मलयालम एसोसिएट प्रोफेसर की विवादित नियुक्ति पर रोक लगाने के राज्यपाल के फैसले को 'असंवैधानिक' बताया था।

साथ ही इस पद पर वर्गीस के नामांकन को लेकर 'भाई-भतीजावाद' के उनके आरोप को खारिज कर दिया था। वहीं, कांग्रेस नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने राज्यपाल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि खान ने असल में कन्नूर विश्वविद्यालय को एक अवैध नियुक्ति करने से रोकने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल किया है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है।

दलाई लामा को भारत रत्न देने की सिफारिश करेगा सर्वदलीय समूह

यूएस की तर्ज पर नीति का भी प्रस्ताव

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को भारत रत्न देने की सिफारिश हो सकती है. इस बारे में तिब्बत पर सर्वदलीय समूह ने केंद्र सरकार से आग्रह करने का फैसला किया है. साथ ही दलाई लामा द्वारा संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने की भी मांग होने वाली है. वहीं संसदीय समूह ने संयुक्त राज्य अमेरिका की तिब्बती नीति और समर्थन अधिनियम की तर्ज पर एक नीति अपनाने का भी प्रस्ताव किया है. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक इस समूह में भाजपा सहित 20 से अधिक सांसद हैं. सभी सांसदों से स्थानीय अधिकारियों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले तिब्बतियों के मुद्दों को संबोधित करने और हल करने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है. बता दें कि पिछले साल तिब्बत पर सर्वदलीय समूह के दोबारा सक्रिय होने के बाद ये पहली बैठक थी. इस समूह के कुछ सांसदों ने बीते दिसंबर में निर्वासित तिब्बती संसद द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी भाग लिया था. इसके बाद दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने चिंता व्यक्त करते हुए सांसदों को पत्र लिखा था और उनसे 'तिब्बती स्वतंत्र बलों को सहायता प्रदान करने से परहेज करने' के लिए कहा था. इस बारे में पूछे जाने पर राज्यसभा में बीजद सांसद और समूह के संयोजक सुजीत कुमार ने कहा कि 'उन्हें प्रतिक्रिया करने दें, चीनी दूतावास के पास विरोध करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि हम एक लोकतांत्रिक देश में सांसद हैं. हमें प्रस्ताव पारित करने का पूरा अधिकार है और चीनी दूतावास को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है.' उन्होंने कहा कि 'अगर हम तिब्बत को एक स्वतंत्र देश बनाने के लिए प्रस्ताव पारित करते हैं, तो यह थोड़ा अधिक होगा, क्योंकि भारत की अपनी एक-चीन नीति है.

हम यहां रहने वाले तिब्बतियों से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए कह रहे हैं. हम तिब्बत की इकोलॉजी की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, क्योंकि यह डाउनस्ट्रीम भारत के लिए महत्वपूर्ण है.'रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने अमेरिका के तिब्बत नीति और समर्थन अधिनियम की तर्ज पर एक विधेयक का प्रस्ताव रखा. उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दलाई लामा को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए.

बीजेपी ने कर ली बीएमसी चुनाव की बड़ी तैयारी

370 दही हांडियों से दे दिया संदेश

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर अलग ही सियासी नजारा देखने को मिला। एक ओर जहां उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कई दही हांडी कार्यक्रमों में शामिल हुए। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनकी शिवसेना कैंप बगावत के बाद विधायकों की कमी महसूस की। इसके अलावा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार ने दही हांडी को खेल और गोविंदाओं को स्वास्थ्य बीमा का भी ऐलान किया है। आंकड़े बताते हैं कि पूरे मुंबई शहर में भाजपा ने 370 दही हांडी उत्सव आयोजित किए थे। यह पिछले औसतन आंकड़े 150-170 से काफी ज्यादा हैं। जश्न से जुड़े हर पोस्टर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और फडणवीस की तस्वीरें शामिल थीं। इनमें सबसे ज्यादा खास वर्ली स्थित जंबूरी मैदान का आयोजन रहा, जहां भाजपा के नई मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार ने कार्यक्रम आयोजित कराया था।

यह उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे का क्षेत्र है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा शेलार को ही आदित्य के सामने प्रोजेक्ट कर रही है। इस कार्यक्रम में फडणवीस भी पहुंचे और दही हांडी फोड़ी। शिवसेना का गढ़ माने जाने वाले ठाणे में भी शिंदे कैंप के सदस्यों ने बड़े स्तर पर दही हांडी आयोजित की। मुंबई और ठाणे में शिवसेना के अधिकांश विधायक अब सीएम शिंदे के साथ हैं।

क्या बीएमसी पर है फोकस?

मानसून के बाद बीएमसी के 227 वार्डों में चुनाव हो सकते हैं। खास बात है कि तीन दशक से ज्यादा समय से निकाय पर शिवसेना का कब्जा है, लेकिन पार्टी में बगावत और राज्य की सत्ता में भाजपा की एंट्री के बाद समीकरण बदल सकते हैं। साल 2017 में भी भाजपा और शिवसेना साथ थे, लेकिन दोनों दलों ने अलग-अलग बीएमसी चुनाव लड़े थे। एक ओर जहां शिवसेना को 84 सीटें मिलीं। वहीं, भाजपा भी 82 सीटों पर जीती थी।

अन्य दलों का क्या

दही हांडी पूरे महाराष्ट्र में मनाया जाता है, लेकिन मुंबई में इसे लेकर अलग उत्साह होता है। शिवसेना ने भी यहां सक्रियता बढ़ाई और दही हांडी उत्सव के कई कार्यक्रमों में मौजूदगी दर्ज कराई। इधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बाद में अलर्ट हुई और नवी मुंबई में दही हांडी कार्यक्रमों में जुटी रही। खबर है कि भाजपा की नजरें 31 अगस्त से शुरू हो रहे 10 दिवसीय गणेश उत्सव पर हैं।

'अगर कांग्रेस गांधीवादी लड़ाई लड़े तो भाजपा बन जाएगी इतिहास', बोले संजय झा

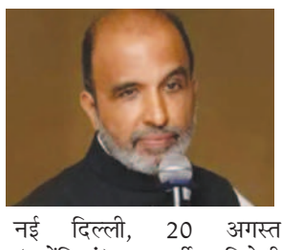

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए साल 2020 में कांग्रेस से निलंबित नेता संजय झा ने कहा है कि अगर कांग्रेस पार्टी गांधीवादी लड़ाई लड़ती है, तो भाजपा इतिहास बन जाएगी। उन्होंने यह ट्वीट इस संदर्भ में किया कि कैसे विपक्षी दलों के बीच कांग्रेस ने बिलकिस बानो बलात्कार के दोषियों की रिहाई के मामले को उठाया है। निलंबित कांग्रेसी नेता ने कहा कि यह एक कारण है कि वह निलंबन के बावजूद पार्टी की तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, शुक्रवार को कांग्रेस से निलंबित नेता संजय झा ने ट्वीट किया, लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं निलंबन के बावजूद इतनी जोरदार, मुखरता से कांग्रेस का बचाव क्यों करता हूं? एक बड़ा कारण है कांग्रेस का बिलकिस बानो मामले को उठाना। कांग्रेस महिला विरोधी भाजपा का मुकाबला करने के लिए खड़ी हुई है। यदि कांग्रेस गांधीवादी लड़ाई लड़ती है तो भाजपा इतिहास बन जाएगी।"

कांग्रेस बिलकिस बानो बलात्कार मामले के 11 दोषियों की रिहाई के विरोध में शुक्रवार को सड़कों पर उतरी, जिन्हें गुजरात सरकार की छूट नीति के तहत 15 अगस्त को गोधरा उप-जेल से बाहर निकलने की अनुमति दी गई थी। छूट नीति को तत्काल रद्द करने का आह्वान करते हुए कांग्रेस ने पूछा कि क्या पीएम मोदी ने गुजरात सरकार के फैसले को मंजूरी दी है। गौरतलब है कि बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप तब हुआ जब वह पांच महीने की गर्भवती थी और गोधरा हिंसा से अपनी जान बचाने के भाग रही थी, बानो का इस मामले में कहना है कि इस फैसले से उनका विश्वास हिल गया है।

'सरकार के दबाव में आकर आरबीआई ने बैंकों के निजीकरण की रिपोर्ट पर लिया यू टर्न'

कांग्रेस का केंद्र पर हमला

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आरबीआई की रिसर्च रिपोर्ट को लेकर एक बार फिर कांग्रेस ने बीजेपी की केंद्र सरकार घेर लिया है. इसी को लेकर आज यानी शनिवार को कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि रिसर्च रिपोर्ट में बैंकों के निजीकरण को लेकर आगाह किया गया लेकिन, कांग्रेस द्वारा मुद्दा उठाने के बाद सरकार के दबाव में आकर आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट से यू टर्न ले लिया. सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि आरबीआई का एक बुलेटिन आया और उसमें साफ तौर पर कहा गया कि यह जो सरकारी बैंकों का अंधाधुंध निजीकरण चल रहा है, उसके बहुत ज्यादा दुष्परिणाम होंगे. सरकार के दबाव के बाद आरबीआई ने एक एक प्रेस रिलीज भी जारी की, जिसमें उन्होंने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया.

देश में थोपी गई नोटबंदी - कांग्रेस

उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब आरबीई जैसी संस्था को सरकार का दबाव झेलना पड़ रहा है. इस दबाव का सबसे बड़ा दुष्परिणाम नोटबंदी के रूप में याद रखिएगा. उन्होंने कहा कि आरबीआई कभी नहीं चाहता था कि नोटबंदी हो लेकिन, उसके मना करने के बावजूद केंद्र सरकार ने इस देश पर नोटबंदी थोप दी.

सरकारी बैंक को लेकर सरकार पर वार

कांग्रेस ने आगे सवाल करते हुए कहा कि हम यह पूछना चाहते हैं कि आरबीआई पर दबाव क्यों बनाना पड़ा? क्यों बनना पड़ा? इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 27 सरकारी बैंक घटकर 12 हो चुके हैं और उसका परिणाम देश भुगतेगा. उन्होंने कहा कि सरकारी बैंक सिर्फ लाभ कमाने का जरिया नहीं. लाइन में खड़े अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधा पहुंचाने का काम सरकारी बैंकों ने किया है. खेतिहर मजदूर हो या किसान सबको ऋण पहुंचाने का काम सरकारी बैंकों ने किया है.

कांग्रेस की तीन बड़ी मांगें

बैंकों के निजीकरण पर सरकार श्वेत पत्र लाकर अपनी मंशा साफ करे
संस्थाओं पर दबाव बनाना बंद करे सरकार
अंधाधुंध निजीकरण के परिणाम पर विचार करे सरकार

पार्थ चटर्जी के करीबी को पकड़ने के लिए झारखंड होटल में आईटी की छापेमारी, नहीं लगा हाथ

हजारीबाग (झारखंड), 20 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के गिरफ्तार पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के एक करीबी के दौरे की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को आयकर विभाग की एक टीम ने हजारीबाग जिले के भंडारा पार्क में एक होटल में छापेमारी की। हालाँकि, वह व्यक्ति आईटी टीम के आने से कुछ घंटे पहले होटल से निकल गया था। अधिकारियों ने कहा कि एक अन्य मामले के सिलसिले में हजारीबाग में मौजूद आईटी टीम को कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय से सूचना मिली कि पार्थ चटर्जी का करीबी धन को ठिकाने लगाने के लिए भंडारा पार्क आया हुआ है। इसके बाद आईटी की टीम ने ईडी द्वार बताई जगह पर छापेमारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने कहा कि आयकर इकाई के कर्मियों ने भंडारा पार्क के सभी प्रवेश द्वारों को सील कर दिया।

राजनीतिक दलों को चुनावी वादों

आर्थिक प्रभाव का आकलन पेश करने के लिए कहा जाए : जनहित याचिका

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। लोगों को मुफ्त सौगात दिए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका के अनुसार राजनीतिक दलों को अपने चुनावी वादों या नीतियों के आर्थिक प्रभाव और लाभार्थियों की अपेक्षित संख्या के बारे में निर्वाचन आयोग को जानकारी देने के लिए निर्देश दिया जा सकता है. उच्चतम न्यायालय मुफ्त सौगातों के संबंध में चुनावों के दौरान की जाने वाली घोषणाओं के मुद्दे पर गौर करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने पर विचार कर रहा है. न्यायालय ने इस मुद्दे पर केंद्र, निर्वाचन आयोग, वित्त आयोग और नीति आयोग सहित सभी पक्षों से सुझाव मांगे हैं. जनहित याचिका पर 22 अगस्त को सुनवाई होगी. याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया और वकील अश्विनी दुबे के जरिए शुक्रवार को अतिरिक्त दलीलें पेश कीं और कहा कि पंजीकृत राजनीतिक दलों को मुफ्त या कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित चुनावी वादों से जुड़ी जानकारी निर्वाचन आयोग को पेश करने के लिए कहा जाना चाहिए. उपाध्याय ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि राजनीतिक दल लोगों के कल्याण के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा कर सकते हैं. हालांकि, यह आवश्यक है कि राजनीतिक दलों द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र में घोषित योजनाओं के वित्तीय प्रभाव की जानकारी मतदाताओं को होनी चाहिए. उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का भी जिक्र किया जिनमें निर्देश दिया गया है कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए एक फॉर्म को भरना होगा जिसमें उनके खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण होगा. याचिका में कहा गया है कि इस संबंध में निर्वाचन आयोग को जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था.

कांग्रेस नेता सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी

मामले में 16 गिरफ्तार, कल कार पर फेंके गए थे अंडे

बेंगलुरू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी लोगों को कोडागु जिले से गिरफ्तार किया गया है। कोडागु एसपी कैप्टन अयप्पा एमए ने बताया कि इन सभी को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में जांच जारी है।

सावरकर पर टिप्पणी के बाद मिली थी धमकी

वीर सावरकर पर टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बीच सिद्धारमैया ने दावा किया था कि

उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी देने के मामले पर कहा था कि हमने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। मैंने पुलिस महानिदेशक को भी फोन किया था और उनसे बात की थी। पुलिस मामले की जांच करेगी। मैंने विपक्षी दल के नेता के लिए उपयुक्त सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है।

कार पर फेंके गए थे अंडे

कर्नाटक में कोडागु दौरे के दौरान कांग्रेस नेता सिद्धारमैया की कार पर अंडे फेंके जाने और काले झंडे दिखाए गए थे। इसके बाद शुक्रवार को कांग्रेस नेता ने इस तरह के विरोध को राज्य प्रायोजित करार दिया था। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि उनकी कार पर अंडे फेंकने वाले लोग एक खास संगठन से संबंध रखते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे ऐसे संगठनों का महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे का संबंध था।

जींद में वृद्ध से मारपीट में बहू पर केस

जींद, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद जिले के गांव अलेवा में 103 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने उसकी पुत्र वधू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मारपीट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर अलेवा थाना पुलिस हरकत में आयी थी। अभी महिला की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में एक महिला वृद्ध पर ज्यादती करते हुए दिखाई दी। उसके साथ मारपीट कर रही है और गली में दुर्व्यवहार करते हुए एक तरह से घसीट कर ले जा रही है। वीडियो वायरल होने का मामला अलेवा थाना पुलिस के संज्ञान में भी आया। जिस पर अलेवा थाना पुलिस ने अपने क्षेत्र में जांच की तो यह वीडियो 103 वर्षीय गांव अलेवा निवासी सुरजन के घर का मिला।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में मदरसा समेत कई ठिकानों पर छापा

मॉड्यूल के सदस्य के खुलासे पर कार्रवाई

जम्मू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मदरसा समेत कई ठिकानों पर छापा मारा है। आतंकवाद के लिए हवाला राशि मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। एसआईए की टीम सुबह 6 बजे से कार्रवाई में जुटी है। बस स्टैंड पर दो दिन पहले पकड़े गए मॉड्यूल के सदस्य के खुलासे पर यह कार्रवाई की जा रही है। बस स्टैंड से पकड़ा गया व्यक्ति मदरसा संचालक का ड्राइवर बताया जा रहा है।

दिल्ली का कपड़ा कारोबारी सात लाख हवाला राशि के साथ पकड़ा

आपको बता दें कि जम्मू बस स्टैंड से गुरुवार को गिरफ्तार लश्कर सहयोगी अब्दुल हमीद को हवाला का पैसा देने वाले

आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। जम्मू और दिल्ली पुलिस ने मिलकर दिल्ली के नलबंधन टर्कमैन गेट स्थित रहने वाले मोहम्मद यासीन को दबोचा है। यासीन के कब्जे से सात लाख रुपये की हवाला राशि बरामद की गई है। यासीन कपड़ा व्यापारी है। दिल्ली के मीना बाजार में बैठ कर यासीन दुकान की आड़ में लश्कर के लिए हवाला का पैसा बाहर से लेकर जम्मू-कश्मीर में पहुंचाता था। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में आतंकी संगठनों लश्कर-ए-ताइबा (एलईटी) और अल-बद्र को फंडिंग करने वाले यासीन को गिरफ्तार किया है। 17 अगस्त को यासीन ने अब्दुल हमीद को 10 लाख रुपये दिए थे। यह पैसा पुंछ में रहने वाले एक व्यक्ति को दिया जाना था, लेकिन इसके पहले ही पुलिस ने हमीद को जम्मू के बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। हमीद ने पूछताछ के बाद यासीन का नाम बताया। शुक्रवार को दिल्ली और जम्मू पुलिस ने मिलकर यासीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के पास सूचना थी कि दिल्ली के मीना बाजार के आसपास टेरर फंडिंग की गतिविधियां चल रही हैं। इसके बाद पुलिस ने टीमों को तैनात कर यासीन को दबोच लिया। मीना बाजार में कपड़ों का व्यापारी यासीन टेरर फंडिंग नेटवर्क के लिए काम कर रहा था। वह विदेश से हवाला का पैसा लेकर अलग-अलग लोगों के जरिये जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए पहुंचाता था।

दक्षिण अफ्रीका के रास्ते सूरत और मुंबई आ रही हवाला राशि

पूछताछ में मोहम्मद यासीन ने खुलासा किया कि हवाला का पैसा दक्षिण अफ्रीका के रास्ते भारत के सूरत और मुंबई में भेजा जा रहा है। यासीन इस हवाला श्रृंखला को दिल्ली में चला रहा था। दिल्ली से यह रकम अलग-अलग कोरियर के जरिए जम्मू-कश्मीर में ट्रांसफर की जाती थी। यह राशि प्रतिबंधित आतंकी संगठनों लश्कर और अल-बद्र के गुर्गों को दी गई थी। हाल ही में मोहम्मद यासीन को दक्षिण अफ्रीका से हवाला के जरिये भेजे गए 24 लाख रुपये मिले। 24 लाख रुपये में से उसने दो अलग-अलग कोरियर के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गुर्गों को 17 लाख रुपये दिए।

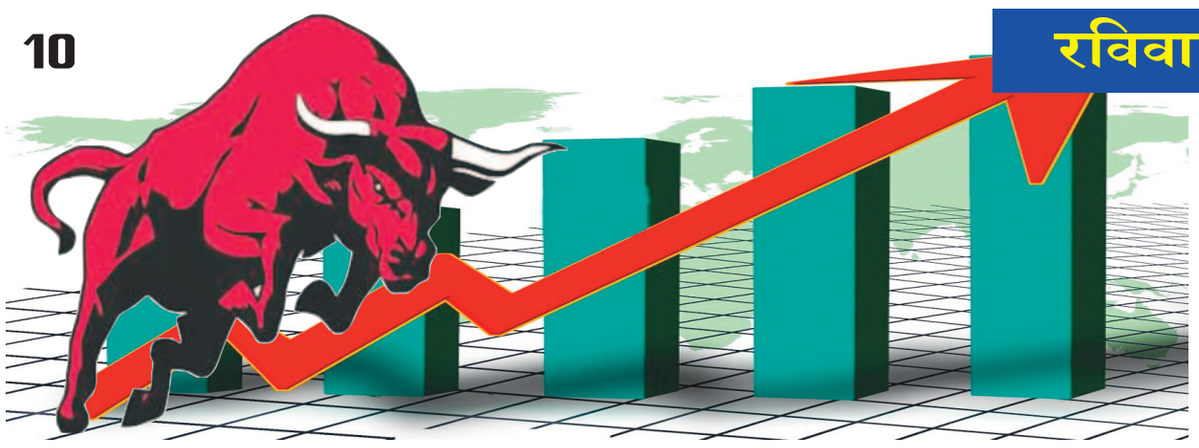

ब्लिंकइट के अधिग्रहण के बाद अब प्रिंट आउट की होम डिलीवरी, जोमैटो का नया प्लान?

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जोमैटो ने जैसे ही क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकइट का अधिग्रहण किया कंपनी के शेयर गोता लगाने लगे। बाजार के जानकार ब्लिंकइट को जोमैटो का खोटा सिक्का बताने लगे। अब धीरे-धीरे जोमैटो अपने इस खोटे सिक्के को चलाने की तैयारी में जुट गई है।बीते गुरुवार को ब्लिंकइट के हवाले से यह खबर आई कि वह उपभोक्ताओं को प्रिंटआउट की डिलीवरी घर पर उपलब्ध कराएगी। इस सर्विस की शुरूआत कंपनी सबसे पहले गुरुग्राम से कर रही है। ब्लिंकइट ने कहा है कि वह ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंट के लिए नौ रुपये प्रति पेज और कलर पेज के प्रिंट के लिए 19 रुपये प्रति पेज चार्ज वसूलेगी। इसके अलावे हर ऑर्डर पर ग्राहकों को 25 रुपये डिलिवरी चार्ज के रूप में भी देना होगा। ग्राहकों को घरों तक प्रिंट आउट उपलब्ध कराने की यह सेवा जोमैटो और ब्लिंकइट को कितनी रास आती है यह तो समय ही बताएगा पर इतना जरूर तय हो गया है कि जामैटो अब ब्लिंकइट के अधिग्रहण के बाद उससे नए-नए तरीकों से रेवेन्यू जेनरेट करने की मुहिम शुरू कर चुका है।

जीएसटी की मार:सालाना 20 लाख से ज्यादा कमाने वाले अतिथि विद्वान, कवियों पर 18% जीएसटी भी लगेगा

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अतिथि शिक्षक, अतिथि विद्वान और दूसरे कार्यक्रमों में आने वाले लाइफ स्टाइल गुरु और कवि, जो सालाना 20 लाख रु. से ज्यादा कमाते हैं, उन्हें अब इनकम टैक्स के अलावा 18% जीएसटी भी देना होगा। पहले जीएसटी नहीं लगता था। इसके अलावा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित पानी अब प्यूरीफाइड वॉटर की श्रेणी से बाहर रहेगा। इसपर 18% जीएसटी हटा लिया गया है। जीएसटी के केंद्रीय बोर्ड ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम ने एक ताजा स्पष्टीकरण में यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से बिल्डिंग निर्माण की लागत में कमी आएगी। क्योंकि, बिना मिरर पॉलिश वाले नेपा स्टोन पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर दिया है। बिना बैटरी के बेचे जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहन भी सस्ते होंगे। इन पर जीएसटी 28% से घटाकर केवल 5% कर दिया है। बैटरी के साथ बेचे जाने वाले वाहनों पर पहले भी 5% ही जीएसटी लग रहा था। अब भी इतना ही लगेगा। सरकार ने बैटरी और बिना बैटरी के साथ वाहन खरीदना खरीदार की मर्जी पर छोड़ दिया है। कंपनियों द्वारा कर्मचारियों क टूर के लिए एक बार किराए पर लिए वाहनों पर रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) के तहत लगने वाले 5% जीएसटी में छूट दी गई है। हालांकि कर्मचारियों को लाने और छोड़ने के लिए अनुबंधित किए जाने वाले अनुबंधित वाहनों पर पहले की तरह 5% जीएसटी लगता रहेगा। हालांकि अब नॉन एसी बसों को अनुबंधित करने पर कंपनियों को 5% जीएसटी देना होगा। टोल पर बिना फास्टैग वाले वाहन चालकों को राहत मिलेगी। फास्टैग का उपयोग न करने वाले वाहन चालकों को टोल टैक्स के अलावा भी पैसा देना पड़ता है। इस भुगतान पर 18% जीएसटी देना पड़ रहा था। अब सरकार ने यह टैक्स हटा लिया है।यदि किसी अतिथि विद्वान या कवि की आय 25 लाख रु. है तो उसे इनकम टैक्स और सेस के रूप में 5.07 लाख रु. देना पड़ते है, लेकिन अब उसे 18% जीएसटी के रूप में 90 हजार रुपए और देना होंगे। यानी कुल मिलाकर 5.97 लाख र. टैक्स के रूप में कट जाएगा।

रिलायंस के 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' की ओर से गुजरात के जामनगर में स्थापित किए जा रहे चिड़ियाघर के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने जनहित याचिका को खारिज करते हुए कहा कि 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' एक कानूनी और मान्यता प्राप्त चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर है। हमें इसमें विवाद की कोई वजह नजर नही आती। नाराजगी जाहिर करते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने बिना किसी ठोस वजह के और केवल कुछ न्यूज रिपोर्ट के आधार पर याचिका दाखिल कर दी है। याचिकाकर्ता अपने पक्ष में कोई पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। जनहित याचिका में रिलायंस के 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' पर भारत और विदेशों से जानवरों को लाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। साथ ही इस गैर-लाभकारी संगठन के संचालन और प्रबंधन की जांच के लिए एक एसआईटी की भी मांग कोर्ट के सामने रखी गई थी। जिसे कोर्ट ने पूरी तरह नकार दिया। कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' ने 'तेंदुआ बचाव केंद्र' और 'मगरमच्छ बचाव केंद्र' सहित अपने कामकाज के विभिन्न पहलुओं का व्यापक विवरण दिया। कोर्ट ने सेंटर में जानवरों की मदद के लिए उपलब्ध डॉक्टर्स, क्यूरेटर, जीवविज्ञानी, प्राणी विज्ञानी और अन्य विशेषज्ञों की उपलब्धता और उसके बुनियादी ढांचे को नोटिस किया और पाया कि संगठन को जानवरों के संचालन और हस्तांतरण के लिए दी गई अनुमति और उसकी सभी गतिविधियां कानूनी और अधिकृत हैं। कोर्ट ने कहा कि उसे 'ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' के खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में 'कोई तर्क या आधार' नहीं मिला है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जीजेडआरआरसी के कामकाज पर विवाद की कोई गुंजाइश नही है। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने भी कहा था कि कोर्ट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायता से ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं से संतुष्ट है।

अमीर देश कर रहे ईंधन की मनमानी खपत:फ्यूल की ज्यादा कीमत चुका रहे, गरीब देशों में फैल रही अशांति

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग लंबी खिंचती जा रहा है। इसकी कीमत सिर्फ ये दो देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लगभग सभी देश चुका रहे हैं। खासतौर पर उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की सरकारों को महंगाई से परेशान जनता को ईंधन मुहैया कराने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भारत भी इससे प्रभावित हुआ है। प्राकृतिक गैस का वितरण करने वाली कंपनी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड उपभोक्ताओं को पर्याप्त लिक्विड नेचुरल गैस उपलब्ध करा पाने में विफल रही है। उसे पेट्रोकेमिकल प्लांट और फर्टिलाइजर कंपनियों को आपूर्ति रोकने पर मजबूर होना पड़ा है। बीते दो वर्षों में एलएनजी की कीमतों में 1,300% इजाफा हो चुका है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद, यानी इस साल फरवरी से एलएनजी की कीमतें 150% बढ़ चुकी हैं। इसके बावजूद दुनिया के अमीर देश मनमाने तरीके से ईंधन की खपत कर रहे हैं। दूसरी तरफ गरीब देशों में जनता को ईंधन मुहैया करा पाना मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान में ब्लैकआउट की स्थिति बन रही है, बांग्लादेश में बिजली बचाने के लिए रात 8 बजे से बाजार बंद करना मजबूरी है। उधर मैक्सिको में जनता को बढ़ते बिजली बिल से राहत दिलाने के लिए सरकार को सब्सिडी बढ़ानी पड़ी है। एनर्जी ट्रेडर्स के अनुसार भारत और पाकिस्तान के लिए तय गैस की सप्लाई यूरोप जा रही है। यूरोप के देश ज्यादा कीमत देकर एलएनजी खरीद रहे हैं। नतीजतन, विकसित देशों का एनर्जी इम्पोर्ट बिल उनकी जीडीपी के 2-4% के बराबर है, लेकिन विकासशील देशों के लिए यह जीडीपी के 25% से भी ऊपर निकल गया है।

पेटीएम के शेयर की गिरावट पर एजीएम में उठे सवाल, सीईओ बोले- भाव पर दखल नहीं

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। बीते साल नवंबर में डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम की पैरेंट फर्म वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा है कि कंपनी, शेयर भाव पर किसी तरह का दखल नहीं रखती है। दरअसल, पेटीएम की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई, तब से कंपनी अपने आईपीओ वाले निवेशकों को मुनाफा नहीं दे सकी है। कंपनी के शेयर भाव में 70 फीसदी तक की गिरावट आ चुकी है और जिन निवेशकों ने आईपीओ पर दांव लगाया था, वो अब भी नुकसान झेल रहे हैं। एजीएम में उठे सवालः इन परिस्थितियों के बीच, पेटीएम की 22वीं वार्षिक आमसभा (एजीएम) बैठक में कंपनी के शेयर भाव को लेकर सवाल पूछे गए। शेयरधारकों ने प्रबंधन से पूछा कि शेयर कीमत को आईपीओ के समय के भाव के करीब पहुंचाने के लिए किस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। शर्मा ने शेयरधारकों के सवाल के जवाब में कहा कि प्रबंधन यह सुनिश्चित करने में लगा है कि कंपनी वृद्धि करे और बढ़ते कारोबार के लिए तगड़ा मुनाफा भी कमाए। शर्मा ने कहा, ''शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव पर हमारा कोई दखल नहीं होता है। इसके कई कारक होते हैं। इसमें कंपनी के लाभ में होने का पहलू काफी अहम होता है। इसके अलावा कंपनी की कारोबार वृद्धि की भूमिका भी अहम होती है। इसके साथ वृहद एवं सूक्ष्म आर्थिक स्थिति, अंतरराष्ट्रीय निवेशक और कई अन्य धारणाओं की भी शेयर कीमत तय करने में भूमिका होती है।''विजय शेखर शर्मा ने बताया

स्पाइसजेट के पायलट-इन-कमांड का लाइसेंस 6 महीने के लिए निलंबित, एक मई को हुआ था हादसा

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। स्पाइसजेट एयरलाइन की मुंबई-दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) विमान में एक मई को 13 यात्रियों को आई चोट के मामले में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कार्रवाई की है। डीजीसीए ने इस मामले में सह-पायलट के इनपुट को नजरअंदाज करने के दोषी पाए गए पायलट-इन-कमांड के लाइसेंस को 6 महीने के लिए निलंबित कर दिया है। बता दें कि एक मई को मुंबई से दुर्गापुर जा रहे बोइंग बी737 विमान को उतरते समय गंभीर वायुमंडलीय विक्षोभ का सामना करना पड़ा था जिसके परिणामस्वरूप कुछ यात्रियों को चोटें आई थीं। बता दें कि डीजीसीए इससे पहले विमान रखरखाव इंजीनियर और स्पाइसजेट के रखरखाव नियंत्रण केंद्र के प्रभारी को भी हटा दिया था। एक मई को स्पाइसजेट के विमान बोईंग बी737 ने मुंबई से पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्थित काजी नजरुल इस्लाम एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी। जब यह विमान लैंड करने वाला था तभी गंभीर वायुमंडलीय विक्षोभ में फंस गया। इस दौरान विमान को लगे झटके से केबिन में रखे सामान यात्रियों के ऊपर आ गिरे, जिससे यात्रियों को सिर में चोटें आईं। लैंडिंग के बाद घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि तीन केबिन क्रू सदस्य भी इसमें घायल हुए थे। इस पूरे मामले में विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने खेज जताया था। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा था कि एक मई को स्पाइसजेट का बोइंग बी737 विमान मुंबई से दुर्गापुर की उड़ान एसजी-945 संचालित करने के दौरान हवाईअड्डे पर उतर रहा था, तभी उसे समय गंभीर वायुमंडलीय विक्षोभ का सामना करना पड़ा, जिसके चलते दुर्भाग्यवश कुछ यात्रियों को चोटें आईं।

पहली तिमाही में कंपनियों की बिक्री 40% बढ़ी

विमानन, हॉस्पिटैलिटी, रिटेल और ज्वेलरी सेक्टर की शानदार परफॉरमेंस

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 की जोरदार शुरुआत की है। पहली तिमाही में इनकी बिक्री करीब 40% और मुनाफा 18% से ज्यादा बढ़ा है। विमानन (एविएशन), हॉस्पिटैलिटी, रिटेल और ज्वेलरी सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। अप्रैल-जून तिमाही के लिए अब तक 38 सेक्टरों की 2,598 कंपनियों के नतीजे आए हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर इनकी बिक्री 39.8% बढ़कर 26.22 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इससे पहले इन कंपनियों की बिक्री पर कोविड महामारी का गहरा असर देखा गया था।

मसलन, 2019 की जून तिमाही में जहां बिक्री 18.01 लाख करोड़ रुपए की थी, वहीं 2020 में घटकर 13.10 लाख करोड़ रुपए की रह गई थी। फिर 2021 में यह बढ़कर प्री-कोविड से ज्यादा 18.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी। बीती तिमाही 2,598 कंपनियों का कुल मुनाफा 18.4% बढ़कर 2.04 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 1.73 लाख करोड़ रुपए था। दिलचस्प है कि बीती तिमाही कुल मुनाफे में करीब 70% हिस्सेदारी सिर्फ बैंक, फाइनेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टरों की रही।

विश्लेषकों के मुताबिक, एफएमसीजी जैसे कुछ सेक्टरों के मुनाफे पर मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ने का असर देखा गया। बैंक ऑफ बड़ौदा की एनालिस्ट टीम के मुताबिक दूसरी और तीसरी तिमाही के नतीजे और बेहतर रह सकते हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में इसकी दो वजहें गिनाई हैं। पहली यह है कि इस दौरान त्योहारों का सीजन रहेगा, जब बिक्री अमूमन सामान्य से ज्यादा होती है। इसके अलावा यह खरीफ फसलों के उतरने का भी सीजन होगा, जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था थोड़ी मजबूत रहती है।

आईआरसीटीसी का नया रेवेन्यू प्लान:पैसेंजरों का डेटा बेचकर 1000 करोड़ रुपए कमाएगी, टेंडर भी जारी किया

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन अपने पैसेंजरों का डेटा बेचकर कमाई करने का प्लान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरसीटीसी को डिजिटल मोनेटाइजेशन से 1000 करोड़ रुपए की कमाई होगी। आईआरसीटीसी के इस प्लान के सामने आने के बाद इसके शेयर में करीब 4% की तेजी देखने को मिली। हालांकि, बीएसई पर आईआरसीटीसी का शेयर प्रीवियस क्लोज 714.15 के मुकाबले 2.08% की बढ़त के साथ 729.00 रुपए पर बंद हुआ। शेयर ने कारोबार के दौरान 751.85 रुपए का हाई बनाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय रेलवे की ऑनलाइन टिकट बुकिंग ब्रांच डिजिटल मोनेटाइजेशन के जरिए 1000 करोड़ रुपए का रेवेन्यू बढ़ाने का प्लान बना रही है। कंपनी का कहना है कि आईआरसीटीसी में बड़ी संख्या में डिजिटल डेटा है, जो इसके लिए मोनेटाइजेशन के कई अवसर खोलता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेंडर के तहत नियमों के अंतर्गत कंपनी की वेबसाइट के यूजर्स की पर्सनल जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं की जाएंगी। आईआरसीटीसी ने अपने इस प्लान के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। अब इस टेंडर को लेकर यूजर्स के मन में प्राइवेसी और सेफ्टी से जुड़े कई सवाल उठाए जा रहे हैं। आईआरसीटीसी के इस प्लान को लेकर इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन ने जानकारी शेयर की है। इस टेंडर में बताया गया है कि आईआरसीटीसी एक कंसलटेंट अपॉइंट करेगी। यह कंसलटेंट उन्हें यूजर्स के डेटा को मोनेटाइज करने के तरीकों पर सुझाव देगा। आईआरसीटीसी ने टेंडर में कहा है कि यूरोपीय जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन और पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2018 जैसे नियमों का गहन एनालिसिस कंसलटेंट करेंगे, ताकि यह तय हो सके कि मॉनेटाइजेशन का प्रस्ताव सही दिशा में और सुप्रीम कोर्ट के डेटा प्राइवेसी को लेकर दी गई गाइडलाइंस के मुताबिक हो।

कंगाली की कगार पर सिनेवर्ल्ड हो सकती है दिवालिया, खबर भर से 82% टूटा शेयर

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। दुनियाभर की अर्थव्यवस्था चरमरा सी गई है और मंदी का साया मंडरा रहा है। इस बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिनेमा ऑपरेटर सिनेवर्ल्ड अमेरिका में दिवालियापन के लिए आवेदन करने की योजना बना रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने अमेरिका और ब्रिटेन में बैंकरप्सी प्रोसेस पर सलाह देने के लिए किर्कलैंड और एलिस एलएलपी के वकीलों और एलिक्सपार्टर्स के सलाहकारों को नियुक्त किया है। इस खबर के आते ही शुक्रवार को सिनेवर्ल्ड ग्रुप की कंपनी पीएलसी के शेयरों में 82% तक की गिरावट देखी गई। सिनेवर्ल्ड ने अपने एक रिपोर्ट में कहा कि वह अपने कर्ज के बोझ को कम करने के लिए पुनर्गठन पर विचार कर रहा है। दरअसल, दुनियाभर में कोरोना महामारी के चलते थिएटर बंद रहने के चलते कंपनियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं कोविड -19 और लॉकडाउन के बाद भी बॉक्स-ऑफिस पर कुछ खास रिकवरी नहीं है। अभी भी ग्राहक थिएटर जाकर मूवी देखना पसंद नहीं कर रहे हैं इसका असर थिएटर चेन पर पड़ रहा है। कंपनी की मानें तो वह विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय चर्चा कर रही है। अतिरिक्त लिक्विडिटी और संभावित रूप से अपनी बैलेंस शीट का पुनर्गठन करने के लिए विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है।

आयातित सामान पर मूल नियमों के टकराव में लागू होगा एफटीए प्रावधान

माल की डंपिंग रोकने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि राजस्व विभाग और आयातक के बीच टकराव के मामले में मूल देश के संबंध में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में दी गई विशेष छूट अवश्य लागू होगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मुख्य आयुक्त को दिए निर्देश में कहा है कि सीमा शुल्क के अधिकारियों को आवेदन देने में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। साथ ही संबंधित व्यापार समझौते के प्रावधानों या इसके मूल नियमों के प्रावधानों पर अमल करते रहना चाहिए। सीमा शुल्क के संबंध में 21 अगस्त, 2020 को अधिसूचना जारी की गई थी। 21 सितंबर, 2020 से अमल में लाया गया था। नियमों के तहत सीमा शुल्क अधिकारी को ऐसा लगता है कि उत्पादक देश के निर्धारित मापदंड को पूरा नहीं किया गया है तो वह आयातक से कारोबार समझौते के तहत और जानकारी मांग सकते हैं। जानकारी नहीं मिलने पर अधिकारी आगे सत्यापन कर सकते हैं।

माल की डंपिंग रोकने में मिलेगी मदद

इस प्रावधान के तहत किसी देश ने भारत के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किया है तो वह किसी तीसरे देश से माल को भारतीय बाजार में केवल एक लेबल लगाकर नहीं भेज सकता है। उसे भारत को निर्यात करने के लिए उस उत्पाद में एक निर्धारित मूल्यवर्धन करना होगा। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और आसियान देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौता किया है।

आयातकों की चिंताओं को दूर करेगा

अर्नेस्ट एंड यंग के भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि यह निर्देश काफी हद तक आयातकों की चिंताओं को दूर करेगा। खासकर वहां, जहां भी एफटीए आधारित छूट का लाभ उठाया जा रहा है। वर्तमान में नियमों के लिए आंकड़ों और तथ्यों को व्यापक रूप से पेश करने की आवश्यकता होती है।

मोबाइल डिस्प्ले असेंबली के आयात पर लगेगा 15 फीसदी सीमा शुल्क

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि स्पीकर और सिम ट्रे जैसे कलपुर्जों के साथ आने वाली मोबाइल फोन डिस्प्ले असेंबली के आयात पर 15 फीसदी की दर से ही बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) लगेगा। सीबीआईसी ने कहा, डिस्प्ले असेंबली के आयात में गलत जानकारियां देने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसे दूर करने को बीसीडी में बदलाव किया गया है। फिलहाल मोबाइल डिस्प्ले असेंबली इकाई के आयात पर 10% सीमा शुल्क लगता है। लेकिन डिस्प्ले असेंबली में इस्तेमाल अलग-अलग उपकरणों के आयात पर शुल्क नहीं लगता है। मोबाइल फोन की डिस्प्ले इकाई में टच पैनल, कवर ग्लास, एलईडी बैकलाइट जैसे कलपुर्जे शामिल होते हैं। हालांकि, अगर एक मोबाइल फोन की डिस्प्ले इकाई सिर्फ धातु या प्लास्टिक से बने बैक सपोर्ट फ्रेम के साथ आयात होती है तो उस पर 10 फीसदी ही कर लगेगा।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका:22 अगस्त से इसमें लगा सकेंगे पैसा

1 ग्राम सोने के लिए चुकाने होंगे 5,147 रुपए

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2022-23 की दूसरी सीरीज सोमवार यानी 22 अगस्त से खुल रही है। इसमें 26 अगस्त तक निवेश का मौका मिलेगा। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 5,197 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 1 ग्राम सोने के लिए 5,147 रुपए देने होंगे।सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। इसमें अगर आप 5,147 रुपए प्रति ग्राम के हिसाब से 10 ग्राम में निवेश करते हैं तो आपको 51,470 रुपए चुकाने होंगे। वहीं अगर अभी सर्राफा बाजार में सोने की बात करें तो ये 51,802 प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है। यानी बाजार के मुकाबले आपको सस्ते में सोने में निवेश का मौका मिल रहा है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने में आपके खाते में पहुंच जाता है। हालांकि, इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है। सॉवरेन 8 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80% टैक्स लगता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड , मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।2015-16 में जब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को लॉन्च किया गया था, तब इसका प्रति ग्राम भाव 2,684 रुपए था। इस पर 50 रुपए का डिस्काउंट था। यानी, भाव 2,634 रुपए हो गया था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की अभी जो सीरीज लॉन्च हुई है, उसका भाव 5,197 रुपए है।

50 रुपए डिस्काउंट के साथ यह भाव अब 5,147 रुपए पर पहुंच गया है। इस तरह से पिछले 6 सालों में इस स्कीम से 92% का रिटर्न मिला है।

अहमद पटेल के बेटे का गहलोत के ओएसडी पर निशाना

लिखा- राजस्थान में अल्पसंख्यकों के काम नहीं हो रहे, जवाब भी नहीं देते

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। गांधी परिवार के सबसे नजदीकी और कांग्रेस के सबसे पावरफुल नेता रहे दिवंगत अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल अब कांग्रेस में अनदेखी से नाराज हैं। फैसल पटेल ने अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी शशिकांत शर्मा के फोन नहीं उठाने और जवाब नहीं देने पर नाराजगी जताई है। फैसल ने शनिवार सुबह 4 बजकर 57 मिनट पर ट्वीट कर गहलोत के ओएसडी को निशाने पर लिया। इस ट्वीट से सियासी हलकों में चर्चा शुरू हो गई। पांच घंटे बाद सुबह 10 बजे ट्वीट को डिलीट कर दिया। फैसल पटेल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को टैग करते हुए ट्वीट किया- शशिकांत शर्मा, तुम कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते? अल्पसंख्यक पृष्ठभूमि के गरीब लोग मुझसे संपर्क करते हैं। मुझसे राजस्थान में साधारण काम के लिए मदद मांगते हैं। मेरे दिवंगत पिता अहमद पटेल के बाद वे मुझसे उनकी समस्याओं का समाधान करने की उम्मीद करते हैं।

अहमद पटेल गांधी परिवार के नजदीकी होने के साथ सीएम अशोक गहलोत के नजदीकी और वेलविशर माने जाते थे, फैसल पटेल की इस नाराजगी की चर्चा इसलिए ज्यादा है। वेलविशर रहे नेता के बेटे का इस तरह सार्वजनिक रूप से ट्वीट कर गहलोत के ओएसडी पर निशाना साधने के गहरे मायने हैं। इसे सुनवाई नहीं होने से जोड़कर देखा जा रहा है।

कई नेता सुनवाई नहीं करने का मुद्दा उठा चुके

सरकार में सुनवाई नहीं होने और सत्ता के नजदीकी अफसरों के बर्ताव को लेकर कांग्रेस की बैठकों में भी कई नेता सवाल उठा चुके हैं।

अब अहमद पटेल के बेटे ने सीएम के ओएसडी पर जवाब नहीं देने का आरोप लगाकर फिर से बहस छेड़ दी है। फैसल ने गरीब अल्पसंख्यकों के साधारण काम तक नहीं होने का भी मुद्दा उठाया है। अल्पसंख्यकों के काम नहीं होने पर बसपा मूल के विधायक वाजिब अली भी नाराजगी जता चुके हैं।

कांग्रेस लीडरशिप के रुख को लेकर नाराजगी जता चुके

फैसल पटेल इससे पहले कांग्रेस हाईकमान की बेरुखी को लेकर भी नाराजगी जता चुके हैं। पटेल ने इसी साल अप्रैल में कहा था कि इंतजार करते-करते थक गया हूं। गुजरात में इसी साल विधानसभा चुनाव है, ऐसे में कांग्रेस के दिग्गज नेता के परिवार की नाराजगी सियासी पर्सेप्शन के हिसाब से मायने रखती है।

फैसल पटेल का ट्वीट सियासी नरेटिव के हिसाब से अहम

फैसल पटेल के ट्वीट के बाद सियासी हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। पांच घंटे के भीतर ट्वीट को डिलीट करने के पीछे डैमेज कंट्रोल को बताया जा रहा है। फैसल पटेल कांग्रेस में किसी पद पर नहीं है, लेकिन उनका गहलोत के ओएसडी पर राजस्थान में गरीब अल्पसंख्यकों के साधारण कामों पर भी जवाब नहीं देने का सार्वजनिक रूप से आरोप लगाना सियासी नरेटिव के हिसाब से अहम माना जा रहा है।

जयपुर के प्रदर्शन में बिखरी दिखी भाजपा

गहलोत सरकार के खिलाफ हुए प्रदर्शन से वसुंधरा समर्थक रहे हुए दूर, कई गुटों में दिखे नेता-कार्यकर्ता

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य में बिगड़ी कानून व्यवस्था और महिला अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर उतरी भाजपा टूटी-टूटी नजर आई। प्रदर्शन के नाम पर एकजुट हुए भाजपा के सैंकड़ों नेता अपने-अपने कार्यकर्ताओं-समर्थकों के साथ अलग-अलग गुट में नजर आए। तो वहीं प्रदर्शन में वसुंधरा राजे समर्थक विधायक और नेता नदारद रहे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के खिलाफ भाजपा का ये प्रदर्शन आज जयपुर में शहीद स्मारक से शुरू होकर सिविल लाइन्स फाटक पर आकर खत्म हुआ।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर ये प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां से सैंकड़ों भाजपा नेता और कार्यकर्ता रैली निकालते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंचे। गर्वमेंट हॉस्टल चौराहा, सरदार पटेल मार्ग, चौमू हाउस सर्किल, राजमहल चौराहे होते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंची इस रैली में पूनिया संग नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद रामचरण बोहरा, अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, करौली-धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। यहां पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई, लेकिन आधे घंटे तक चले इस प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पूनिया समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने 4 बसों में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले गए और वहां से छोड़ दिया।

वसुंधरा समर्थक विधायकों ने बनाई दूरी

इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खेमे के माने जाने वाले कई नेताओं ने खुद को दूर रखा। इसमें कई मौजूद और पूर्व विधायक व पदाधिकारी थे। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी, पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत, मोहनलाल गुप्ता, कैलाश वर्मा, लक्ष्मी नारायण बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी समेत कई नेता इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

सिविल लाइन्स फाटक से करीब 100 मीटर दूरी पर पुलिस ने 2 लेयर सिक्योरिटी कर रखी थी। लेकिन कार्यकर्ताओं की भीड़ और भगदड़ के चलते पुलिस के जवान पहली लेयर की सिक्योरिटी से कार्यकर्ताओं को रोकने में फेल हो गए। यहां कार्यकर्ताओं ने बेरिकेट्स को हटाकर आगे बढ़ गए। इसके बाद फाटक से 20 मीटर दूर दूसरे लेयर की बेरिटकेटिंग पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच मामूली झड़प हो गई। लेकिन अबकी बार पुलिस ने कार्यकर्ताओं को यहां से आगे नहीं बढ़ने दिया। यहां करीब आधा घंटे तक कार्यकर्ता और पदाधिकारी नारेबाजी करते रहे, जिसके बाद पुलिस ने करीब 200 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

सीए ने चौथी मंजिल से कूदकर किया सुसाइड

सुसाइड नोट में लिखा- बेहतर बनने में पूरी लाइफ खराब हो गई

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में चौथी मंजिल से छलांग लगाकर चार्टर्ड अकाउंटेंट ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार सुबह उसकी लाश अपार्टमेंट के पीछे पड़ी मिली। मुहाना थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। अब मृतक के पास मिला सुसाइड नोट सामने आया है। उसमें मरने का कारण लिखा है। इसके बाद शुक्रवार देर रात पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक ने सुसाइड नोट में लिखा- बेहतर बनने में पूरी लाइफ खराब हो गई। एसएचओ लखन खटाना ने बताया कि अबरना ज्वैलर्स अपार्टमेंट मुहाना मंडी निवासी रक्षित खण्डेलवाल उर्फ काना (25) ने सुसाइड किया है। अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैट में रक्षित अपने पापा रमाकांत, मम्मी अंजू और भाई आर्यन के साथ रहता था। कारोनो काल में घाटा होने पर पिता रमाकांत का कपड़ा शोरूम बंद हो गया। जिसके बाद से ही चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) रक्षित परिवार को संभाल रहा था। गुरुवार सुबह करीब 4 बजे रक्षित उसने अपने कमरे के पीछे बालकॉनी में गया। बालकॉनी में लगे जाल को काटकर सुसाइड के लिए छलांग लगा दी। नीचे गिरते ही उसकी मौत हो गई। रोज की तरह सुबह 4 बजे रक्षित के कमरे में पिता रमाकांत गए। रक्षित कमरे में नहीं था। बालकॉनी में लगा जाल भी कटा हुआ मिला। नीचे झांककर देखने पर रक्षित का शव पड़ा दिखाई दिया। लाश देखकर परिजनों के शोर-शराब से आसपड़ोसी इकट्ठा हो गए। मुहाना थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। एम्बुलेंस की मदद से पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिजवाया गया।

बेरोजगारी के कारण 11 महीने के बेटे को मार डाला

भीख तक मांगी, पेट पालने के पैसे नहीं थे तो बच्चा नहर में फेंका

जालोर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी से परेशान पिता ने अपने 11 महीने के बेटे को नर्मदा नहर में फेंककर मार डाला। आरोपी ने 2 साल पहले लव मैरिज की थी। कोई काम नहीं होने के कारण घर खर्च नहीं चला पा रहा था। ऐसे में उसने बच्चे को मारने का प्लान बनाया और दादा-दादी के पास छोड़ने के बहाने पत्नी-बच्चे को लेकर गुजरात से राजस्थान आ गया।

घटना जालोर के सांचौर की है। करीब 24 घंटे बाद मासूम का शव मिला। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकेश (24) बनासकांठा के वाव थाना क्षेत्र के नलोधर गांव का रहने वाला है। सांचोर थाने के एएसआई राजू सिंह ने बताया कि अपने 11 महीने के बेटे के मर्डर से पहले गुरुवार को मुकेश ने सिद्धेश्वर (सांचौर) गांव में रामदेवरा यात्रियों के लिए लगाए गए राम रसोड़े में खाना खाया। फिर पत्नी से कहा, 'हमारी लव मैरिज के चलते घरवाले नाराज हैं, इसलिए मैं अकेले जाकर बच्चे को उसके दादा-दादी के पास छोड़ आता हूं।' पुलिस के मुताबिक उसने पत्नी को वहीं पर रोका और 200 मीटर दूर जाकर बेटे को नहर में फेंक दिया। वापस आकर उसने पत्नी को बताया कि बच्चे को घर के बाहर छोड़कर आया हूं। घरवालों को फोन करके बता दूंगा। मुकेश ने पुलिस को बताया कि करीब 2 साल पहले उसने बिहार के मुजफ्फरपुर की लड़की से लव मैरिज की थी। वह शादी के बाद पत्नी के साथ अहमदाबाद में रह रहा था। वहां पर वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। करीब 7 महीने पहले उसकी नौकरी छूट गई। उसने परिवार चलाने के लिए भीख तक मांगी। पर कोई फायदा नहीं हुआ। आर्थिक तंगी से परेशान होकर उसने पूरे परिवार के साथ कांकरिया (अहमदाबाद) तालाब में कूदकर सुसाइड करने का प्लान बनाया था, लेकिन वहां लोगों की आवाजाही होने से तब वह ऐसा नहीं कर पाया।

आज से जमकर बरसेंगे बदरा, उदयपुर, जयपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में रविवार से तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। जयपुर समेत 15 से अधिक जिलों में रविवार से तेज बारिश होगी। वहीं कई जिले में हल्की बारिश दर्ज होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को भरतपुर, धौलपुर, दौसा, करौली समेत आसपास के क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। कहीं-कहीं पर मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

इसके साथ ही कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग के अधिकतर भागों में बारिश और कहीं-कहीं भारी से

लेकर अति भारी बारिश का अलर्ट जताया गया है। बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश के तट पर गहरा कम दबाव का क्षेत्र बनने से यह पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। इस तंत्र के असर से रविवार से पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर संभाग के साथ ही उदयपुर, जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग के अधिकतर भागों में बारिश में बादल मेहरबान रहेंगे। इसके साथ ही कहीं-कहीं भारी से लेकर अति भारी बारिश होने की संभावना है। सोमवार से तेज बारिश होने के पूरे आसार रहेंगे। प्रदेश में अधिकतम तापमान की बात की जाए तो अजमेर में 30.9, भीलवाड़ा में 31.2, वनस्थली में 31.9, अलवर में 33.5, जयपुर में 33.2, पिलानी में 35.1, सीकर में 32, कोटा में 32.5, बूंदी में 32.5, चित्तौड़गढ़ में 31.6, डबोक में 29.2, बाड़मेर में 31.4, पाली में 31.8, जैसलमेर में 31, जोधपुर में 31.6, फलौदी में 33.2, बीकानेर में 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अमेजन पर कोटा में केस दर्ज, भगवान की अपमानजनक तस्वीर ऑनलाइन बेचने पर भड़के हिंदू संगठन

कोटा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन के खिलाफ कोटा के हिंदू संगठनों में गुस्सा भड़क उठा है। लोगों ने अमेजन पर हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने का आरोप लगाया है। गुस्साए लोगों ने अमेजन के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का केस दर्ज करवाया है।

बजरंग दल सह प्रांत संयोजक योगेश रेनवाल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने शिकायत दी। जिसमें उन्होंने बताया कि अमेजन पर भगवान श्रीकृष्ण, राधा की आपत्तिजनक तस्वीरें बिक रही है। शिकायत में सोशल साइट के ऑनलाइन लिंक भी पुलिस को दिए गए हैं।

गहलोत के बयान पर शेखावत का तंज

बोले-राहुल गांधी अध्यक्ष बने तो अधिकतर लोग कांग्रेस छोड़ देंगे

अलवर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा पर विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की जगह दूसरा कोई अध्यक्ष बना तो कई लोग पार्टी में नहीं रहेंगे। उनके इस बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत ने तंज कसा है।

गजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार को अलवर के कंपनी बाग में आयोजित दही हांडी उत्सव कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया तो और ज्यादा संख्या में लोग पार्टी छोड़कर भाग जाएंगे।

कोई व्यक्ति नहीं तय करता, उसे क्या करना है

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अंदर कोई भी व्यक्ति ये तय नहीं करता कि उसे क्या बनना है,

कार्यकर्ताओं को जो दायित्व दिया जाता है, उसे समर्पण भाव से किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह 1992 में छात्र संघ अध्यक्ष बने थे, तब से अब तक संगठन ने जो दायित्व दिया, वो कार्य किया। जो छात्र नेता छात्र संघ चुनाव लड़ते हैं, वह प्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक में जगह तलाशते हैं। भाजपा में परिवार भाव से काम किया जाता है। जो दायित्व मिलता है वही दायित्व का निर्वहन किया जाता है।

ईआरसीपी पर गहलोत सरकार को घेरा

जलशक्ति मंत्री ने 13 जिलों की ईआरसीपी की घोषणा के सवाल पर कहा कि राजस्थान सरकार इसे गलत तरीके से पेश कर रही है। देश में स्थापित नियम और जितनी भी राष्ट्रीय परियोजनाएं होती हैं, उन के अनुसार 75 फीसदी निर्भरता पर प्रोजेक्ट बनाए जाते हैं लेकिन सरकार ने 50 फीसदी निर्भरता पर प्रोजेक्ट बनाए हैं। तत्कालीन वसुंधरा सरकार में भी सीडब्ल्यूसी ने पत्र लिखा था। अब राजस्थान सरकार 50 फीसदी निर्भरता पर प्रोजेक्ट के लिए क्यों जिद पर अड़ी हुई है। यह वही बता सकती है। उन्होंने राजस्थान सरकार पर आरोप लगाया कि वह मध्यप्रदेश से भी एनओसी नहीं लाए इससे ऐसा प्रतीत होता है कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार काम करने की मंशा नहीं रखती बल्कि काम अटका ने की मंशा रखती है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार उस प्रोजेक्ट को वापस भेजें तो निश्चित रूप से केंद्र सरकार तुरंत प्रभाव से उससे भी अच्छा दर्जा देगी।

बोरवेल में गिरे बच्चे को आधे घंटे में निकालेगा रोबोट

महज आठवीं पास ने किए 13 रोचक आविष्कार

सीकर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर के महज आठवीं पास गणपत सिंह ने 13 ऐसे आविष्कार किए हैं कि हर कोई उनकी प्रतिभा का कायल हो गया है। उनके आविष्कारों में एक ऐसा रोबोट भी है, जो बोरवेल में गिरे बच्चों को आधे घंटे में सकुशल वापस निकाल सकता है। गणपत सिंह अपने आविष्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपने के लिए 11 अगस्त को जोधपुर से पैदल ही दिल्ली के लिए निकल चुके हैं। ऐसे में जगह-जगह इस ग्रामीण वैज्ञानिक का स्वागत कर उनका मनोबल बढ़ाया जा जा रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इंडिया के तहत नए इनोवेशन पर जोर दिया था। इसीसे प्रभावित होकर जोधपुर जिले के रोडे जी की ढाणी, कोलू पाबूजी के ग्रामीण युवा ने घर के कबाड़ से कई रोचक आविष्कार कर डाले। 11 अगस्त को अपने गांव से पैदल रवाना होकर यह युवा वैज्ञानिक अपने दल के साथ 650 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर निकल पड़ा।

सीएम गहलोत बोले- 1.37 करोड़ आबादी को फ्री में मोबाइल देंगे

3 साल के फ्री इंटरनेट के साथ

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मोबाइल फोन 1.37 करोड़ आबादी को देंगे 3 साल के फ्री इंटरनेट के साथ। सीएम ने कहा कि विकसित देशों के साथ जो अंतर है वह कम हो। यह चाहते हैं इसके लिए मेहनत करनी होगी।राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मोबाइल फोन 1.37 करोड़ आबादी को देंगे 3 साल के फ्री इंटरनेट के साथ। सीएम ने कहा कि विकसित देशों के साथ जो अंतर है वह कम हो। यह चाहते हैं इसके लिए मेहनत करनी होगी। एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा मैं आरोप नहीं लगा रहा। आग्रह कर रहा कि जहां

शांति होती है वहीं विकास होगा। दूरियां बढ़ गईं हैं धर्म के नाम पर। शांति सद्भाव का नेचर रहा देश का। 13 जिलों की योजना पिछली सरकार की है योजना। हमने बंद नहीं की। समयबद्ध रूप से यह पूरी हो। इसके लिए इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करें। 5-7 साल में यह पूरी हो सकती है। नीति आयोग बैठक में पीएम को कहा था ध्यान देने को इस पर। नेटबंदी में मुझे भी परेशानी होती है, लेकिन सिलेक्टिव कैसे हो। इस सुझाव पर आगे बढ़ेंगे। जिससे अन्य सेवाओं को दिक्कत न हो। सीएम ने कहा कि कई बार परिस्थितियों को देखकर निर्णय लेने पड़ते हैं। सीएम गहलोत ने आज राजधानी जयपुर में राजीव गांधी सेंटर ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी का उद्घाटन कार्यक्रम में मीडिया के सवालों पर यह बात कही। सीएम ने कहा कि सरकारी योजनाओं के पोर्टल बने। तकनीक के माध्यम से ही कोरोनाकाल में 35 लाख ढूंढ़ लिए। किसी को भूखा नहीं सोने दिया। कोरोना में डिबिटी के जरिए लोगों को लाभान्वित किया। राजस्थान में मानव संसाधन का विकास होगा। रोजगार बढ़ेगा।कंपनियों को राजस्थान में असुविधा नहीं होगी। बड़ी कंपनियों के साथ संवाद होगा। सीएम ने कहा कि पूर्व पीएम राजीव गांधी का जो विजन था। 21 वीं सदी में भारत सूचना तकनीक के क्षेत्र अग्रणी देशों में शुमार हो। जोधपुर में फिंटेक कंपनी बन रही है। राजीव गांधी का जो विजन था। उसके अनुसार उद्योगों को युवाओं,महिलाओं को सेवा और लाभ मिलेगा। सीएम ने कहा कि राजस्थान आईटी में भारत के लिए केंद्रबिंदु बनेगा।

गोमांस बेच रहे तस्करों से भिड़ गया मुस्लिम युवक

आरोपियों ने मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

टोंक, 20 अगस्त (एजेंसियां)। टोंक के निवाई के एक गांव में गोमांस बेचने से मना करने पर एक मुस्लिम युवक को तस्करों ने पीटा। आरोपियों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं गोमांस कटने की सूचना पर मौके पर सैंकड़ों ग्रामीण जुट गए और प्रदर्शन करने लगे।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार घासी की ढाणी ललवाडी निवासी इस्लाम पुत्र ईमाम बक्श ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। जिसमें उसने बताया कि गुरुवार को वह एजाज उर्फ लाला पुत्र मुंशी बंजारा के घर गया था। वहां तीन-चार

लोग गोमांस बेच रहे थे। जिसपर उसने उनका विरोध जताया। युवक ने तस्करों से कहा कि वे गोमांस न बेचे। उसके बाद युवक इस्लाम ने आरोप लगाया कि शनिवार की सुबह छह बजे वह घर से मस्जिद नमाज अदा करने जा रहा था। इसी चार-पांच लोगों ने उसे रोककर मारपीट की। मारपीट करने वालों ने जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं गाय कटने की सूचना पर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, अरनिया मंडल अध्यक्ष हनुमान चौधरी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता, हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और ग्रामीण मौके पर हंगामा करने लगे और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घासी की ढाणी में कुछ घरों में तलाशी ली। इस दौरान तलाशी में चार बंदूकें, तलवार, छर्रे और कुल्हाड़ी बरामद किए गए। वहीं ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस बल बुलाया गया।

गहलोत कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट

वेणुगोपाल-माकन की 22 अगस्त को कांग्रेस विधायकों संग मीटिंग

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में गहलोत कैबिनेट में एक बार फिर फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। 22 अगस्त को जयपुर में कांग्रेस की अहम बैठक प्रस्तावित है। मीटिंग में शामिल होने के लिए संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन जयपुर पहुंच रहे हैं। हालांकि, मीटिंग का एजेंडा अभी सामने नहीं आया है। पार्टी के दोनों वरिष्ठ नेता 22 अगस्त को 11 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों, विधायकों, निवर्तमान जिला अध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ

बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि प्रदेश समेत देश के कई अहम मसलों पर विचार विमर्श होगा। कयास यह भी लगाए जा रहे है कि राजस्थान से फिर एक बार पार्टी की ओर से राहुल गांधी की ताजपोशी का प्रस्ताव एआईसीसी को भेजा जाए। प्रमुख नेताओं का राजस्थान दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राजस्थान में एक बार फिर मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर सुगबुगाहट चल रही है। कुछ राजनीतिक नियुक्तियां भी अभी बची हुई हैं। ऐसे में जब संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन राजस्थान दौरे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ बैठक करेंगे। मीटिंग में मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावनाओं को लेकर भी इसमें चर्चा होगी। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के अंत में होने हैं।

व्रतों के पालन से कर्मों की निर्जरा होती है : साध्वी श्री त्रिशला कुमारी

तेयुप द्वारा बारह व्रत कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी आदि ठाणा-5 के सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद द्वारा बारह वृत कार्यशाला का आयोजन आज यहां तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तेयुप की भिक्षु प्रज्ञा मण्डली ने सुमधुर गीत के संगान के साथ किया। तेयुप अध्यक्ष विरेन्द्र घोषल ने पधारे हुए सभी श्रावक श्राविकाओं का बारह व्रत कार्यशाला में स्वागत किया। सभी से बारह व्रत समझने व धारण करने का निवेदन किया। साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में बारह व्रतो के बारे में फरमाया कि भगवान महावीर ने श्रावको के लिए बारह व्रत बनाए और आचार्य श्री तुलसी ने इन व्रतों को श्रावक समाज को समझाया। आगार धर्म का मतलब है बारह व्रत को स्वीकार करना। इन बारह व्रतों में पांच अणुव्रत, तीन गुण व्रत और चार शिक्षा व्रत है। साध्वी श्री जी ने 12 व्रतों के बारे में बहुत बारीकी से श्रावक-श्राविकाओं को बताते हुए कहा कि व्रतों के पालन से कर्मो की निर्जरा होती हैं। सभी को हिंसा, असत्य बोलना, चोरी, परिग्रह से बचना चाहिए और ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। साथ ही खाद्य ,वस्तु आदि का सीमाकरण करना चाहिए। सामायिक व उपवास के साथ साल भर में एक पौषध अवश्य करना चाहिए। साध्वी श्री जी ने सम्पूर्ण समाज को 12 व्रत धारण करने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वी श्री कल्पयशा जी ने एक कहानी के माध्यम से सभी को 12 व्रतों के बारे में समझाया। कार्यशाला में तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष बाबुलाल बैद, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती अनिता गिड़ीया, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीपत बैद, तेयुप के पदाधिकारी गण व तेयुप कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन साध्वी श्री कल्पयशा जी ने किया। मंत्री नीरज सुराना ने साध्वी वृंद के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

नागरी लिपि परिषद द्वारा चवाकुल रामकृष्ण राव का सम्मान

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागरी लिपि परिषद, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति व संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर नईदिल्ली गांधी दर्शन, राजघाट के टैगोर सभागार में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडलख भारत सरकार के उपाध्यक्ष अनिल शर्मा जोशी ने किया। अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष तथा पूर्व कुलपति डॉ. प्रेमचंद पातजंलि ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में स्वाधीनता सेनानी बीआर कामराह, परिषद के कार्याध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. शाहबुद्दीन शेख, उपाध्यक्ष डॉ. सीई जीनी, गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा की पूर्व अध्यक्षा सुश्री कुसुमबेन शाह, भूटान राजदूतावास के द्वितीय सचिव किनले नामगे, हिंदी प्रेमी मंडली, हैदराबाद के अध्यक्ष चवाकुल रामकृष्ण राव उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों ने हैदराबाद के विशिष्ट हिंदी सेवी तथा हिंदी प्रेमी मंडली, हैदराबाद के संस्थापक अध्यक्ष स्व. चवाकुल नरसिंह मूर्ति का दक्षिण में हिंदी के विकास में योगदान को सराहा। इस दौरान उनके पुत्र तथा वर्तमान में हिंदी प्रेमी मंडली, हैदराबाद के अध्यक्ष चवाकुल रामकृष्ण राव का विशेष सम्मान किया गया। चवाकुल रामकृष्ण राव ने भी सभी अतिथियों का दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के अंगवस्त्र से सम्मानित किया। अपने संबोधन में सभी अतिथियों व संस्थाओं के प्रति आभार जताया तथा तेलंगाना में हिंदी के प्रचार प्रसार में विशेष योगदान देने का आश्वासन दिया।

राणी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज राणी सती दादी महिला शाखा द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अग्रसेन महाराज जी की पूजा विशेष अतिथि मधुसूदन द्वारा, शिला देवी, अनिल कुमार थरसो वालों के द्वारा की गई ओर दीप प्रज्वलित किया गया। आने वाली सभी महिलाओं को एक- एक चांदी का सिक्का उपहार स्वरूप अतिथि के द्वारा दिया गया। इसमें एक गेम अंजू और पूनम द्वारा खिलाया गया। तंबोला रिंकू गर्ग, मोनिका अग्रवाल, अर्चना संघी द्वारा आयोजित किया गया। तंबोला के काफी विजेता रहे राखी, पूजा, पायल ,दीप्ति ,नैना, मोहिता, अंशिका, काशीष, सोनिया, शिल्पा आदि। इस अवसर पर केन्द्रीय समिति सदस्य रिंकु गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल सह मंत्री ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नेहा अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य सुशीला केडिया, सीमा अग्रवाल कविता गोयल कविता संगीत एंड और अंजू अग्रवाल पूनम तुलसिया आदि के सहयोग से यह कार्य यह प्रोग्राम पूर्ण हुआ।

श्री भाग्यनगर श्याम समिति द्वारा जन्माष्टमी पर दहीहांडी कार्यक्रम लक्ष्मीनारायण मंदिर, बेला चंदुलाल में आयोजित किया गया। इसमें नन्हें-मुन्ने बच्चों के साथ भाग लेते हुए समिति के सदस्य सोनू पांडे, बलवीर तिवारी, विजय शंकर पांडे, राजेश राठी, सुदर्शन, नारायण शर्मा व अन्य।

सीएम केसीआर का उप्पल में जोरदार स्वागत

सीएम केसीआर का स्वागत करने के लिए गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से उप्पल के लिए निकली रैली में भाग लेते हुए वरिष्ट टीआरएस नेता नंद किशोर व्यास बिलाल, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह, ममता गुप्ता, धनराज, संतोष गुप्ता के साथ पूजा व्यास बिलाल, आनंद सिंह, अखिल अहमद, पूर्व पार्षद रामचंदर राजू, श्रीनिवास यादव, पी.अनीता, शशिराज सिंह, राकेश सिंह और अन्य।

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े प्रजा सभा के दौरान उप्पल में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का जोरदार स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री का अभियान उप्पल, एलबी नगर, ओआरआर पेड्डा अंबरपेट से नारायणपुर होते हुए गुजरा तथा मुनुगोड़े पर समाप्त हुआ। उप्पल नागोले खंड में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री का अभिनंदन करने के लिए एकत्र हुए। जब काफिला नागोले पहुंचा, तो भारी भीड़ के कारण हल्का ट्रैफिक जाम हो गया क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उस वाहन की ओर दौड़ पड़े, जिसमें मुख्यमंत्री यात्रा कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने लोगों को हटाया और काफिले के लिए रास्ता बनाया।

माता-पिता से नाराज युवक ने दी इमारत से कूदने की धमकी

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पेटबशीराबाद में ऑटो-रिक्शा चालक एक इमारत के ऊपर चढ़ गया और उसके माता-पिता द्वारा उसकी पसंद की लड़की से शादी करने के उसके प्रस्ताव से इनकार करने के बाद कूदने की धमकी दी। पेटबशीराबाद के दुल्लापल्ली गांव का रहने वाला अंजनयुलु (21) कथित तौर पर कुछ हफ्तों से एक नाबालिग लड़की से प्यार करता था और उसने अपने माता-पिता से कहा कि वह उससे शादी करना चाहता है। शनिवार की दोपहर अंजनेयुलु ने अपने माता-पिता से झगड़ा किया और दुल्लापल्ली में एक चार मंजिला इमारत के ऊपर चढ़ गया और चिल्लाना शुरू कर दिया और अपनी जीवन समाप्त करने के लिए इमारत से कूदने की धमकी दी।

शनिवार के दिन मदनूर मंडल सलबतपुर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में भक्तो की भारी भीड़ रही। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी अरविंद व शैलेंद्र महाराज ने पंचामृत से हनुमानजी प्रतिमा का महाभिषेक कराया।

लोअर टैंकबंड स्थित भाग्यनगर गौशाला में वल्लभ युथ आर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में भाग लेते हुए जसमत पटेल, आरके जैन, अंजा मेहता, दर्शना दोशी, अल्पा पटेल, विभा भालोडिया, लोपा पटेल, मेनका पटेल व अन्य।

उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एन.के सिंह के निवास स्थान शारदा नगर वनस्थलीपुरम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, नंदकिशोर सिंह, सूर्यांश सिंह, गायत्री सिंह उपस्थित रहे।

तेलंगाना नागरिक परिषद ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का समापन समारोह मनाया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति वामन राव देशपांडे ने कुछ युवाओं को वैश्विक युवा पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित हैं प्रेमचंद मुनोत जैन, डॉ. राजनारायण मुदीराज, डॉ. शेख रहमतुल्लाह, डॉ. मोहम्मद अख्तर अली, एनआर लक्ष्मण राव गुप्ता, मेजर जयसुधा व अन्य।

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न राजीव गांधी की 78वीं जयंती पर गांधी भवन में उन्के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित कांग्रेस नेता पी. राजेंद्र यादव, नरसिंग राव व अन्य।

कुकटपल्ली देवेन्द्रनगर स्थित कुमावत समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर, ध्वजा रोहण, मोमेन्टों वितरण, एक शाम ठाकुरजी के नाम कन्हैयालाल कुमावत द्वारा जागरण, मध्य रात्रि झुला-झुलाना, महाआरती, भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित पारसमल मोटावत, हीरालाल सिन्दड़, ध्वजा रोहण लाभार्थी दिनेशकुमार, रमेशकुमार दुबलदिया परिवार। कार्यक्रम का लाभ लेते हुए समाज बन्धु।

कुकटपल्ली देवेन्द्रनगर स्थित कुमावत समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर.

एसएमआर रेसीडेंसी, हिमायमनगर में जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नन्हें-मुन्ने तक्षक, ताव्या, चहित व अन्य।

पार्षद ने किया मुफ्त रात्रि आश्रय और भोजन कैंटीन का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में जीएचएमसी और जननी फाउंडेशन के सहयोग से ईएनटी अस्पताल में रोगियों के परिचारकों के लिए मुफ्त रात्रि आश्रय और भोजन कैंटीन का उद्घाटन जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने बतौर मुख्य अतिथि किया। राकेश जायसवाल ने कहा कि दूर-दराज से आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए सरकार की ओर से भोजन और रहने की व्यवस्था वरदान साबित हुई है। पार्षद ने रैन बसेरा को 100 कंबल सौंपे और फिर मरीजों को फल वितरित किए। इस अवसर पर जान्हवी फाउंडेशन के निदेशक राचा कोंडा मल्लेश्वर, जीएचएमसी के श्रीकांत रेड्डी, विद्यासागर, डॉ. जयामनोहर, पवन कुमार, राजू, रामकृष्ण, जनार्दन, भानु आदि उपस्थित रहे।

वनस्थलीपुरम अलमासगुडा स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर प्लॉट पर जन्माष्टमी महोत्सव पर भजन प्रस्तुत करते हुए प्रकाश तिलवासनी। अवसर पर पुजा-अर्चनाकर भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए संरक्षक सोहनलाल बांगड़ा, सचिव बाबूलाल पूनिया, कोषाध्यक्ष लिखमाराम खोकर, उपाध्यक्ष कैलाश सारण, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सीबीआई छापों पर ...

सीबीआई की एफआईआर में दावा है कि मुंबई की मेसर्ज ओनली मच लाउडर एन एंटरटेनमेंट एंड इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के पूर्व सीईओ विजय नायर ने सिसोदिया के साथ मिलकर नई नीति का खाका तैयार किया था। इसमें मनोज राय, ब्रिंडको सेल्स के अमनदीप ढल और इंडो स्प्रिट ग्रुप के एमडी समीर महेंद्रू ने मदद की।

आबकारी विभाग के दो पूर्व आला अधिकारी और एक मौजूदा अधिकारी भी इस नीति का खाका तैयार करने वालों में शामिल हैं। सीबीआई को सबूत मिले हैं कि अमित अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा और अर्जुन पांडेय ने सिसोदिया के साथ मिलकर लाइसेंस होल्डर्स से मिले अवैध फंड को डायवर्ट किया, ताकि मामला खुले भी तो अधिकारियों को दोषी ठहराया जा सके।

सीबीआई ने शुक्रवार को दिल्ली के एक्साइज स्कैम में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास समेत 7 राज्यों की 21 जगहों पर रेड डाली थी। छापेमारी करीब 14 घंटे तक चली। सीबीआई टीम शुक्रवार सुबह 7 बजे मनीष सिसोदिया के घर पहुंची।

सुबह 8:32 बजे सिसोदिया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी। इसकी भनक सीबीआई को भी नहीं लगी। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ता वहां पहुंचने लगे तो सीबीआई हेडक्वार्टर से बताए जाने के बाद टीम ने सिसोदिया का मोबाइल स्विच ऑफ करवाया। अफसरों ने उनके और परिवार के बाकी सदस्यों के फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए हैं।

बीडीए अफसर को ...

बीडीए ने उचित अधिग्रहण कार्यवाही किए बगैर सुवलाल जैन और सुरेश चंद जैन की जमीन सड़क निर्माण के लिए ले ली थी। जैन के जीपीए (जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी) धारक मंजूनाथ ने भूमि के बदले वैकल्पिक जमीन देने के लिए बीडीए में नवंबर 2021 में आवेदन दायर किया था। जिसे अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण अधिकारी और उसके बाद सर्वेयर और फिर एक्जिक्युटिव इंजीनियर (पश्चिम) और अंत में तीन जनवरी, 2022 को सहायक इंजीनियर राजू के समक्ष भेजा गया था। राजू ने इसे एसीबी द्वारा उन्हें रंगेहाथों गिरफ्तार किए जाने तक छह माह लंबित रखा था।

जमीन देने के बदले इंजीनियर बीटी राजू ने कथित तौर पर एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में यह 60 लाख रुपये कम कर दी थी। इसके बाद सात जून, 2022 को उसे पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। कर्नाटक एसीबी की टीम ने राजू को एक कार में घूस लेते पकड़ा था। इससे पहले एसीबी ने राजू की एक कॉल रिकॉर्डिंग हासिल की थी, जिसमें उसने रिश्वत की मांग की थी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया की लगातार 14वीं जीत

वनडे सीरीज पर 2-0 से अजेय बढ़त बनाई

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने दूसरे वनडे मैच में जीत हासिल करके जिम्बाब्वे के खिलाफ जारी वनडे सीरीज़ भी अपने नाम कर ली है. शनिवार को हरारे में खेले गए मैच में जिम्बाब्वे ने भारत को 162 रनों का टारगेट दिया था, जिसे टीम इंडिया ने 5 विकेट खोकर ही हासिल कर लिया. 5 विकेट से मिली इस जीत के साथ तीन मैच की सीरीज़ में टीम इंडिया ने 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है. इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो दीपक हुड्डा (25 रन) और संजू सैमसन (43 रन) रहे, जिन्होंने शुरुआती झटकों के बाद टीम इंडिया की पारी को पहले संभाला और फिर जीत दिलवा दी. टीम इंडिया ने इस मैच में अपने शुरुआती चार विकेट सिर्फ 97 के स्कोर पर ही खो दिए थे. दोनों खिलाड़ियों के बीच 56 रनों की साझेदारी हुई, दीपक आउट हुए लेकिन संजू सैमसन अंत तक टिके रहे. इस बार शिखर धवन के साथ कप्तान केएल राहुल ओपनिंग करने आए थे, लेकिन वह एक ही रन बना पाए. शिखर धवन इस बार 33 रन ही बना पाए, जबकि शुभमन गिल भी 33 रन बनाकर आउट हुए. टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज ईशान किशन 6 रन बनाकर आउट हुए. पहले वनडे में पूरी तरह फेल साबित हुई जिम्बाब्वे की टीम यहां भी कुछ कमाल नहीं कर पाई. जिम्बाब्वे की पूरी टीम 161 पर ऑलआउट हो गई. टीम की ओर से शॉन विलियम्स ने सबसे ज्यादा 42 रनों की पारी खेली, उनके अलावा रायन बर्ल ने अंत में 39 रन बनाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक ले गए. उनके अलावा बाकी प्लेयर्स भी यहां भी फेल हुए,

कप्तान रेगिस सिर्फ दो ही रन बना पाए तो स्टार बल्लेबाज सिकंदर रजा भी 16 ही रन बनाकर चलते बने. भारत की ओर से इस मैच में शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए, जिन्हें दीपक चाहर की जगह टीम में शामिल किया गया था. उनके अलावा मोहम्मद सिराज, प्रसिध कृष्णा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और दीपक हुड्डा को भी एक-एक विकेट मिला. जबकि दो प्लेयर रनआउट हुए।

शाहीन अफरीदी एशिया कप टूर्नामेंट से बाहर

दुबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान की क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। स्टार लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर शाहीन शाह अफरीदी घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। शाहीन इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में भी नहीं खेल पाएंगे।

एशिया कप में पाकिस्तान का पहला मुकाबला 28 अगस्त को भारत से होना है। इसके बाद 4 सितंबर को भी दोनों टीमों के बीच भिड़ंत होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को बयान जारी कर शाहीन के बाहर होने की खबर दी। बोर्ड ने कहा कि तेज गेंदबाज को वापसी करने में 4 से 6 सप्ताह का समय लगेगा। स्कैन रिपोर्ट आने के बाद ब ने विशेषज्ञों से सलाह ली थी। इसके बाद यह तय हुआ कि वे लंबे समय तक नहीं खेल पाएंगे। शाहीन के बाहर से होने से भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर को बड़ी राहत मिली है। टी-20 इंटरनेशनल में शाहीन करीब 70% मैचों के पहले ओवर में विकेट चटकाते हैं।

लंदन में थमेगी चकदा एक्सप्रेस

झूलन गोस्वामी ने किया संन्यास का ऐलान, लॉर्ड्स में आखिरी वनडे खेलेंगी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। विमेंस क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। वे 24 सितंबर को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक स्टेडियम में अपना आखिरी मुकाबला खेलेंगी। चकदा एक्सप्रेस के नाम से मशहूर 39 साल की इस खिलाड़ी ने 6 जनवरी 2002 को इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने 20 साल के करियर में झूलन ने 281 मुकाबले खेले हैं। उनके नाम 352 विकेट दर्ज हैं।

झूलन विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

उन्होंने 34 विश्व कप मैचों में 43 विकेट लिए हैं। वे विश्व कप में 2 बार 4 विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। इससे पहले वे टी-20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले चुकी हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 मैच 2018 में और आखिरी टेस्ट अक्टूबर 2021 में खेला था।

मार्च में खेला था आखिरी मुकाबला

झूलन ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मुकाबला मार्च महीने में खेला था। वे न्यूजीलैंड में खेले गए विमेंस वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ उतरी थीं। उस मैच में झूलन ने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। बोर्ड उन्हें वर्ल्ड कप मैच में ही फेयरवेल देना चाह रहा था। लेकिन, वे चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी लीग मैच में नहीं खेल सकी थीं।

2 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

झूलन गोस्वामी की लाइफ पर बॉलीवुड फिल्म भी बन रही है। उसमें अनुष्का शर्मा लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2 फरवरी 2023 को रिलीज होगी।

प.बंगाल के चकदा में जन्मी झूलन ने 15 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी। वे 19 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए चुन ली गई थीं। घर के पास लड़के खेलने नहीं देते थे। इसलिए 80 कि.मी. दूर प्रैक्टिस करने जाती थीं।

कोहली की फॉर्म पर बोले चहल

जब वे 15-20 रन बनाकर खेल रहे होते हैं तो कोई बॉलर ओवर नहीं डालना चाहता

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा है कि टीम इंडिया में कोहली का शतक बस नहीं है जो मायने रखता है। उन्होंने कई अहम योगदान दिए हैं। पूर्व कप्तान विराट कोहली के फॉर्म पर चहल ने कहा- 'दिक्कत यह है कि हम केवल उनके शतक के बारे में सोचते हैं। हम उनके 60-70 के योगदान के बारे में नहीं सोचते हैं।' कोहली ने पिछले 1001 दिनों से शतक नहीं जमाया है। हालांकि, विराट ने इस दौरान कई अर्धशतक जमाए हैं।

ऐसे में उनकी आलोचना हो रही है और टीम इंडिया के खिलाड़ी उनका बचाव कर रहे हैं। चहल ने एक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए कहा है कि जब वे 15-20 रन बनाकर खेल रहे होते हैं तो कोई बॉलर ओवर नहीं डालना चाहता है। 32 साल के स्पिनर ने कहा है कि यदि कोई खिलाड़ी टी-20 में 50+ का एवरेज रखता है और 2 टी-20 वर्ल्ड कप में मैन ऑफ द टूर्नामेंट है। जिसने सभी फॉर्मेट में मिलाकर 70 शतक जामाए हैं। आपको उनका एवरेज देखना चाहिए। चहल ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी पर कहा कि टीम में मेरे रोल में कोई बदलाव नहीं आया है।

भारत के महान फुटबॉल खिलाड़ी समर बदरू बनर्जी का निधन

1956 में किया था ऐतिहासिक कारनामा

कोलकाता, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान समर बदरू बनर्जी का निधन हो चुका है। 1956 ओलंपिक में भारतीय फुटबॉल टीम ने उनकी अगुवाई में चौथे नंबर तक का सफर तय किया था। ओलंपिक के इतिहास में यह भारतीय फुटबॉल टीम का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। 92 साल के समर बदरू को 'बदरू दा' के नाम से जाना जाता था और वे लंबे समय से बीमार थे।

बदरू दा को अलजाइमर, अजोटेमिया, उच्च रक्तचाप की समस्या थी। 27 जुलाई को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें बांगर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर दुख जताया है। ममता ने लिखा ₹मशहूर फुटबॉलर और बेहतरीन खिलाड़ी समर बनर्जी के निधन से आहत हूं। पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें 2016-17 में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। वह कई लोगों के लिए प्रेरणा रहेंगे। मोहन बागान के सचिन देवासीष दत्ता ने बताया उनकी तबियत खराब होने पर उन्हें राज्य के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राज्य के खेल मंत्री अरूप बिस्वास भी मामले पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने तड़के दो बजकर 10 मिनट पर आखिरी सांस ली। वो हमारे प्यारे बदरू दा थे और उन्हें 200 में मोहग बागान रत्न मिला था। यह एक बड़ी क्षति है।

अब तक तीन ओलंपिक खेली है भारतीय फुटबॉल टीम

भारतीय फुटबॉल टीम ने अब तक तीन बार ओलंपिक में भाग लिया है। इनमें 1956 का प्रदर्शन सबसे बेहतरीन रहा है। इस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक के मैच में बुल्गेरिया के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड ने 50 रनों से जीता वर्षा बाधित मैच

ब्रिजटाउन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की घातक गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज पर 50 रनों की जीत हासिल की है। इस जीत से कीवी टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। वेस्टइंडीज ने पहला वनडे 5 विकेट से जीता था। अब निर्णायक मुकाबला 21 अगस्त को खेला जाएगा। ब्रिजटाउन में इस वर्षा बाधित मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबानों के सामने 213 रनों का लक्ष्य रखा। इस स्कोर के सामने विंडीज की पूरी टीम 161 रन ही बना सकी। उसके 6 बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए, जबकि 3 खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए। ट्रेंट बोल्ट ने इस दौरान तीन और टिम साउदी ने 4 विकेट लिए।

मैन ऑफ द मैच फिन एलन ने 96 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन चोट के चलते बाहर हुए। ऐसे में टॉम लॉथम ने कमान संभाली। वेस्टइंडीज ने गेंदबाजी चुनी। कैरेबियन गेंदबाजों ने कप्तान निकोलस पूरन का यह निर्णय शुरुआती पलों में सही सबित किया, क्योंकि पहले 10 ओवर में उन्होंने न्यूजीलैंड के 31 रन पर तीन विकेट गिरा दिए थे। फिर फिन एलन और डेरेल मिशेल (41) के बीच चौथे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड के भी 7 खिलाड़ी सिंगल डिजिट में आउट हुए।

प्रगनाननंदा ने क्रिप्टो कप शतरंज में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी को हराया, लगातार चौथी जीत

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के आर प्रगनाननंदा ने एफटीएक्स क्रिप्टो कप शतरंज में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी लेवोन आरोनियन को 3-1 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। सत्रह वर्ष के प्रगनाननंदा अब 12 अंक लेकर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के साथ शीर्ष पर हैं। कार्लसन ने चीन के कुआंग लियेम ली को 3-1 से हराया। पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद प्रगनाननंदा ने तीसरा मुकाबला जीता। इसके बाद चौथे मुकाबले में 44 चालों में जीत दर्ज करके पूरे अंक हासिल किए। उन्होंने पहले अलीरजा फिरोजा को , फिर अनीश गिरी और तीसरे दौर में हैंस नीमैन को हराया था। फिरोजा के प्रगनाननंदा और कार्लसन से चार अंक कम हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। आठ खिलाड़ियों का यह टूर्नामेंट चैंपियंस शतरंज टूर का अमेरिकी फाइनल है। इसमें सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से खेलेंगे और हर मैच जीतने पर 7500 डॉलर मिलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार के बावजूद मैं ठीक हूं : स्टोक्स

लंदन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों लॉर्डस में मिली पारी और 12 रन की बड़ी हार के बावजूद पूरी तरह ठीक हैं और वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिन्हें एक हार से कुछ फर्क पड़े। इंग्लैंड को यह हार न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ लगातार चार जीत के बाद मिली है। इस हार से इंग्लैंड वास्तविक स्थिति पर विचार करने के लिए मजबूर हो जाएगा और उसे अपनी आक्रामक खेल शैली पर फिर से विचार करना होगा जिसने उन्हें पिछली लगातार चार जीत में फायदा पहुंचाया था लेकिन इसका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उल्टा परिणाम निकला।

अंतिम ने जीता स्वर्ण पदक, अमेरिका को पछाड़ कर दूसरे स्थान पर भारत

बुल्गेरिया, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की युवा पहलवान अंतिम ने जूनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। अंतिम भारत की पहली पहलवान हैं, जिन्होंने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

उन्होंने महिलाओं के 53 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में कजाखस्तान की पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने शानदार शुरुआत की थी। पहले मैच में अंतिम ने जर्मनी की पहलवान को 11-0 के अंतर से हराया था। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में जपानी पहलवान को गिराकर मैच जीत लिया था। उनके इस प्रदर्शन के बाद जापानी खिलाड़ी स्तब्ध रह गई थी। सेमीफाइनल में अंतिम ने यूक्रेन की पहलवान को आसानी से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में उन्होंने कजाखस्तान की पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने स्वर्ण पदक जीतने पर अंतिम को बधाई दी है। इसके अलावा भारत के दो अन्य पहलवान फाइनल में हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए। दोनों को रजत के साथ संतोष करना पड़ा। इसके अलावा दो अन्य खिलाड़ियों ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। इसी के साथ ही भारत की जूनियर पलवानों की टीम ने 160 अंक हासिल किए और चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। 230 अंक हासिल करने वाले जापान ने पहले स्थान पर कब्जा किया। वहीं, अमेरिकी टीम 124 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारत के लिए किन पहलवानों ने जीते पदक

भारत के लिए अंतिम ने किलोग्राम भारवर्ग में पदक जीता। इसके अलावा सोनम ने 62 किलोग्राम और प्रियंका ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक पर कब्जा किया। 57 किग्रा भारवर्ग में सितो और 72 किग्रा भारवर्ग में रीतिका ने कांस्य पदक जीता।

हालांकि, ग्रासो रोमन स्टाइल में भारत के सभी पहलवान अपने पहले ही मुकाबले में हार गए। अभी पांच कैटेगरी के मुकाबले रविवार को होंगे।

वर्ल्डकप से ठीक 100 दिन पहले फीफा ने बदला शेड्यूल

अब कतर में 20 नवंबर से शुरू होगा फुटबॉल महाकुंभ; पहले 21 नवंबर से होना था

कतर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कतर में शुरू होने जा रहे फीफा वर्ल्ड कप की तारीख में बदलाव किया गया है। अब टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर के बजाए 20 नवंबर से होगी। यह फैसला फीफा ने कतर के आवेदन पर लिया है, ताकि आयोजक देश कतर वर्ल्ड कप का पहला मैच खेल सके। टूर्नामेंट में 32 देशों की टीम हिस्सा लेंगी और 150 से ज्यादा देशों में इसका प्रसारण होना है।

फीफा के इस फैसले के कारण फैंस, ब्रॉडकास्टर और विज्ञापन कंपनियां एक बड़ी उलझन में फंस गई हैं। फैंस पहले से ही कतर के लिए फ्लाइट और होटल बुक कर चुके हैं और मैच के लिए टिकट भी खरीद लिए हैं।

अब उन्हें यह सब बदलना पड़ेगा। इसके चलते उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कंपनियों ने बड़ी कीमतों पर विज्ञापन के लिए जगह खरीदी थी अब उसमें बदलाव करना होगा। इस के कारण महीनों पहले बनाई हुई योजना में बदलाव करना पड़ेगा।

कतर वर्ल्ड कप आयोजक देशों में सबसे छोटा

एक लिकर कंपनी जो की फीफा के सबसे बड़े पार्टनर्स में से एक है, इसको लेकर अभी तक कतर अधिकारियों के साथ किसी समझौते पर नहीं पंहुचा है। इसके साथ ही कतर जैसा छोटा देश फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अच्छे से कर पाएगा, इसको लेकर भी शंका बढ़ती जा रही है। कतर अब तक सबसे छोटा देश है, जहां फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है।

मेजबान ने कई देशों से पुलिस समझौते किए

फीफा मुकाबले के दौरान दूसरे देशों से भारी संख्या में फैंस मैच देखने के लिए पहुंचेंगे। इतनी बड़ी संख्या को संभालने के लिए कतर ने कई देशों के साथ पुलिस समझौता पर हस्ताक्षर किया है। तुर्की ने जनवरी में कहा था कि वो फीफा टूर्नामेंट के लिए कतर को 3000 सुरक्षा बल देगा। जिसका काम सिर्फ फैंस की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना होगा।

जिस मैच का टिकट खरीदा, वो मैच देख सकेंगे फैंस

फैंस को भी कतर में रहने के लिए जगह ढूढ़ने में समस्या हो रही है। फीफा के कारण वहां के होटलों के किराए काफी बढ़ गए हैं। कतर अधिकारियों ने कहा, 'फैंस द्वारा जिस मैच की टिकट खरीदा गया है, वो उस मैच के लिए वैध रहेगा और मैच देख सकेंगे।'

ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन 2022 : टूर्नामेंट के एकल विजेता को मिलेंगे 20 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, 20 अगस्त (एजेंसियां)। साल के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन की पुरस्कार राशि घोषित कर दी गई है। 29 अगस्त से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के लिए कुल पुरस्कार राशि छह करोड़ डॉलर (4.80 अरब रुपये) निर्धारित की गई है। एकल के विजेता को 26 लाख डॉलर (20 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

यूएस टेनिस एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को बताया गया कि मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने पर महिला और पुरुष खिलाड़ी को 80 हजार डॉलर (63.93 लाख रुपये) मिलेंगे। दूसरे दौर में प्रवेश करने पर एक लाख 21 हजार डॉलर (96.69 लाख रुपये) मिलेंगे। यूएस ओपन में खिलाड़ियों को वर्ष के चारों ग्रैंडस्लैम से ज्यादा पुरस्कार राशि दी जाएगी।

2019 में एकल के विजेता को मिले थे 39 लाख डॉलर

कोरोना महामारी से पहले 2019 में हुए यूएस ओपन के विजेता को 39 लाख डॉलर (31 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं, पहले दौर में हारने वाले को 58 हजार डॉलर और दूसरे दौर में हारने वाले को एक लाख डॉलर दिए गए थे।

उपविजेता को मिलेंगे 13 लाख डॉलर

इस वर्ष यूएस ओपन के उपविजेता को 13 लाख डॉलर (10.38 करोड़ रुपये) मिलेंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर चार लाख 45 हजार डॉलर (3.55 करोड़ रुपये) और सेमीफाइनलिस्ट को सात लाख पांच हजार डॉलर (5.63 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे। युगल विजेताओं को छह लाख 88 हजार डॉलर (5.49 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे। पिछले पुरस्कार राशि 5.75 करोड़ डॉलर थी (4.51 अरब रुपये), जो इस वर्ष छह करोड़ डॉलर से अधिक हो गई है। वहीं, टूर्नामेंट क्वालिफाइंग की कुल पुरस्कार राशि 62.60 लाख डॉलर (50 करोड़ रुपये) है।

साल के सभी ग्रैंडस्लैम से ज्यादा राशि

तेलंगाना पर मुफ्त बिजली आपूर्ति सुविधा बंद करने का दबाव बना रहा है केंद्र : केसीआर

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आगाह किया कि अगर लोगों ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को वोट दिया तो कृषि पंप सेटों पर बिजली मीटर लगाना अनिवार्य हो जाएगा। उन्होंने किसानों को यह भी आगाह किया कि अगर भाजपा उम्मीदवार चुने जाते हैं तो रैतू बंधु और रैतू बीमा योजनाओं के साथ ही मुफ्त बिजली आपूर्ति की सुविधा बंद कर दी जाएगी। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के चौटुप्पल के पास जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार तेलंगाना पर कृषि पंप सेटों पर मीटर लगाने और किसानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति की सुविधा बंद कर देने का दबाव बना रही है। केसीआर ने घोषणा की, "जब तक मैं जीवित रहूंगा, मैं कृषि पंप सेटों पर बिजली के मीटर लगाने की अनुमति नहीं दूंगा और तेलंगाना में रैतूबंधु और रैतूबीमा की योजनाओं को नहीं रोका जाएगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार आने वाले दिनों में किसानों की सभी सुविधाएं वापस लेकर देश में कृषि क्षेत्र को कमजोर करने और अपने व्यापारिक मित्रों के सहयोग से इसे कॉरपोरेट खेती बनाने की साजिश रच रही है। केसीआर ने कहा कि टीआरएस पार्टी केंद्र की साजिशों को कभी नहीं होने देगी जिससे कृषि क्षेत्र में अस्थिरता आएगी और पार्टी किसानों के कल्याण के लिए हमेशा संघर्ष करेगी। उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को मुनुगोडु में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान उन्हें जवाब देना चाहिए कि केंद्र सरकार पिछले आठ साल में कृष्णा नदी के पानी के आवंटन में तेलंगाना राज्य की हिस्सेदारी का पता लगाने में विफल क्यों रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के हिस्से का पता लगाने में असमर्थता के लिए अपनी सरकार की विफलताओं को जनता के सामने स्वीकार करना चाहिए। अन्यथा, उन्हें तेलंगाना राज्य के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। इस अवसर पर, टीआरएस अध्यक्ष ने मुनुगोडु उपचुनाव में टीआरएस उम्मीदवार को अपना समर्थन देने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि सीपीआई (एम) जल्द ही टीआरएस का समर्थन करने का वही निर्णय लेगी। केंद्र में भाजपा सरकार के शासन में देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए, केसीआर ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सभी प्रगतिशील ताकतों और समान विचारधारा वाले अन्य दलों द्वारा एकजुट होने का समय आ गया है। तेलंगाना में आम चुनाव बस एक साल दूर हैं। मुनुगोडु उपचुनाव का कोई वैध कारण नहीं है। लेकिन, बीजेपी ने बेवजह इस चुनाव को लाकर हम पर थोपा है। लोगों को आगामी चुनावों में इसे उचित सबक सिखाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार ने मिशन भगीरथ के प्रभावी कार्यान्वयन और नल कनेक्शन के माध्यम से हर घर में पीने के पानी की आपूर्ति के साथ तत्कालीन नलगोंडा जिले में फ्लोरोसिस संकट को समाप्त कर दिया था।

मुनुगोड़े में टीआरएस की जीत निश्चित : तलसानी

हैदराबाद, 20 अगस्त (अगस्त)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में टीआरएस की जीत को निश्तिच बताया। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की जनसभा में भाग लेने के लिए शनिवार को पश्चिम मारेडपल्ली नगरपालिका मैदान से मुनुगोड़े तक एक विशाल रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के स्वार्थी राजनीतिक हितों के कारण निर्वाचन क्षेत्र के लिए उपचुनाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े में टीआरएस की जीत निश्चित है। मंत्री ने कहा कि 'क्या भाजपा विधायक बता सकते हैं कि केंद्र सरकार से उनके द्वारा जीते गए निर्वाचन क्षेत्रों में कितना धन लाया गया है?' उन्होंने कहा कि विकास और कल्याण कार्यक्रमों को लागू करने में तेलंगाना देश में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को मुफ्त डबल बेडरूम घर बना रही है और कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। देश में कोई अन्य राज्य इन विकास और कल्याणकारी गतिविधियों को लागू नहीं कर रहा है। मंत्री ने कहा कि कई उद्योगपति सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रोत्साहन से राज्य में अपनी कंपनियां स्थापित कर रहे हैं और कहा कि टीआरएस सरकार के शासन में सभी वर्गों के लोग खुश हैं।

मुनुगोडु में टीआरएस कभी नहीं जीत पाएगी उपचुनाव : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव कभी नहीं जीत पाएगी, भले ही मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनके परिवार के सदस्यों ने डेरा डाला हो। उन्होंने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पार्टी सदस्यों के साथ जनसभा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल असुरक्षा की स्थिति में है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की निर्धारित जनसभा से एक दिन पहले निर्वाचन क्षेत्र में सीएम केसीआर की जनसभा के आयोजन का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता अपनी पार्टी के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं क्योंकि वे हुजूराबाद उपचुनाव में भाजपा की जीत को पचा नहीं पा रहे है। उन्होंने सीएम केसीआर को स्पिन मास्टर बताया और कहा कि सीएम लोगों को ठगने में माहिर हैं। उन्होंने दावा किया कि जब भी चुनाव होते हैं टीआरएस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार विधानसभा क्षेत्रों का विकास कर रही है। उन्होंने सीएम से पूछा कि किस क्षेत्र या क्षेत्र में तेलंगाना राज्य देश के अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बन गया है? यह दावा करते हुए कि मुख्यमंत्री ने एटाला राजेंद्र को हराने के उद्देश्य से दलित बंधु योजना लाई थी, उन्होंने कहा कि उपचुनाव से पहले दलित बंधु योजना लागू होने के बावजूद हुजुराबाद के लोगों ने भाजपा को आशीर्वाद दिया था। पूर्व विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि लोगों ने रेड्डी के फैसले का स्वागत किया था और कहा कि मुनुगोडु में उनकी जीत को कोई नहीं रोक सकता, जबकि यह देखते हुए कि निर्वाचन क्षेत्र के लोग राजगोपाल रेड्डी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु में भी दुब्बाका और हुजुराबाद विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणाम दोहराए जाएंगे।

आंध्र में 227.71 हेक्टेयर में नींबू की फसल बर्बाद होने पर 398 किसानों को मुआवजा मिला

नई दिल्ली, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में पिछले साल नवंबर महीने में भारी वर्षा के कारण 227.71 हेक्टेयर क्षेत्र में नींबू की फसल बरबाद हो गई थी, जिसमें 91.71 हेक्टेयर मीठे संतरे और 136 हेक्टेयर एसिड लाइम का क्षेत्र शामिल है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारी वर्षा से नींबू की फसल बरबाद होने से राज्य के कुल 398 किसान प्रभावित हुए है। प्रदेश में पांच जिलों के सबसे अधिक 272 किसान एसिड लाइम की फसल बरबाद होने से प्रभावित हुए है। एसिड लाइम की फसल वाईएसआर कडपा का 120.76, एसपीएसआर नेल्लोर का 11.90, प्रकाशम का दो, कुर्नूल का 1.20 और चित्तूर का 0.15 हैक्टेयर क्षेत्र में बरबाद हुई है।

वाईएसआर कडपा में 88.21 हेक्टेयर क्षेत्र के 121 किसान और अनंतपुर में 3.50 हेक्टेयर क्षेत्र के पांच किसान मीठे संतरे की फसल बरबाद होने से प्रभावित हुए है। सूत्रों के अनुसार बाढ सहित प्राकृतिक आपदाओं के घटने पर आवश्यक राहत उपाय करने के लिए प्राथमिक रूप से जिम्मेदारी राज्य सरकार पर होती है। राहत उपाय करने के लिये राज्य सरकार के पास राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के रूप में निधियां उपलब्य रहती है।

गंभीर प्राकृतिक आपदाओं के लिए एसडीआरएफ के अलावा राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने पर विचार किया जाता है और इसे स्थापित प्रक्रियाओं के अनुरूप राज्य सरकार से प्राप्त ज्ञापन के आधार पर अनुमोदन दिया जाता है। राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण :डीबीटी: मोड के तहत 126 किसानों को मीठे संतरे के लिये 18.34 लाख रूपये और 272 किसानों को एसिड लाइम के लिये 27.20 लाख रूपये की राशि जारी की गई है।

सूत्रों ने बताया कि पिछले छह साल के दौरान आंध्र प्रदेश में नींबू की फसलों की खेती का क्षेत्र बढ़ रहा है। वर्ष 2015-16 में एसिड लाइम की खेती का क्षेत्र 34,264 हेक्टेयर से बढ़कर 2020-21 में 43,044 हेक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार मीठे संतरे की खेती का क्षेत्र 2015-16 में 77,940 हेक्टेयर से बढ़कर 2020-21 में 1,10,970 हेक्टर हो गया है। वर्ष 2016-17 से समेकित बागवानी विकास मिशन योजना के लिए मिशन के क्षेत्र विस्तार घटक के तहत आंध्र प्रदेश में मीठा संतरा और एसिड लाइम की खेती हेतु 8340 हेक्टेयर के लक्ष्य की तुलना में 7705 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जा चुका है।

वाईएसआरसीपी विधायक के दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

अमरावती, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के विधायक के दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सरकारी सचेतक और अनंतपुर जिले के रायद्रुग विधायक कापू रामचंद्र रेड्डी के दामाद पी. मंजूनाथ रेड्डी (34) गुंटूर जिले के कुचनपल्ली में एक अपार्टमेंट इमारत में शुक्रवार रात अपने फ्लैट में मृत पाए गए। मंजूनाथ रेड्डी यहां के दौरे के दौरान दो-तीन दिन तक फ्लैट में रहा करते थे। वह तीन दिन पहले आया था, लेकिन शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया।

मृतक अन्नामय्या जिले का रहने वाला था और उसके पिता महेश्वर रेड्डी वाईएसआरसीपी के नेता और पीएमआर कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक हैं। मंजूनाथ रेड्डी एक ठेकेदार थे, जबकि उनकी पत्नी श्रावती एक चिकित्सक हैं। चार साल पहले इनकी शादी हुई थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर महेश्वर रेड्डी विजयवाड़ा पहुंचे। प्रारंभ में, मृत्यु को आत्महत्या कहा गया था।

मुनुगोडु में हमारी पार्टी को दलितों और आदिवासियों का समर्थन : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख ए रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के दलितों और आदिवासियों का कांग्रेस पार्टी को पूरा समर्थन है। उन्होंने यह टिप्पणी निर्वाचन क्षेत्र के संस्थान नारायणपुरम मंडल के पोरलागड्डा थाना में पार्टी की पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर पार्टी के उपचुनाव अभियान की शुरुआत करने के बाद पार्टी नेताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में निर्वाचन क्षेत्र के 175 गांवों में पदयात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे उनकी पार्टी के प्रधानमंत्रियों ने न केवल देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, बल्कि इसके विकास के लिए कई विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को भी हाथ में लिया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जैसे पार्टी और पार्टी के नेताओं ने अंतिम सांस तक देश के विकास के लिए काम किया। उन्होंने याद दिलाया कि राजीव गांधी ने देश की अखंडता और विश्व शांति के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने राजीव गांधी की जयंती पर उनकी सेवाओं को याद करने के लिए अपना कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने राज्य की जनता को बताया कि राजीव गांधी ने देश में कई सुधारों की शुरुआत की थी। प्रतिद्वंद्वी भाजपा और टीआरएस पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों के शासन में लोकतंत्र खतरे में है और मुनुगोडु के लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में दो राजनीतिक दलों को खारिज कर देश में लोकतंत्र को जीवित रखने का आग्रह किया- चुनाव। उन्होंने राज्य के युवाओं से पैसे की राजनीति को खारिज करने का भी आग्रह किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से निर्वाचन क्षेत्र के सभी घरों पर पार्टी के स्टिकर चिपकाने का आग्रह किया। रेड्डी ने खुलासा किया कि उन्होंने तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर एम. कोडंदरम से मुलाकात की और उनसे उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी को समर्थन देने का आग्रह किया।

नलगोंडा के युगल ने एल्ब्रुस पर्वत पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 20 अगस्त (अगस्त)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले के एक जोड़े ने भारत का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए माउंट एल्ब्रस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। 5,642 मीटर की ऊंचाई पर चढ़कर, वेंकट रेड्डी (52) और विजया लक्ष्मी (50) ने 15 अगस्त को सुबह 8:25 बजे (आईएसटी) यूरोप के सबसे ऊंचे पर्वत पर तिरंगा फहराया। त्रिपुराराम मंडल में सरकारी शिक्षिका के पद पर कार्यरत विजया लक्ष्मी की हमेशा से पर्वतारोहण में रुचि रही है। इससे पहले, उसने अकेले अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो (5,895 मीटर) और उत्तराखंड में रुदुगैरा पहाड़ों (5,819 मीटर) पर चढ़ाई की थी।

विशाखापट्टणम से तिरुपति, सिकंदराबाद, महबूबनगर के लिए विशेष ट्रेनें

विशाखापत्तनम, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व तट रेलवे विशाखापट्टनम से तिरुपति, सिकंदराबाद और महबूबनगर के लिए साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाएगा, ताकि अतिरिक्त भीड़ को कम किया जा सके। ट्रेन संख्या 08583 विशाखापट्टनम-तिरुपति साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन 29 अगस्त से 26 सितंबर तक सोमवार को 19.00 बजे विशाखापत्तनम से रवाना होगी और अगले दिन 09.15 बजे तिरुपति पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 08584 तिरुपति-विशाखापत्तनम साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन 30 अगस्त से 27 सितंबर तक मंगलवार को 21.55 बजे तिरुपति से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 10.15 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08579 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल 24 अगस्त से 28 सितंबर तक बुधवार को 19.00 बजे विशाखापत्तनम से प्रस्थान कर अगले दिन 08.20 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 08580 सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम साप्ताहिक स्पेशल 25 अगस्त से 29 सितंबर तक 19.40 बजे गुरुवार को सिकंदराबाद से रवाना होगी तथा अगले दिन 06.40 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी।

सिंगरेनी कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

पेद्दापल्ली, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कार्यकर्ता कोराकोपुला राजेंद्र (35) की शनिवार तड़के गोदावरीखानी के गंगानगर में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक, हेलमेट पहने दो अज्ञात व्यक्ति राजेंद्र के आवास में घुसे और देशी पिस्टल से उन्हें गोली मार दी। वह मौके पर मर गया। दो बजे के करीब दो बाइक पर सवार व्यक्ति मौके पर पहुंचे और मृतक की पत्नी रावली के वाशरूम में जाने पर घर में घुसे। जब वह बिस्तर पर सो रहा था, तब उन्होंने उसके पति पर दो गोलियां चलाईं। राजेंद्र की मौत की पुष्टि के बाद वे मौके से फरार हो गए। मृतक मनचेरियल जिले के श्रीरामपुर क्षेत्र में आरके-7 कोयला खदान में जनरल मसदूर के पद पर कार्यरत था। गोदावरीखानी एसीपी गिरिप्रसाद, सीआई रमेश बाबू और राजकुमार ने मौके का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच के लिए दो विशेष टीमों का गठन किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें निःसंकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

नई शिक्षा नीति भारत को जीवंत ज्ञान समाज में बदल देगी : राज्यपाल

सीजेआई जस्टिस एनवी रमना को विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि प्रदत्त

विजयवाड़ा, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विश्वभूषण हरिचंदन ने शनिवार को विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय के 37वें और 38वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि एक देश के रूप में, हम बुनियादी ढांचे, उद्योगों, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कृषि में आगे बढ़े हैं और भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए हम उन भारतीयों के ऋणी हैं, जो देश के विकास के लिए एक उत्साह के साथ प्रतिबद्ध हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 1986 की 34 वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई) की जगह लेती है और नई नीति पहुंच, इक्विटी, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 का उद्देश्य भारत को एक जीवंत ज्ञान समाज और वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में बदलना है, जिसमें स्कूल और कॉलेज शिक्षा दोनों को अधिक समग्र, लचीला, बहु-विषयक, 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल बनाया गया है और इसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र की अनूठी क्षमताओं को सामने लाना है।

उन्होंने आगे कहा कि एनईपी 2020 व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26.3% (2018) से बढ़ाकर 2035 तक 50% करने पर केंद्रित है और समावेशी और समावेशी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि एक विश्वविद्यालय तभी सफलतापूर्वक विकसित हो सकता है जब अनुसंधान और शिक्षण एक साथ चलते हैं और हमें सीखने के लिए अनुकूल एक सहयोगी वातावरण का विकास सुनिश्चित करना चाहिए, सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के संपर्क और नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना चाहिए। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.